सुप्रभात

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

* * नगर संस्करण । पेज : 12 | रांची, बुधवार 05.06.2024 | जेष्ठ, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी , संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 321

फिर मोदी सरकार, मजबूत विपक्ष

अबकी बार कमजोर सरकार, नीतीश और नायडू होंगे महत्वपूर्ण, कांग्रेस एनडीए में सेंध लगाने में भी जुटी

2009 के बाद पहली बार केंद्र में बनेगी गठबंधन सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद एक बार फिर से भाजपा के नेतृत्व में एनडीए सरकार का बनना लगभग तय है। जनता ने तीसरी बार एनडीए को सरकार चलाने के लिए बहुमत दिया है। खास बात है कि इस बार भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही है। नतीजों के मुताबिक भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। लेकिन 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से अभी दूर है। एनडीए का आंकड़ा करीब 300 के करीब पहुंचता दिख रहा है। भाजपा अब तक 163 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है जबकि 77 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। कुल मिला कर भाजपा 240 सीटें उसे आ रही हैं। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन भी 232 सीटें हैं। ऐसे में गठबंधन की ओर से उसके बड़े नेताओं ने एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जदयू से संपर्क साधना भी शुरू कर दिया है। सरकार बनाने के लिए मोदी को पहली बार गठबंधन पर निर्भर होना पड़ेगा। एनडीए के 300 के आंकड़े में नीतीश कुमार (जदयू) और चंद्रबाबू नायडू (टीडीपी) किंग मेकर की भूमिका में हैं।

आम सहमति होगी जरूरी

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकला में अहम मुद्दों पर निर्णय लेने से पहले सहयोगी दलों से विचार विमर्श अधिक जरूरी हो जायेगा।

(शेष पेज 11 पर)

वर्षों बाद गठबंधन सरकार

हालांकि, सहयोगी दलों के साथ एनडीए बहुमत के पार पहुंच गया है। ऐसे में 10 साल बाद एक बार फिर से केंद्र में क्षेत्रीय दलों पर निर्भर सरकार बनेगी। ऐसे में पीएम मोदी पहली बार खिचड़ी सरकार चलाने पर मजबूर होंगे। चुनाव परिणाम में इस बार क्षेत्रीय दलों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। एनडीए में टीडीपी और जदयू सबसे अहम सहयोगी बनकर उभरे हैं। जदयू को बिहार में भाजपा से कम सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद भी उससे अधिक सीटों पर जीत हासिल की है। टीडीपी के खाते में 16 सीटें हैं, जबकि जदयू के खाते में 12 सीट।

मजबूत नहीं मजबूर सरकार

कहा जाता है कि देश की सत्ता का रास्ता बिहार और यूपी से होकर ही गुजरता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में ये दिखा भी था। पर 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। अगले 5 साल तक केंद्र एनडीए की सरकार तो जरूर रहेगी लेकिन, मजबूत नहीं मजबूर रहेगी। यूपी ने मोदी और भाजपा को इतना जोरदार झटका दिया जिससे उबरने में उसे काफी समय लगेगा। वहीं अखिलेश की सपा मजबूत स्थिति में उभरी है।

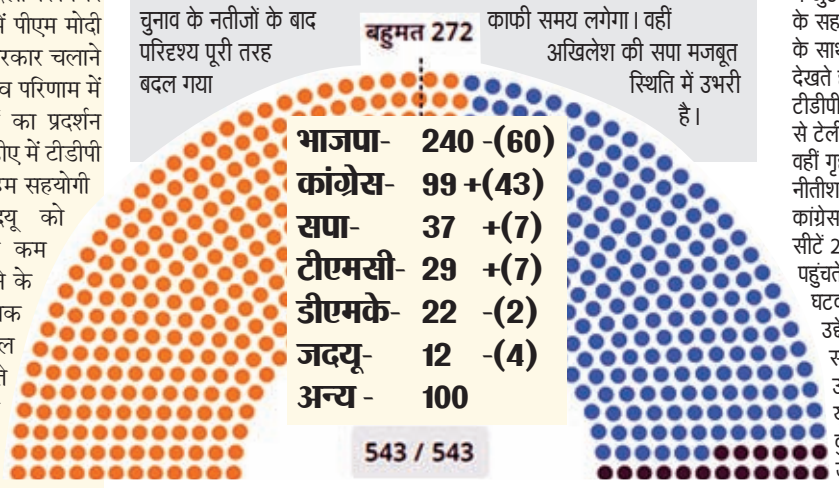

एनडीए में सेंध लगाने की कोशिश

इंडिया समूह के शानदार प्रदर्शन और भाजपा के बहुमत के आंकड़े से दूर रहने के बाद कांग्रेस , एनडीए में सेंध लगाने में जुट गयी है। उसने एनडीए के सहयोगी डीडीपी और जदयू के साथ संपर्क साधा है। इसे देखते हुए पीएम मोदी ने भी टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू से टेलीफोन पर बात की है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने नीतीश कुमार से बातचीत की। कांग्रेस नीत इंडिया समूह की सीटें 225 से 227 के आसपास पहुंचते ही कांग्रेस ने राजग के घटक दलों में सेंध लगाने के उद्देश्य से तेदेपा से संपर्क साधा है। यह भी खबर उड़ी कि जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार से भी संपर्क साधा जा सकता है।

चर्चित चेहरे जो जीते

- बनारस से पीएम मोदी जीते
- दोनों सीटों से राहुल गांधी जीते
- गांधीनगर से अमित शाह जीते
- शिवराज सिंह चौहान जीते।
- पीलीभीत से जितिन प्रसाद जीते
- लखनऊ से राजनाथ सिंह जीते
- बहरमपुर से टीएमसी के यूसुफ पठान जीते
- पूर्णिया से पप्पू यादव जीते, बीमा की जमानत जब्त
- शिवराज सिंह चौहान विदिशा से जीते
- मैनपुरी से डिंपल यादव जीत गयीं है।
- मेरठ में अरुण गोविल जीते।
- आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा जीते
- कोटा से ओम बिड़ला जीते
- मंडी से कंगना रणौत जीतीं
- नयी दिल्ली से बांसुरी स्वराज जीतीं
- पुरी से संबित पात्रा जीते
- पटना साहिब से रविशंकर जीते

चर्चित चेहरे जो हारे

- अयोध्या से लल्लू सिंह हार
- खूंटी से अर्जुन मुंडा हारे
- आजमगढ़ से भाजपा के निरहुआ हारे
- सुलतानपुर से मेनका गांधी हार गयीं।
- अमेठी से भाजपा की स्मृति ईरानी हारीं।
- बहरमपुर से कांग्रेस के अधीर रंजन हारे
- साध्वी निरंजन ज्योति हार गयीं
- लखीमपुर खीरी से अजय टेनी भी हारे
- काराकाट से फिल्म स्टार पवन सिंह हारे
- अनंतनाग से महबूबा मुफ्ती हारीं

जीत के बाद कल्पना सोरेन ने जताया आभार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा उप चुनाव में जीत दर्ज कर ली है। कल्पना को 10,8975 मत मिला है, जबकि भाजपा के दिलीप कुमार वर्मा 82,492 मत मिला है। इस तरह 26,483 मत से कल्पना ने जीत दर्ज कर ली है। आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। जीत के बाद उन्होंने जनता का आभार जताया।

जीते प्रत्याशियों को बधाई, वोटरई को धन्यवाद : सीएम

रांची। सीएम चंपाई सोरेन ने इंडिया गठबंधन की पांच सीटों पर मिली जीत पर सभी को धन्यवाद किया है। ट्वीट कर लिखा है धन्यवाद। झारखंड मात्र एक सांसद के साथ शुरू हुये इस चुनाव अभियान के बाद आपने इंडिया गठबंधन के 5 सांसद व 1 विधायक चुन कर, हम पर जो विश्वास दिखाया है, उसके लिये हम लोग आपके आभारी हैं। सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई और हर एक वोटर को धन्यवाद।

(शेष पेज 11 पर)

झारखंड में भाजपा का सपना टूटा, गठबंधन ने दिखाया दम

गोड्डा से निशिकांत, राजमहल से विजय हांसदा की हैट्रिक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में 14 सीट जीतने का दावा कर रही भाजपाको बड़ा झटका लगा है। पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा को नुकसान हो हुआ है। भाजपा को इसबार 8 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। पिछली बार 11 सीटें मिली थी। झारखंड की 14 सीटों में से आठ सीट पर भाजपा, तीन पर झामुमो, दो पर कांग्रेस और एक सीट पर आजसू ने जीत दर्ज की है। इस तरह से एनडीए के खाते में 9 सीट गयी। वहीं इंडिया गठबंधन के खाते में पांच। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और गीता कोड़ा जैसी हैवीवेट कैंडिडेट को भी हार का सामना करना पड़ा। गोड्डा में भाजपा के निशिकांत और राजमहल झामुमो के विजय हांसदा ने जीत की हैट्रिक लगायी। वहीं हैवीवेट प्रत्याशी सीता सोरेन, गीता कोड़ा और अर्जुन मुंडा को हार का मुंह देखना पड़ा। पलामू प्रमंडल से की दो सीटें पलामू और चतरा पर भाजपा ने जीत ली है।

पलामू से भाजपा प्रत्याशी वीडी राम ने राजद की ममता भुइयां को मात दी है। वहीं चतरा सीट पर भी भाजपा के कालीचरण सिंह ने कांग्रेस के केएन त्रिपाठी को हरा दिया।

चार सीटें गिरिडीह, कोडरमा, धनबाद और हजारीबाग भी एनडीए के खाते में गया है। गिरिडीह से आजसू के चंद्र प्रकाश चौधरी ने जेएमएम के मथुरा महतो को हराया। कोडरमा सीट पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने भाकपा माले के प्रत्याशी विनोद सिंह को मात दी। धनबाद से भाजपा के ढुल्लू महतो जीत गये।

उन्होंने कांग्रेस की प्रत्याशी अनुपमा सिंह को पटखनी दी है। हजारीबाग में भाजपा के प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने कांग्रेस के जेपी पटेल को मात दी।

खूंटी-लोहरगा सीट भाजपा से छीनी : दक्षिणी छोटानागपुर की तीन सीट रांची, खूंटी और लोहरदगा में से सिर्फ एक सीट भाजपा को मिली। रांची में संजय सेठ ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है।

(शेष पेज 11 पर)

हैवीवेट प्रत्याशी गीता, सीता व अर्जुन मुंडा हारे

तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकेंगे : मोदी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनावों और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में एनडीए को पूर्ण बहुमत प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने मंगलवार को क हा कि तीसरे कार्यकाल में राजग सरकार देश में बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेगी और वह देश से गरीबी और हर प्रकार के भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पबद्ध है। अपने संबोधन में सबसे पहले देश की 140 करोड़ जनता, चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों को लोकतंत्र के इस सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के योगदान के बिना लोकतंत्र का यह महायज्ञ सफल नहीं पा सकता। उन्होंने जम्मू कश्मीर के मतदाताओं द्वारा रिकॉर्ड मतदान करने के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आज की ये विजय, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है, ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है, ये विकसित भारत के प्रण की जीत है, ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है, ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। उन्होंने इसे भाजपा एवं राजग के लिए एक बड़ी और गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार, दो कार्यकाल के बाद लगातार तीसरी बार वापस आयी है। यही नहीं, लोकसभा चुनाव के साथ ही अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों में राजग की सरकारें पूर्ण बहुमत प्राप्त करके आयीं हैं और वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। जनता-जनार्दन के साथ विश्वास का ये अटूट रिश्ता लोकतंत्र की बहुत बड़ी शक्ति है। आपका आशीर्वाद, नए उत्साह, नए उमंग के साथ काम करने की हमारी ऊर्जा है।

रांची जीत का जश्न

चिराग ने सभी 5 सीटें जीती

पटना। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को रुझानों में बंपर फायदा हुआ है। इस चुनाव में चिराग पासवान ने जमुई लोकसभा सीट छोड़कर हाजीपुर से चुनाव लड़ा है। इस सीट पर उन्होंने जीत दर्ज की। मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने पूरी तरह से विश्वास किया है। मेरे लिए डबल खुशी की बात है। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट हम फिर से बनाने जा रहे हैं। हमारी पार्टी के पांच में से पांच सीटें जीतना हमारे मनोबल को बढ़ाता है। इसका श्रेय हमारे गठबंधन में शामिल हर एक पार्टी के कार्यकर्ता को जाता है। जीत का श्रेय गठबंधन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है।

पप्पू यादव जीते, भारती की जमानत जब्त

पटना। पूर्णिया लोकसभा जदयू और राजद से निर्दलीय लड़कर राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जीत ली है। पप्पू ने जेडीयू सांसद संतोष कुशवाहा को हरा दिया। राजद की जमानत जब्त हो गयी। बिहार की यह सबसे हॉट सीट थी। पप्पू ने पूर्णिया में चौथी बार जीत हासिल की है। पप्पू तीन बार इस सीट से निर्दलीय ही जीते और एक बार मुलायम सिंह की पार्टी के सिंबल पर लेकिन खुद की बदौलत। बीमा भारती के लिए तो तेजस्वी ने कई दिन पूर्णिया में कैंप किया लेकिन पप्पू ने आरजेडी की जमानत जब्त कराकर लालू यादव के परिवार को अपनी ताकत दिखा दी।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री) : 67900 रु./10 ग्राम
चांदी : 95000 रु./प्रति किलो

नतीजों के बाद बोले पीएम मोदी- देश ने इतिहास रच दिया

जनता को नमन, लगातार तीसरा मौका दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद पीएम मोदी ने अपली पहली प्रतिक्रिया कहा कि देश के लोगों ने एनडीए पर विश्वास जताया है और यह भारत के चुनावी इतिहास में बेहद अहम स्थान रखता है। देश की जनता को नमस्कार करते हुए उन्होंने कहा, लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत को विकसित भारत के प्रण की जीत करार दिया और कहा कि इस चुनाव में देशवासियों ने भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन पर पूर्ण विश्वास जताया है। चुनाव नतीजे स्पष्ट होने के बाद मोदी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि

आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ-सबका विकास के मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। हम भारत की जनता के प्रति आभार जताते हैं। मोदी ने कहा है कि आज बड़ा मंगल है और इस पावन दिन एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। हम सभी जनता-जनार्दन के बहुत आभारी हैं। देशवासियों ने भाजपा और राजग पर पूर्ण विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आयी है। जनता ने लगातार तीसरी बार भरोसा जताया, यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूं। शब्द कभी भी उनके असाधारण प्रयासों के साथ न्याय नहीं कर पायेंगे। पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई और नेता शामिल हुए।

यह मोदी-शाह से मुक्ति का संदेश : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। श्री गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। यह बात वह तब ही समझ गये थे, जब सरकार ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील किये, मुख्यमंत्री को जेल में डाला। तभी मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट हो गयी थी कि अब हिंदुस्तान की जनता संविधान की रक्षा के लिए मिलकर लड़ेगी और मेरा यह पुख़्ता भरोसा आज सही साबित हुआ है। यह चुनाव

संविधान बचाने का था। ये चुनाव भाजपा, सीबीआई, ईडी के खिलाफ था। इन संस्थाओं को नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने डराया-धमकाया। लड़ाई संविधान को बचाने की थी। इंडिया गठबंधन को तोड़ने की कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और जहां भी गठबंधन लड़ा ,वहां सबने मिलकर चुनाव लड़ा और देश को एक नया विजन दिया है। श्री गांधी ने कहा, यह चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन का आया है और इसमें संविधान को बचाने का हमारा अभियान सफल रहा। देश ने इस चुनाव में पीएम मोदी को साफ कह दिया है कि देश अब उन्हें नहीं चाहता है। कांग्रेस नेता ने कहा, देश को बचाने का काम हिंदुस्तान के गरीब लोगों ने किया है, आदिवासियों ने किया, मजदूरों ने किया है। उन्हें समझ में आ गया था कि संविधान देश की आवाज है।

कल्पना ने जीता गांडेय का दिल, 47 साल बाद मिली पहली महिला विधायक

90 दिनों की राजनीति में रच डाला इतिहास

कुबेर सिंह

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद पार्टी की कमान संभालने वाली कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में 27149 वोटों से जीत हासिल कर गांडेय की जनता का दिल जीत लिया। जीत के बाद कल्पना अपने विधानसभा क्षेत्र पहुंची, जहां लोगों को जोहार कह धन्यवाद दिया। आंखों में चमक और चेहरे में जीत का आत्मविश्वास कल्पना में दिखा। वह पति हेमंत सोरेन के राजनीतिक कल्पना

गांडेय विधानसभा की 11वीं और पहली महिला विधायक बनी कल्पना सोरेन

हकीकत में बन गयी। कल्पना ने कहा कि यह जीत जनता का आशीर्वाद है, गांडेय की जनता ने

उन्हें खूब प्यार दिया। कल्पना सोरेन को 109827 तो दिलीप वर्मा को 82768 वोट प्राप्त हुए।

सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी गांडेय की सीट : गांडेय विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफा देने के बाद गांडेय सीट रिक्त हुआ था। जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव का कराया गया. सरफराज अहमद को कल्पना सोरेन के लिए सीट छोड़ने का पार्टी ने इनाम भी दिया। झामुमो ने सरफराज अहमद को राज्यसभा भेजा। इसके बाद कल्पना मात्र 90 दिनों में ही राजनीति में जीत दर्ज कर झारखंड विधानसभा का द्वार पहुंच गयी।

गांडेय विधानसभा की ग्यारहवीं विधायक बनी कल्पना सोरेन

गांडेय विधानसभा में कल्पना सोरेन पहली महिला प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की है। इस सीट पर केवल पुरूष की जीतते आये थे। गांडेय विधानसभा से वर्ष 1977 में जनता पार्टी की ओर से लक्ष्मण स्वर्णकार जीते थे। 1980 में कांग्रेस से सरफराज अहमद, 1985 और 1990 में झामुमो के सालखन सोरेन ने जीत दर्ज की। 1995 में भाजपा के लक्ष्मण स्वर्णकार, 2000 और 2005 में सालखन सोरेन ने जीते। 2009 में फिर कांग्रेस से डॉ सरफराज अहमद, 2014 में भाजपा से जयप्रकाश वर्मा, 2019 में डॉ सरफराज अहमद झामुमो से जीत दर्ज की थी। कल्पना सोरेन गांडेय विस की पहली महिला विधायक और विस चुनाव में ग्यारहवीं विधायक बनीं।

आरक्षण और संविधान की रक्षा का दायित्व जनता ने निभाया : मीर

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि संविधान और आरक्षण की रक्षा करने में देश की जनता ने अपना दायित्व बखूबी निभाया है और जिस भरोसे के साथ उन्होंने इंडिया गठबंधन को अपना समर्थन दिया है उस पर हम निश्चित रूप से खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले और चुनाव के दौरान कांग्रेस को जिस तरह से केंद्र सरकार के इशारे पर विभिन्न एजेंसीयों द्वारा प्रताड़ित किया गया और चुनाव को एकतरफा करने की कोशिश की गई उसका जनता ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता वैचारिक रूप से अपने अधिकारों के प्रति जागरुक है और अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने सोच समझकर कदम उठाया है, जनता के फैसले का हम सम्मान करते हैं। जनता के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए हम हमेशा खड़े रहेंगे। उन्होंने इस चुनाव परिणाम के लिए कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन मे शामिल दलो के नेताओं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया।

तीसरी बार, मोदी सरकार को मिला जनता का जनादेश: बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता का जनादेश सिरोधार्य है। जनता ने तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को साकार किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्रीय नेताओं का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे राजनेता हैं जो पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने 9 सीटों पर जीत दिलाकर एनडीए को फिर सबसे बड़े गठबंधन के रूप में स्थापित किया है। एनडीए के उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से भाजपा और आजसू प्रत्याशी के प्रत्याशी को जीत दिलाकर एक तरफ मोदी सरकार की उपलब्धियों पर अपनी मुहर लगाई है तथा गांव, गरीब के साथ देश की लगातार सेवा का अवसर भी दिया है। उन्होंने चुनाव अभियान में झारखंड आने केलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित केंद्रीय नेताओं का आभार प्रकट किया। इसके पहले भाजपा मुख्यालय में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद जमकर पटाखे फोड़े गये। अबीर गुलाल लगाकर

नेताओं कार्यकर्ताओं ने बधाईयां दी, लड्डू खिलाये। ढोल नगाड़ों पर खूब थिरके।

वहीं भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह जनादेश फिर एकबार मोदी सरकार के लिए है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि जनता ने इंडी एलायंस के षड्यंत्र एवं झूठ को नकारते हुए नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का स्पष्ट जनादेश एनडीए को दिया है। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने प्रदेश के समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की है। बधाई देने वालों में भानु प्रताप शाही, आरती कुजूर, बालमुकुंद सहाय, सांसद आदित्य साहू, दीपक बंका, हेमंत दास, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, डॉ रविंद्र कुमार राय, सरोज सिंह, सुनीता सिंह, आरती सिंह, शशांक राज, पवन साहू, अनवर हयात, शिवपूजन पाठक, प्रतुल शाह देव, अविनेश कुमार, राफिया नाज, योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाईक, राहुल अवस्थी, राजीव रंजन मिश्रा शामिल हैं।

दिशोम गुरु के आर्शीवाद से झारखंड की बागडोर संभालने को तैयार है कल्पना

जेठानी को नहीं मिली संसद एक्स. में बर्थ, देवरानी पहुंची विधानसभा

सुधीर

रांची। दुमका की जनता ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहू और भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को संसद एक्सप्रेस में बैठने से रोक दिया। दुमका की जनता ने उनका बर्थ कंफर्म नहीं कराया, लेकिन सीता सोरेन की देवरानी यानी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मूर्मू सोरेन विधानसभा एक्सप्रेस में बैठकर झारखंड विधानसभा जरूर पहुंच गईं। अब उम्मीद जताई जा रही है कि झारखंड की बागडोर भी कल्पना के हाथ में होगी। झामुमो सूत्रों का कहना है कि जिस मैच्योरिटी के साथ कल्पना मुर्मू सोरेन ने 3 महीने के भीतर राजनीति में अपनी धमक दिखाई है, उसका असर विस में देखने को मिलेगा। इधर परिवार से बगावत कर भाजपा के सहारे दिल्ली पहुंचने को बेताब सीता सोरेन को दुमका की जनता ने नकार दिया है। सीता सोरेन को परिवार से बगावत करना महंगा पड़ा। दुमका से लोकसभा चुनाव हारने के बाद अब सीता न घर की रहीं न घाट की।

पहली बार लोकसभा जाने को बेताव थीं सीता

सीता सोरेन झारखंड से संसद एक्सप्रेस पर सवार होकर दिल्ली जाने को बेताब थी। सीता भाजपा में शामिल होकर पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रही थीं। भाजपा ने सुनिल सोरेन का टिकट काटकर सीता को दुमका में उतारा था। सुनिल सोरेन 2019 में भाजपा के टिकट पर दुमका से चुनाव जीते थे। उन्होंने 2019 में शिबू सोरेन को 45 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। झामुमो की और से दुमका में नलिन सोरेन चुनावी मैदान में थे। दुमका लोकसभा सीट पर दशकों से सोरेन परिवार का कब्जा रहा है।

देवरानी पर दुमका की जनता ने जताया भरोसा

सीता सोरेन अब भले ही झामुमो में नहीं हैं, लेकिन वे अब भी सोरेन परिवार से ही हैं। पूरे चुनाव के दौरान शिबू सोरेन ने एक बार भी उनके खिलाफ प्रचार करने दुमका नहीं गये लेकिन परिवार की ही एक और सदस्य और झामुमो की उभरती हुई नेता कल्पना सोरेन दुमका की लड़ाई में पार्टी का पक्ष रखा और सीता सोरेन को नलिन सोरेन के रूप में शिकस्त दे दी। दुमका सीट को झामुमो के खाते में डालने के लिए वह लगातार दुमका में चुनावी रैलियां कर रहीं थीं। नलिन सोरेन के पक्ष में वोट मांग रही थीं। यही कारण है कि दुमका की जनता जेठानी को नकारते हुए देवरानी पर भरोसा जताया और नलिन सोरेन को संसद एक्सप्रेस का बर्थ कंफर्म कर दिया।

राज्य की सभी 5 एसटी सीटों पर जीती इंडिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा चुनाव में झारखंड में आदिवासी वोटरों ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षित सभी 5 लोकसभा सीटों में चुनाव हार गयी। पांच में से तीन सीटों पर झामुमो और दो सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है। राजमहल, दुमका और सिंहभूम लोकसभा सीट पर झामुमो ने कब्जा जमाया है, वहीं खूंटी और लोहरदगा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। इस बार इंडिया को झारखंड में 2019 के मुकाबले 3 सीटें ज्यादा मिली है। राजमहल और सिंहभूम सीट पर इंडिया दोबारा कब्जा जमाने में कामयाब रही, वहीं भाजपा के हाथ से दुमका, लोहरदगा और खूंटी लोकसभा सीट को झटक लिया है। झारखंड में भाजपा के लिए यह बहुत बड़ा झटका है।

राजमहल में तीसरी बार झामुमो का कब्जा : राजमहल लोकसभा सीट से झामुमो के प्रत्याशी विजय हांसदा ने भाजपा के ताला मरांडी को हराकर ताला नहीं खुलने दिया। वहीं, सीता भी दुमका में भाजपा को नहीं बचा पाईं। दुमका लोकसभा सीट से झामुमो के नलिन सोरेन ने सीता सोरेन को मात दी है। सिंहभूम सीट पर भाजपा की शर्मनाक हार हुई है। सिंहभूम से झामुमो की प्रत्याशी जोबा मांझी भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को दूसरी बार संसद जाने से रोक दिया। गीता कोड़ा सिंहभूम की सीटिंग सांसद हैं। लोहरदगा लोकसभा सीट भी भाजपा ने गंवा दी। कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत ने भाजपा के समीर उरांव को यहां से हरा दिया। खूंटी सीट से भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी चुनाव हार गये हैं। उन्हें कांग्रेस के काली चरण मुंडा ने हरा दिया।

खबर एक नजर में

अर्जुन मुंडा ने खूंटी से कालीचरण को जीत की दी बधाई

रांची। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि खूंटी लोकसभा से कालीचरण मुंडा को मैं जीत की बधाई देता हूं।जनता ने एनडीए पर तीसरी बार भरोसा जताया है। इसके लिये मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। एनडीए की यह जीत पिछले 10 सालों में मोदी जी ने जिस तरह देश के हर तबके के लिये काम किया है, उसके लिये जनता जनार्दन का आशीर्वाद है।

झारखंड से संसद में दिखेंगे छह नए चेहरे

रांची। इस बार झारखंड से संसद में छह नए चेहरे दिखेंगे। इसमें वर्तमान के चार विधायक सहित एक पूर्व विधायक शामिल हैं। वहीं नए चेहरा के रूप में चतरा से जीत हासिल करने वाले बीजेपी उम्मीदवार कालीचरण सिंह होंगे। इसमें बीजेपी के दो, झामुमो के दो विधायक शामिल हैं। एक कांग्रेस के पूर्व विधायक हैं। वहीं कालीचरण सिंह पहली बार संसद पहुंचेंगे। हजारीबाग से बीजेपी उम्मीदवार मनीष जायसवाल और धनबाद से बीजेपी उम्मीदवार ढुल्लू महतो ने जीत हासिल की है। झामुमो से जोबा मांझी और नलिन सोरेन से जीत हासिल की है। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखदेव भगत ने लोहरदगा से जीत हासिल की है। कालीचरण सिंह ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीता है।

जनता का प्रेम, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है : सुदेश महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड समेत पूरे देश में एनडीए की प्रचंड जीत के लिए जनता का आभार। हमारी जीत जनता के विश्वास की जीत है उनका प्रेम, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की गारंटी पर मुहर लगाकर तीसरी बार एनडीए को पूर्ण बहुमत दिया है। उक्त बातें आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कही। गिरिडीह पर एनडीए उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत पर उन्होंने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के कारण ही यह जीत संभव हुई है। गिरिडीह वासियों का आशीर्वाद हमारी ताकत है। इसी ताकत के साथ हम गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

आज एनडीए के नेताओं की बैठक, अमित शाह ने सुदेश महतो को बुलाया

रांची। लोकसभा चुनावों के नजीतों के बाद सभी पार्टियां और गठबंधन अपनी रणनीति बनाने में जुट गये हैं। इसी क्रम एनडीए की बैठक आज बुधवार को शाम चार बजे से होगी। इसमें सभी घटक दलों के नेतों के बुलाया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह खुद घटक दलों के नेताओं से बात कर रहे हैं। उन्होंने झारखंड में अपनी सहयोगी पार्टी आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को फोन कर बैठक में आने का आमंत्रण दिया। सुदेश महतो इस बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार को दिल्ली रवाना होंगे।

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने कल्पना सोरेन, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का बढ़ाया मान

सत्येन्द्र

रांची। लोकसभा चुनाव के नतीजों की बुनियाद पर राज्य के सभी राजनीतिक दल विधानसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुट जाएंगे। हालांकि झारखंड में संपन्न हुए लोकसभा के चुनाव में इंडी गठबंधन की ओर से जहां सोरेन परिवार की साख दांव पर लगी हुई थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की भी प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई थी। हलाकि राज्य की जनता ने इनकी प्रतिष्ठा बचा ली है।

झामुमो के बागियों को लग गया ताकत अंदाजा : वर्तमान लोकसभा चुनाव में दुमका लोकसभा सीट से सोरेन परिवार की बड़ी बहु सीता सोरेन झामुमो छोड़ भाजपा से चुनाव लड़ी। राजमहल लोकसभा से झामुमो विधायक लोबिन और लोहदगा से विधायक

चमरा लिंडा ने इंडिया गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ा। साथ ही खूंटी और कोडरमा लोकसभा से भी झामुमो से बगावत कर पूर्व विधायक बंसत लोंगा और कोडरमा से पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़े हैं। इसके बावजूद सबको हार का सामना करना पड़ा है। इस चुनाव में हेमंत सोरेन के जेल में बंद होने के बाद सोरेन परिवार की कमान संभाल रही कल्पना सोरेन की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। नतीजों से एक तरफ झामुमो का गढ़ रहे संथाल परगना और कोल्हान में इंडी गठबंधन को मिली कामयाबी ने जहां कल्पना सोरेन को मान बढ़ाया है वहीं झामुमो के बागियों को भी ताकत का अंदाजा लग गया है।

मीर और राजेश की प्रतिष्ठा दावं पर

कांग्रेस की जो पुरानी रवायत है, वह इस लोकसभा चुनाव कायम रही। पार्टी संगठन की जिम्मेवारी प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर पर थी। इन लोगों ने चुनाव से तीन माह पहले तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया था। लेकिन चुनाव आते ही पार्टी प्रत्याशी के चयन के मामले को लेकर इनकी नजरे कांग्रेस आलाकमान टिकी रहती थी। इसके बावजूद आलाकमान ने गठबंधन के हिसाब से जिन-जिन उम्मीदवारों को टिकट दिया था। उसे जिताने में इनलोगों ने भरपूर परिश्रम किया। इसका फलाफल इस चुनाव में इनकों मिला भी और 2019 के लोकसभा चुनाव में जहां एक सीट जीतने में कामयाब रहे थे। वहीं इस चुनाव में दो सीटों पर कांग्रेस को विजयश्री दिलाकर वाहवाही लुटने में कामयाब रहे है। झारखंड में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान भी इसका श्रेय इनको देने में कोताही नहीं बरतेगी।

गांवों में हेमंत सोरेन फैक्टर ने किया भाजपा का काम तमाम, लिटमस टेस्ट में बाबूलाल नहीं उतरे खरे

झारखंड के आदिवासी वोटरों को साधने में 'चूक' गयी भाजपा

सुरक्षित लोस सीट खूंटी, लोहरदगा, दुमका, राजमहल व चाईबासा से भाजपा का सुपड़ा साफ

उदय चौहान

रांची। लोकसभा चुनाव परिणामों से भाजपा के रणनीतिकारों के पेशानी में बल डाल दिया है। दरअसल, राज्य के सभी सुरक्षित सीटों खूंटी, लोहरदगा, चाईबासा, राजमहल व दुमका से भाजपा का सुपड़ा साफ हो गया है। चुनाव के पहले भाजपा में आयी झामुमो विधायक सीता सोरेन व कांग्रेस से आयी गीता कोड़ा को भी चुनाव में करारी शिकस्त मिली है। यही नहीं, आदिवासी दिग्गज और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी कालीचरण मुंडा से चुनाव हार गये। इसके अलावा भाजपा के

एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव भी लोहरदगा से चुनाव हार गये। उन्हें कांग्रेस के सुखदेव भगत ने हराया। इस परिणाम से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के छवि को भी धक्का लगा है। श्री मरांडी के प्रदेश अध्यक्ष रहते पार्टी का प्रदर्शन लचर रहा है। श्री मरांडी को आने वाले छह माह के भीतर विधाानभा चुनाव में अपना सिक्का चमकाना होगा। इस बार भाजपा को 8 सीटों में जीत मिली है। इससे पहले पिछली बार लोकसभा चुनावों में पार्टी ने 12 सीट पर विजय प्राप्त की थी।

राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि भाजपा के नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिये जमीनी स्थिति के आकलन में चूक की थी। जिन नेताओं ने कभी नहीं लड़ा चुनाव, उनमें से ज्यादातर को बनाया लोकसभा प्रभारी। इससे चुनाव प्रबंधन में कमियां देखी गयी। जीत-हार के समीकरण की बात करें तो प्रदेश भाजपा के नेता पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर निर्भर थे। वहीं, ईडी द्वारा गिरफ्तार किये गये पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मुद्दे को झामुमो और कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ इस्तेमाल कर लिया। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा के नेता झामुमो को जवाब देने में विफल रहे। इसका खामियाजा पांच आदिवासी सुरक्षित सीटों पर हार के रूप में मिली। प्रदेश स्तर से चुनाव संचालन करने वाले नेताओं और जमीनी कार्यकताओं के स्तर पर संवाद में भी कमी रही। इसका खामियाजा भी उठाना पड़ा। शहरों में तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम काम कर गया। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा झामुमो-कांग्रेस के आदिवासी और मुस्लिम समीकरण का काट नहीं तलाश पायी। अपने सहयोगी आजसू की वजह से भाजपा कुड़मी समुदाय के वोट पर दावेदारी करती रही है। लेकिन, चाईबासा और खूंटी सीट पर भाजपा प्रत्याशियों की बड़े अंतर से हार इस बात का संकेत है कि आदिवासी समेत कुड़मी समुदाय ने भी बेरुखी दिखायी। इसी तरह गिरिडीह सीट पर भी जयराम महतो ने 3 लाख से ज्यादा वोट लाया। रांची में भी जयराम के समर्थन से लड़े देवेंद्र महतो को एक लाख के करीब वोट आये। रांची लोस के ईचागढ़ और सिल्ली विस में देवेंद्र महतो को बड़ी संख्या में वोट मिले।

संताल क्षेत्र में दोनों सीट हारी, गांडेय विस उपचुनाव में कल्पना सोरेन ने लहराया परचम

दुमका, लोहरदगा, खूंटी के अलावा चाईबासा व राजमहल से भाजपा की हार इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में परेशानी होने वाली है। गांडेय विधानसभा के उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन 26 हजार वोटों से चुनाव जीत गईं। भाजपा कल्पना सोरेन के सामने कोई चुनौती नहीं खड़ी कर सकी। हालांकि, पलामू में भाजपा प्रत्याशी बीडी राम और चतरा में कालीचरण सिंह की जीत से वहां विधानसभा चुनाव में मदद मिलने की उम्मीद है।

कोल्हान और संताल में पहले से कमजोर है भाजपा

साल 2019 में हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को कोल्हान और संताल क्षेत्र से निराशा हाथ लगी थी। बाबूलाल मरांडी के भाजपा में शामिल होने और प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी को आदिवासी बहुल क्षेत्र में बढ़त की उम्मीद थी। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणाम ने पार्टी को निराश किया है। अगर झामुमो-कांग्रेस गठबंधन इसी तरह से विधानसभा का चुनाव लड़ता है तो भाजपा को उनके किले को तोड़ने में परेशानी होगी। पार्टी ने इस बार अपने दो विधायक मनीष जायसवाल और ढुलू महतो को टिकट दिया था जो जीत गये हैं।

लब्बोलुआब यह कि लोकसभा चुनाव में भाजपा विपक्ष के बिखराव को भुनाने में नाकामयाब रही है। हालांकि, हार-जीत की समीक्षा के बाद पार्टी में नया कलेवर जरूर डाला जायेगा। बावजूद इसके आने वाले विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बेहत कठिन हैं।

राजद की ममता पर भारी पड़ा ससुराल वालों का दामाद प्रेम

डीजीपी से रिटायर होने के बाद राजनीति में आये थे वीडी राम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिहार के रहने वाले वीडी राम 2005 में पहली बार झारखंड के डीजीपी बने थे। 1973 बैच के आईपीएस ऑफिसर वीडी राम ने साल 2014 में भाजपा की सदस्यता ली। इसके बाद वे भाजपा से कांके विधानसभा सीट पर चुनाव लड़कर विधानसभा जाना चाहते थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें पलामू लोकसभा का सीट थमा दिया। इस पर सरल वीडी राम ने अमित शाह से कहा था कि उन्हें लोकसभा का टिकट नहीं दें। भाजपा ने उन्हें जबरन लोस चुनाव लड़वाया और वे पलामू लोकसभा चुनाव भारी मतों से जीते। 2019 में उन्हें लगातर दूसरी बार टिकट मिला और फिर जीत दर्ज की।

विष्णु दयाल राम मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले के नैनीजोर गांव के हैं। तीसरी बार ससुराल से सांसद चुने जाने वाले विष्णु दयाल राम पलामू के दामाद हैं। वे दो बार झारखंड के डीजीपी भी रहे हैं। यही नहीं बीडी राम भागलपुर के एसपी और पटना के एएसपी भी रह चुके हैं। विष्णु दयाल राम भागलपुर में प्रसिद्ध ऑखफोड़वा कांड के दौरान वहां के एसपी थे। भागलपुर कांड के बाद वे मशहूर हुए थे।

2024 में फिर जीता पलामू के लोगों का दिल : इस बार के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम भारी मतों से चुनाव जीते हैं। वीडी राम ने 288807 वोटों से राजद प्रत्याशी ममता भुईंया को चुनाव हराया है।

सुप्रभात

बुधवार 05.06.2024

धनबाद, वर्ष 01, अंक 46

epaper.khabarmantra.net

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

धनबाद और रांची से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

स्पीड न्यूज

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

धनबाद। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुराचार करने में दुष्प्रेरित करने के आरोपी गुड़िया देवी को अदालत ने दोषी करार दिया है। धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 5 जून की तारीख निर्धारित की है। आरोपी गुड़िया देवी इस मामले में बीते पांच वर्षों से फरार है। उसकी अनुपस्थिति में ही अदालत ने अपना फैसला सुनाया इसके पूर्व इस मामले के नामजद आरोपी अर्जुन पांडे को अदालत उम्रकैद की सजा सुना चुकी है। प्राथमिकी पीड़िता की मां की शिकायत पर सिंदरी थाने मे दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक अर्जुन पांडे और गुड़िया देवी पीड़िता को अपने साथ ले गए नन्हे पांडे के घर में पीड़िता को आठ दिनों तक रखा, फिर उसे लेकर आसनसोल गए वहां रेलवे प्लेटफार्म पर उसे छोड़कर भाग गए। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि इस दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। अभियोजन ने इस मामले में 9 गवाहों का परीक्षण कराया।

अशलील वीडियो वायरल करने के आरोपी को पांच वर्ष की कैद

धनबाद। दसवीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा का अशलील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया ए व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर सार्वजनिक रूप से वायरल करने के मामले में सोमवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने खरखरी बस्ती निवासी शेख शाजिद को पांच वर्ष कैद एवं दस हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है। सोमवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। एक मार्च 2022 को पीड़िता के पिता की शिकायत पर शेख शाजिद के खिलाफ मधुबन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक पीड़ित छात्रा सिनीडीह के एक स्कूल में दसवी कक्षा में पढ़ती थी। शेख शाजिद ने उसका अशलील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में सार्वजनिक नहीं करने के एवज में तीन लाख रूपए अवैध रूप से मांग की थी। उक्त संबंध में आरोपी के पिता को अवगत कराया गया थाजिस पर शेख शाजिद और उसके पिता शेख शरीफ द्वारा दुबारा ऐसी गलती नही करने का वचन दिया गया था। परंतु कुछ दिन बीत जाने के बाद शेख शाजिद ने 25 फरवरी 2022 को नाबालिग छात्रा का अशलील वीडियो सार्वजनिक रूप से अपने साथियों के व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम एवं अन्य साइट पर वायरल कर दिया। इसके कारण उसके पूरे परिवार का मान सम्मान के साथ ही नाबालिग छात्रा का लज्जा भंग हुई है। पुलिस से शिकायत करने के बाद जान मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने अनुसंधान के उपरांत एक मई 2022 को आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था।

जानलेवा हमला के आरोपी को सात वर्ष कैद की सजा

धनबाद। जान मारने की नीयत से युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोपी छाताटांड़ केन्दुआडीह निवासी जसवंत साव ऊर्फ गणेश साव को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत ने सात वर्ष कैद एवं 70 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है। 30 मई को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। अदालत ने सजा के बिंदू पर सुनवाई के लिए चार जून की तारीख निर्धारित की थी। प्राथमिकी केंदुआडीह निवासी व्यवसाई कैलाश चंद्र गोयल की शिकायत पर केंदुआडीह थाने में 10 जुलाई 22 को दर्ज की गई थी। इस दौरान लोक अभियोजक अवधेश कुमार एवं सूचक के अधिवक्ता रोशन कुमार साव ने कुल आठ गवाहों का परीक्षण कराया था।

धनबाद के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो 3.30 लाख मतों से विजयी

कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को मिले 4 लाख 52 हजार 358 वोट

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। तमाम विरोध और अटकलबाजियों के बीच धनबाद लोकसभा सीट से ड्ढाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने कांग्रेस की प्रत्याशी अनुपमा सिंह 3 लाख 30 हजार 65 वोट से हराकर चुनाव जीत गये। हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। सुबह आठ बजे से शाम 6 बजे तक वोटों की गिनती में कांग्रेस प्रत्याशी को कुल 4 लाख 52 हजार 358 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी को कुल 7 लाख 82 हजार 423 वोट प्राप्त हुए।

धनबाद के नये सांसद चुने जाने के बाद ढुल्लू महतो ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि देव तुल्य जनता ने एक गरीब किसान और गांव के लड़के को सेवा का अवसर प्रदान किया है। जनता का हृदय से आभार प्रकट करता हूं। कहा कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। पूर्व सांसद पीएन सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित सभी का साथ मिला है। वहीं ढुल्लू महतो की जीत के बाद भाजपाइयों में खुशी का ठिकाना न रहा। उनकी जीत पर मतगणना केंद्र के बाहर जमकर पटाखे फूटे और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

पहले राउंड से ही बढ़ा ली थी बढ़त

धनबाद लोकसभा सीट पर मुख्य लड़ाई भाजपा व कांग्रेस के बीच थी। सुबह 8 से 8:30 तक वैलेट पेपर के मतों की गिनती हुई। इसके बाद ईवीएम मशीन के वोटों की गिनती शुरू हुई। कुल 25 राउण्ड गिनती चली। गिनती का पहला रुझान सुबह 10 बजकर 24 मिनट से ही आने लगा। पहले राउण्ड में ही भाजपा प्रत्याशी ने 7172 वोटों की बढ़त बना ली थी। यह सिलसिला लगातार जारी रहा। दसवें राउण्ड आते आते यह 1 लाख 31 हजार 448 पहुंच गया। 25 वां यानी अंतिम राउण्ड आते आते यह अंतर 3 लाख से ऊपर पहुंच गया।

मतगणना केंद्र पर लोगों की लगी रही टकटकी पहले राउंट से ही गूंजने लगे जय श्रीराम के नारे

तीनों जेंडर के प्रत्याशी ने धनबाद से लड़ा लोक सभा चुनाव

सौरभ पांडेय

धनबाद। सबकी नजर बाजार समिति स्थित मतगणना केंद्र की ओर। कौन और कैसा होगा मेरा सांसद। धनबाद को 15 वर्षों बाद नया सांसद मिलेगा। सन 1952 के बाद 11 वें नये प्रतिनिधि होंगे जो धनबाद की लोकसभा में नुमाइंदगी करेंगे। लगतार तीन बार से यहां के सांसद रहे भाजपा के पशुपति नाथ सिंह इस बार चुनाव मैदान से बाहर हैं। धनबाद राज्य की एकलौती सीट है, जहां से तीनों जेंडर के प्रत्याशी मैदान में हैं। मंगलवार की सुबह से ही मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों एवं कार्यकर्ताओं की भीड़ लगने लगी थी। मतगणनास्थल पर अभिकर्ता व मतगणना कर्मियों को अलग अलग गेट से जांच के बाद प्रवेश की अनुमति दी गई। वहीं मतगणनास्थल पर सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मियों को पीने का पानी एवं भोजन नहीं मिला । एक सिपाही ने बताया कि दोपहर के 3 बजने को हैं लेकिन अभी तक खाने की कोई व्यवस्था नहीं दिख रही है। गर्मी ऐसी मानों शरीर ही जला देगी।

खामोश रही कांग्रेस की टोली

धनबाद कृषि बाजार स्थित मतगणनास्थल के समीप भाजपा एवं कांग्रेस के कार्यकताओं के लिये टेंट भी बने थे। तेज धूप के बावजूद दोनो टेंट में कार्यकर्ताओं की संख्या अधिक थी। कार्यकर्ताओं के लिए कोई सत्तू की व्यवस्था में लगा था। पहले राउंट से ही जय श्रीराम के नारे गूंजने लगे। एक एक कर कई राउंड गिनती चली, पर एक बार भी कांग्रेस टेंट से कोई शोर नहीं सुनाई पड़ा। दोपहर बाद कांग्रेस टेंट से लोग धीरे धीरे खिसकने लगे, कुर्सियां खाली होने लगी।

सबका प्यार मिला, हमेशा साथ निभाऊंगी

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने लोकसभा क्षेत्र के सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने ढुलू महतो को जीत की बधाई देते हुए कहा कि धनबाद और बोकारो की देवतुल्य जनता ने उन्हें अपना भरपूर प्यार और सम्मान दिया है. इसके प्रति वह आभारी हैं। उन्होंने अपनी हार पर कहा कि यह उनकी हार नहीं बल्कि जीत है कि यहां के लाखों लोगों का उन्हें प्यार मिला। कुछ कमी जरूर रह गयी, जिसे वह अपनी मेहनत से दूर करेंगी. श्रीमती सिंह ने कहा कि वह इस इलाके में केवल चुनाव लड़ने के लिए नहीं आयीं थीं, वह धनबाद लोकसभा क्षेत्र के विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए वह यहां लगातार काम करेंगी. उन्होंने अपना घर धनबाद को बताते हुए कहा कि वह यहां के लोगों के लिए हर समय उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने खुद को मिले लाखों वोट के लिए भी लोगों का आभार जताया।

निर्दलीय इकलाख रहे तीसरे नंबर पर

धनबाद संसदीय क्षेत्र के चुनाव में नोटा सहित कुल 26 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। भाजपा और कांग्रेस के बाद निर्दलीय प्रत्याशी मो. इकलाख अंसारी 78885 वोट लाकर तीसरे नंबर पर रहे। वहीं बहुजन समाज पार्टी के मोहन सिंह को 5594, अखिल भारतीय परिवार पार्टी के अकबर अली को 3031, समता पार्टी के कृष्ण चंद्र सिंह राज को 2818, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के दीपक कुमार दास 1720, आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के परवेज नैयर को 1157,सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के राजीव तिवारी को 1880, लोकहित अधिकार पार्टी के रेजाउल हक को 2642, अखिल भारत हिंदू महासभा के संजय कुमार गिरी को 1617, निर्दलीय अनिन्दिता दास को 2655, उमेश पासवान 2554 कामेश्वर प्रसाद वर्मा 4002, जगदीश रवानी 27498, जनक शाह गोंड - 12759 मो जहीरूद्दीन खान 6501, तुलसी महतो 5372, त्रिदेव कुमार महतो 1126, निताई दत्ता 1694, प्रेम प्रकाश पासवान 516, मो. ताफाजुल हुसैन, निर्दलीय 682, मो. फैसल खान 1994, लक्ष्मी देवी, निर्दलीय 2600, सुनैना किन्नर, निर्दलीय 3430, नोटा को 7202 मत प्राप्त हुए।

ढुल्लू महतो की जीत पर सिंदरी में जश्न

सिंदरी। भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो की जीत पर सिंदरी में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर जश्न मनाया। गया। सूर्यदेव सिंह चौक, भाजपा जिला प्रबुद्ध प्रकोष्ठ कार्यालय, आइएमटाइप संसद चौक सहित अन्य स्थानों पर जश्न मनाया गया।

भौंरा में इंटक नेता पर जानलेवा हमला, चार राउंड हुई फायरिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

जोड़ापोखर। धनबाद में लोकसभा चुनाव की मतगणना के बीच भौंरा ओपी क्षेत्र में अपराधियों ने इंटक नेता कालीचरण यादव पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें वह घायल हो गए। इंटक नेता स्कार्पियो से हनुमान मंदिर पूजा करने जा रहे थे, तभी घात लगाये अपराधियों ने उनके साथ पहले जमकर मारपीट की और उसके बाद चार राउंड फायरिंग भी की। गंभीर स्थिति में इंटक नेता को जामाडोबा अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें जालान अस्पताल धनबाद रेफर कर दिया। हमले के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी, स्पष्ट नहीं हो सका है। इस बात की भी पुष्टि नहीं हो सकी है कि कालीचरण यादव को गोली लगी है या नहीं। हालांकि पुलिस को मौके पर एक खोखा मिला है। फिलहाल पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती कर दी गई है।

बता दें कि कालीचरण यादव ददई दुबे गुट के इंटक नेता हैं। उनका पुत्र शिव कुमार यादव पार्षद एवं भाजपा नेता है। वह यादव समाज में काफी सक्रिय बताए जाते हैं। इस हमले को राजनीतिक विवाद से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

एक नजर में

भाजपा प्रत्याशी के विजयी होने पर ढुल्लू महतो को निवार्ची पदाधिकारी ने सौंपा प्रमाण पत्र

धनबाद। धनबाद लोकसभा क्षेत्र में विजय भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो को निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने आज रात प्रमाण पत्र सौंपा।

मतगणना केंद्र पर ठेले खोमचे और अन्य दुकानदारों की बल्ले बल्ले

धनबाद। मतगणना केंद्र पर ठेले, खोमचे और दुकानदारों की बल्ले बल्ले रही। सुबह से देर शाम तक सभी डटे रहे। सत्तू और आम के शर्बत की डिमांड सबसे अधिक रही। वहीं बादाम, आइस्क्रिम, चाट, समोसा, गुपचुप और पानी की बोतल भी खूब बिके। इन दुकानों पर दिनभर भाजपा और कांग्रेस के समर्थकों की भीड़ लगी रही। जीत के जश्न की आशा में कई फूल माला वाले भी मतगणना केंद्र पर दुकान सजाये बैठे रहे। भाजपा प्रत्याशी की जीत के बाद फूल माला की बिक्री भी खूब हुई। ठेले, खोमचे वाले आज का माहौल देखकर कर आपस में कहते रहे, काश हर दिन ऐसा अवसर मिलता।

मेमको मोड़ से संत निरंकारी चौक तक सुरक्षा में तैनात रहे जवान

धनबाद। मतगणना केंद्र की सुरक्षा में संत निरंकारी चौक से मेमको मोड़ तक चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। यह रास्ता वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था। सड़क के दोनों मुहाने पर बैरिकेड़िंग कर दी गई थी। आने जाने वाले हर व्यक्ति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। मतगणना केंद्र के बाहर भाजपा-कांग्रेस के पंडाल तक समर्थकों को सिर्फ पैदल चल कर ही जाने की इजाजत थी।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने स्वीकार किया इंडिया महागठबंधन की हार

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि धनबाद में वह इंडिया महागठबंधन की हार को स्वीकार करते हैं। कहा कि सभी कार्यकर्ताओं ने भरपूर मेहनत की, लेकिन आंकड़ों के खेल में हमलोग पीछे रह गए। इस जनादेश को वह स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन का शानदार प्रदर्शन रहा है। एनडीए का अहंकार चकनाचूर हुआ है। नरेंद्र मोदी का ग्राफ गिरा है। 400 पार का नारा देने वाले 300 पार भी नहीं कर सके। जिलाध्यक्ष ने कहा कि धनबाद में कांग्रेस की हार की समीक्षा के लिए जल्द बैठक की जाएगी। जो भी भूल-चूक हुई है, उसमें सुधार के लिए आगे प्रयास करेंगे।

भाजपा की जीत पर निरसा कार्यालय में जश्न

खबर मन्त्र संवाददाता

मैथन। भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर निरसा पाण्ड्रा मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय प्रांगण में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को भगवा गुलाल लगाकर तथा मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री नरद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार हमारी सरकार बनने जा रही है। उनके नेतृत्व में राष्ट्र और सशक्त व समृद्धशाली बनेगा। विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि जिस तरह धनबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो को निरसा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने आशीर्वाद दिया है, उसके लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस विजय उत्सव में आकाश सेनगुप्ता, जिला परिषद संजय सिंह, महेश मिश्रा, रामेश्वर साव,दयामय उपाध्याय, असीम भट्टाचार्य, दोलन सेनगुप्ता, अनूप मंडल, साधन गोरई, रोतु महतो, विजय महतो, गणेश माजी, सजल पांडे, अमित महतो, संदीप मंडल, नयन तिवारी, सौरभ महतो, मिलन मंडल, नबो गोरई, निरंजन मंडल, अजित मंडल, नयन रवानी, रमेश सव, अर्जुन भुईया, अमित महतो, मो इरफान अंसारी, भीम महतो, सीमांतो लोहार, कालीपद रवानी, कालीपद माजी, रंजीत सिंह, सुजीत पाल, दीपक दास, सदानंद गोरई, प्रदीप बाउरी, अभिजीत माजी, कुलदीप राणा आदि शामिल थे।

ढुल्लू महतो के लिए आसान नहीं रहा विधानसभा से संसद का सफर

समरेश सिंह ने दी थी टाइगर की उपाधि

वर्ष 1999 में झारखंड के दबंग नेता समरेश सिंह से उनकी मुलाकात हुई। वह ढुल्लू महतो के कार्यों से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने ही साल 2000 में ढुल्लू महतो को टाइगर की उपाधि दी थी। इसके बाद उन्होंने टाइगर फोर्स नामक संस्था का गठन किया। इस संगठन की गूंज कोयलांचल सहित पूरे राज्य में गूंजने लगी। साल 2009 में झारखंड विकास मोर्चा के सुप्रीमो बाबूलाल मरांडी ने ढुल्लू महतो को अपनी पार्टी से बाघमारा विधानसभा सीट से टिकट दिया। 56026 मतों से उन्होंने जीत हासिल की। निकटतम प्रतिद्वंद्वी जलेश्वर महतो को महज 36606 मतों से ही संतुष्ट करना पड़ा। इस तरह उन्होंने बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से पहली बार जीत हासिल की।

●मजदूरों के हक की लड़ाई से मिला जनता का प्यार

●लगातार चढ़ते रहे जीत की सीढ़ियां

राम मूर्ति पाठक

धनबाद। बाघमारा के विधायक व धनबाद लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी ढुल्लू महतो मंगलवार को जीत के प्रति आश्वस्त दिखे। मतगणना में वह शाम छह बजे तक लगातार बढ़त बनाए हुए थे। बता दें कि वह कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को पीछे छोड़ लगातार जीत की ओर अग्रसर हैं। ढुल्लू को लोग टाइगर के नाम से भी जानते हैं। उनके राजनीति में कदम रखने का वाकया भी काफी दिलचस्प है। राजनीति उन्हें विरासत में नही मिली है। मजदूरों के अधिकार की लड़ाई की बदौलत वह कोयलांचल में चर्चित हुए और अब संसद की सीढ़ियां तय करने को बेताब हैं। ढुल्लू महतो का जन्म 12 मई 1975 में हुआ। बाघमारा का चिटाही उनका पैतृक गांव है। उनके पिता का नाम पूना महतो, जबकि माता का नाम रुकवा महताइन है। 12वीं पास हैं। पिता महेशपुर कोलियरी में मजदूर थे। उनकी शादी बोकारो जिले की सावित्री देवी से हुई। भाइयों में वह सबसे छोटे हैं। प्रारंभिक शिक्षा उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुंडू से हुई। कतरास डीएवी इंटर कॉलेज से इंटर की पढ़ाई पूरी की। आर्थिक कठिनाई के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह सेल जोगीडीह कोलियरी में काम करने लगे। उन दिनों मजदूरों को काफी प्रताड़ना झेलनी पड़ती थी, जो उन्हें प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं हुई। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकार की लड़ाई छेड़ दी और देखते ही देखते मजदूरों के दिलों पर राज करने लगे। मजदूरों की लड़ाई में उन्हें इज्जत और शोहरत भी मिली। लगातार आम लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को दूर करना उनका पेशा हो गया।

2014 में थामा भाजपा का दामन

साल 2014 में भाजपा ने ढुल्लू महतो पर विश्वास जताया। बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से टिकट देकर अपना उम्मीदवार बनाया। वह भी पार्टी की उम्मीदों पर खरे उतरे। इस बार पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 86603 मत हासिल कर बाघमारा में कमल खिलाने का काम किया। दूसरी बार भी प्रतिद्वंद्वी जलेश्वर महतो को हार का सामना करना पड़ा। साल 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने ढुल्लू महतो को फिर विधानसभा से टिकट दिया। इस बार भी वह विजयी रहे। हालांकि इस बार मुकाबला कांटे का रहा और मात्र 824 मतों से जीत हासिल की।

तीन बार रहे विधायक, अब बन गये सांसद

तीन बार बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से वह विधायक रहे और अब धनबाद के सांसद बनने की बारी है। बता दें कि 2024 में भाजपा ने ढुल्लू महतो पर एक बार और भरोसा जताया और लोकसभा का टिकट दिया। विपक्ष में कांग्रेस की अनुपमा सिंह से उनकी टक्कर हुई। ढुल्लू को टिकट मिलने के बाद उन्हें पार्टी में विवाद का सामना करना पड़ा। बावजूद वह विजय पथ पर बढ़ते रहे।

पलामू के लोगों की ममता बीडी राम के साथ

राजग प्रत्याशी बीडी राम ने इंडिया प्रत्याशी ममता भुइयां को 2,88,807 मतों से हराया

खबर मन्त्रसंवददाता

मेदिनीनगर। राजग गठबंधन के प्रत्याशी बिष्णु दयाल राम ने इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को 2,88,807 मतों से पराजित किया है। बिष्णुदयाल राम लगातार तीसरी बार पलामू संसदीय क्षेत्र में हैट्रिक लगाया है। जिससे यह साबित हो रहा है कि पलामू के लोगों की ममता बीडी राम के साथ है। मतगणना के बैलेट पेपर एवं इवीएम के प्रथम राउंड गिनती से ही बीडी राम ने जो बढ़त बनायी, वह 22वें राउंड तक थमने का नाम नहीं लिया। राउंड दर राउंड बढ़त बढ़ती गयी, जिससे वे अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को काफी मतों से पराजित कर जीत दर्ज किये। वहीं तीसरे स्थान पर पलामू के पूर्व सांसद सह बसपा प्रत्याशी कामेश्वर बैठा रहे।

☐ पहले राउंड से ही लगातार बढ़त बनाते चले गये बीडी राम

पलामू सीट का हाल : पलामू संसदीय क्षेत्र के चुनाव में कुल नौ प्रत्याशी मैदान में थे। इसमें राजग गठबंधन के प्रत्याशी बिष्णु दयाल राम (7,70,362 मत), इंडिया गठबंधन की राजद प्रत्याशी ममता भुइयां (4,81,555 मत), बसपा से कामेश्वर बैठा, राष्ट्रीय समानता दल से ब्रजेश कुमार तुरी, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया से महेंद्र बैठा, बहुजन मुक्ति पार्टी से रामबचन राम, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया से बृंदा राम, लोकहित अधिकार पार्टी से सनन राम, निर्दलीय प्रत्याशी गणेश रवि चुनावी मैदान में थे। इसमें पलामू संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं ने 13 मई को अपना अधिकार अपना वोट दिया। जिसकी मतगणना मंगलवार को जीएलए कॉलेस परिसर में किया गया। इसमें सबसे अत्यधिक मत राजग प्रत्याशी भाजपा के बिष्णुदयाल राम को मिला। दूसरे नंबर पर राजद प्रत्याशी ममता भुइयां रही। जबकि तीसरे स्थान पर बसपा के कामेश्वर बैठा रहे।

☐ राजग प्रत्याशी की बढ़त से कार्यकर्ता थे उत्साहित

पलामू वासियों का सपना होगा साकार अधूरे कार्यों को करेंगे पूरा : बीडी राम

मेदिनीनगर। मतगणना स्थल से निकलने के बाद मतगणना परिसर में निवर्तमान सांसद बिष्णुदयाल राम ने अपनी जीत के बाद कहा कि यह पलामू संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं की जीत है। उन्होंने बैलेट पेपर एवं प्रथम राउंड इवीएम की गिनती के बाद जो मत प्राप्त मिले उससे वे काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। कहा कि मतगणना में जो मत का रूझान शुरुआती दौर में मुझे हासिल हुआ, उससे जीत के प्रति सौ प्रतिशत आश्वस्त था कि इस बार हैट्रिक लगेगी। उन्होंने कहा कि विगत दस वर्षों में किये गये कार्य के प्रति जनता विश्वास जताकर मुझे अपना मत दिया है। आगामी पांच वर्षों में पलामू संसदीय क्षेत्र में जो भी कार्य अधूरे रह गये हैं उसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करूंगा और इसके साथ ही जनता की कसौटी पर पुनः खरा उतरूंगा। श्री राम ने कहा कि पीएम मोदी के प्रयास का प्रतिफल है पलामू। जहां से मुझे तीसरी बार लोकसभा में सेवा करने का अवसर पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता ने प्रदान किया है।

स्पीड न्यूज

शुरुआत से ही बढ़त बनाते गये बीडी राम

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय क्षेत्र के राजद प्रत्याशी ममता भुइयां छठे चरण के काउंटिंग उपरांत मतगणना केंद्र से बाहर निकल गयी। मतगणना शुरू होते ही भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम उर्फ बीडी राम लगातार बढ़त बनाते चले गये। पांचवें राउंड की गिनती तक श्री राम को 145911 और ममता भुइयां को 87774 मत प्राप्त हुए थे। विष्णु दयाल राम 58137 मतों के भारी अंतर से आगे चल रहे थे।

डालटनगंज विस की जनता का आभार

मेदिनीनगर। डालटनगंज भंडरिया विस क्षेत्र के भाजपा विधायक आलोक चौरसिया ने अपने विस क्षेत्र वासियों के साथ सांसद विष्णु दयाल राम समेत मतदाताओं को आभार व्यक्त किया है। कहा कि भाजपा प्रत्याशी करीब 3 लाख वोट से पलामू से तीसरी बार संसद के रूप में निर्वाचित हुए हैं। विष्णु दयाल राम की कार्य प्रणाली सुलभ जनहित सोच के साथ पीएम मोदी के जनहित जनकल्याण कार्य योजनाओं को देख पलामू वासियों ने फिर से देश में नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी की ठानी है। यह सिर्फ और सिर्फ केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना एवं सांसद विष्णु दयाल राम के दूर दृष्टि सोच की देन है।

कार्यकर्ताओं के साथ मतगणना की जानकारी पंडाल में लेते रहे बीडी राम

मेदिनीनगर। लोकसभा चुनाव समाप्ति के बाद मंगलवार को जीएलए कॉलेज स्थित परिसर में मतगणना का कार्य सुबह आठ बजे से प्रारंभ था। इसकी पल-पल की जानकारी के लिए पार्टी ने जीएलए कॉलेज गेट के सामने एक बड़ा सा पंडाल में एलईडी टीवी लगाया था। जहां कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की थी। सांसद ने मतगणना स्थल से निकलकर पंडाल में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर राउंड प्रति राउंड की जानकारी के साथ देशस्तर की मतगणना की जानकारी लेते रहे। मौके पर जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, मनोज सिंह, विनोद सिंह, अविनाश वर्मा, अरबिंद गुप्ता, मंगल सिंह, बिपिन बिहारी सिंह, संध्या सिंह, अर्जुन सिंह चेरो, शिव कुमार मिश्रा समेत कार्यकर्ता शामिल थे।

पांकी विधायक ने जताया आभार

मेदिनीनगर। पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने चतरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए चतरा संसदीय क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधायक ने कहा कि यह जीत चतरा संसदीय क्षेत्र की हरेक मतदाताओं की है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर काम करती है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचा था। मोदी के कार्यों से प्रभावित देश की जनता ने भाजपा के पक्ष में जनादेश दिया है। उन्होंने बधाई दी है।

कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास की जीत

पाटन पलामू। छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि पलामू लोकसभा में भाजपा की प्रचंड जीत छतरपुर पाटन विस के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने मतदाताओं को हार्दिक अभिनंदन किया है। कहा कि यह जीत छतरपुर पाटन के आमलोगों के प्रयास की जीत है। पूर्व सांसद मनोज कुमार ने भी बधाई दी।

हुसैनाबाद में एनडीए गठबंधन और जदयू की जीत पर खुशी मनायी गयी

हुसैनाबाद, पलामू। देश भर मे आई चुनावी नतीजा से कही पार्टी तो कहीं समाज के लोग खुशी मना है शहर के पटेल नगर के युवाओं ने एनडीए गठबंधन एवं बिहार में जेडीयू की प्रचण्ड जीत पर खुशी मनायी एवं सरदार पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार किया। साथ कहा कि देश मे नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री या उप प्रधानमंत्री बनाया जाए देश की जनता ने समान विचारों के नेता के प्रति खुलकर मतदान किया यह देश के लिए एवं देश वासियों के लिए सोचने का विषय हैं हमलोग बिहार के जनता को धन्यवाद देना चाहते हैं। मौके पर धीरेंद्र पटेल, अजित चौधरी, रामदेव चौधरी, रंजन पटेल, दशरथ चौधरी, सोनू पटेल समेत कई अन्य मौजूद थे।

पलामू लोकसभा चुनाव में हैट्रिक के साथ विष्णुदयाल राम का परचम

■ जीत की खुशी में भाजपा ने गाजे बाजे के साथ निकाला शानदार जुलूस
■ बीडी राम ने हाथ जोड़कर पलामूवासियों को आभार प्रकट किया

खबर मन्त्रसंवददाता

उपायुक्त के हाथों जीत का प्रमाण पत्र लेते पलामू सांसद।

मेदिनीनगर। लोकसभा चुनाव में निवर्तमान सांसद बीडी राम विगत लगातार दस वर्ष कार्यकाल समाप्ति के बाद तीसरी बार पलामू संसदीय क्षेत्र से भाग्य आजमाने के लिए चुनावी मैदान में पार्टी के निर्देश पर उतरे। जिन्होंने हैट्रिक लगाते हुए पलामू संसदीय क्षेत्र में परचम लहराने का कार्य किया। जीत से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक भव्य जुलूस जीएलए कॉलेज गेट से गाजे बाजे के साथ निकाली। जो शहर के रेड़मा चौक होते हुए विभिन्न चौक चौराहों से गुजरा। जुलूस में शामिल एनडीए गठबंधन के लोगों ने सांसद को फूल माला से स्वागत किया। साथ ही साथ एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जीत की बधाई दी। जुलूस में शामिल लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय श्री राम, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, बीडी राम जिंदाबाद समेत कई गगनभेदी नारे लगा रहे थे।

■ जुलूस में लोगों ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी। साथ ही पटाखे छोड़कर खुशी का इजहार किया। शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी के साथ सांसद का स्वागत किया। सांसद फूल से सुसज्जित पुष्पक विमान पर सवार होकर लोगों को हाथ जोड़कर अभिवादन किया। वे पलामू शहरवासी समेत पलामू संसदीय क्षेत्र के जनता के प्रति हाथ जोड़ आभार प्रकट किया। गाजे बाजे की धुन पर कार्यकर्ता जमकर नाचे। साथ ही एक दूसरे को गले लगाकर जीत की बधाई दी। जुलूस में जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, विधायक आलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, पूर्व सांसद मनोज कुमार, डा ईश्वर सागर चंद्रवंशी आदि भी थे।

पलामू एसपी ने किये थे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, परिंदे भी पर नहीं मार सकते

■ मतदान की भांति मतगणना भी शांतिपूर्ण सम्पन्न कराना था उद्देश्य : एसपी रिष्मा रमेशन

खबर मन्त्रसंवददाता

शांति व्यवस्था के लिए मतगणना स्थल पर खुद डंटी रहीं एसपी।

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया गया। इसके लिए पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेसन की कड़ी लगन व मेहनत का परिणाम हुआ कि रक्तरंजित रहा मतदान। शांतिपूर्ण मतदान कराने के बाद मतदान कार्य कराना भी पुलिस के लिए एक चुनौती था। जिसे पुलिस अधीक्षक ने अपने मातहत पुलिस अधिकारियों के साथ रणनीति तैयार कर मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण संपन्न कराया गया। मतगणना स्थल पर एसपी श्रीमती रमेसन स्वयं ही मोर्चा संभाली हुई थी। उन्होंने अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए शांतिपूर्ण मतगणना कराने के लिए दिशा निर्देश दे रही थी। इतना ही नहीं प्रचंड धूप एवं गर्मी में पुलिसकर्मियों को मतगणना स्थल के चारों तरफ तैनात किया गया था। उसकी भी चिंता वे कर रही थी कि कहीं कोई भी पुलिसकर्मी धूप का सामना न करे इसके लिए वे पुलिसकर्मियों को छांव प्रदान करा रही थी। सुरक्षा के ऐसी व्यवस्था की गई थी कि आम आदमी की बात तो दूर कोई परिंदे भी पर नहीं मार सकते थे। मतगणना स्थल में प्रवेश करने के पूर्व लोगों को मेडल डिटेक्टर द्वार से गुजरते हुए कड़ी जांच प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही अंदर प्रवेश मिलता था। इतना ही नहीं प्रशासन द्वारा मतगणना स्थल पर प्रवेश करनेवालों के लिए अलग अलग प्रकार के पास निर्गत किये गये थे। जो पासधारी ही अंदर प्रवेश कर सकते थे। एसपी ने कहा कि जिस प्रकार चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराया उसी प्रकार मतगणना को शांतिपूर्ण संपन्न कराना उद्देश्य था।

विष्णुदयाल राम की जीत और एनडीए को बहुमत मिलने पर एनसीपी कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

खबर मन्त्रसंवददाता

एनडीए की जीत का जश्न मनाते एनसीपी कार्यकर्ता।

हुसैनाबाद पलामू। देश में एनडीए को बहुमत मिलने व पलामू में बीजेपी के वीडी राम की भारी मतों से जीत पर हुसैनाबाद एनसीपी कार्यालय में जश्न का माहौल है। पलामू का परिणाम आने के बाद कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। एनसीपी के पलामू जिला प्रवक्ता योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि पलामू में बीजेपी की जीत एनडीए गठबंधन की जीत है। इस जीत ने साबित कर दिया है कि पलामू में एनडीए गठबंधन काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह का प्रयास भी रंग लाया। उन्होंने बताया कि विधायक ने दूरभाष पर कार्यकताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि सभी के प्रयास से बीजेपी प्रत्याशी वीडी राम हैट्रिक लगाने में कामयाब रहे। उन्होंने वीडी राम व एनडीए गठबंधन के सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, अनुमंडल अध्यक्ष विनय पासवान, युवा अनुमंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह हरी, प्रकाश अग्रवाल, गोरख पासवान, अभिषेक शर्मा, योगेंद्र सिंह, बलिस्टर सिंह, मनु सिंह, ओमप्रकाश राजवंशी, रजनीश सिंह, पंकज सिंह, राजधानी पासवान, प्रसांत सिंह, रतन लाल, विजय राजवंशी , बबन सिंह, अवधेश सिंह, व अन्य कार्यकर्ता पदाधिकारीगण शामिल थे।

मतणगना स्थल पर अंदर जाने के पहले लोगों को गहनता से जांच करते सुरक्षाकर्मी।

75 वर्षीय वृद्ध का निधन, गांव में शोक

मोहम्मदगंज पलामू। मोहम्मदगंज के युगेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ लीला सिंह (75) का निधन सोमवार की देर रात इलाज के दौरान हुसैनाबाद अस्पताल में हो गया। वह कई दिनों अस्वस्थ थे। दाह संस्कार स्थानीय कोयल नदी घाट पर मंगलवार सुबह किया गया, जहां मुखाग्नि पुत्र संतोष उर्फ मंटू सिंह ने दी। धर्म के प्रति अटूट आस्था रखने वाले श्री सिंह की मौत पर लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

कड़ी सुरक्षा के बीच वज्रगृह से निकाला गया इवीएम

मेदिनीनगर। जीएलए कॉलेज परिसर में पलामू लोकसभा चुनाव का मतगणना मंगलवार को प्रातः आठ बजे से प्रारंभ किया गया। मतगणना में सबसे पहले बैलेट पेपर की गिनती हुई। इसके बाद वज्रगृह में कैद इवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना काउंटर पर लाया गया। जहां पर विभिन्न प्रत्याशियों के एजेंटों के बीच सील इवीएम को दिखाकर खोला गया। पुलिस ने मतगणना स्थल से वज्रगृह तक कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की थी। सिर्फ प्रवेश पत्रधारी ही मतणगना स्थल पर प्रवेश कर सकते थे। बिना पास के प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबंध था। किसी को मोबाइल ले जाना प्रतिबंध था।

पलामू से बिष्णुदयाल राम के जीत पर भाजपाइयों ने खुशी मनायी

खबर मन्त्रसंवददाता

■ मिठाई खिलाकर जश्न मनाया, फिर से मोदी सरकार की नारा बुलंद किया

हुसैनाबाद पलामू। देश भर में 18वीं लोकसभा चुनावों नतीजा जहां एक ओर सभी एक्जिट पोल का कलई खोल दिया। वहीं देश भर फिर से एनडीए गठबंधन की प्रचण्ड बहुमत से लोगों में खुशी है। वहीं झारखंड के पलामू सांसदीय हॉट सीट से राज्य के पूर्व डीजीपी विष्णु दयाल राम को हैट्रिक जीत पर भाजपाइयों में काफी उत्साह है। हुसैनाबाद में नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह व अनुसूचित जाति मोर्चा रामेश्वर राम उर्फ छठन राम ने शहर के जेपी चौक पर एक दूसरे को मिठाई खिलायी और पटाखा फोड़े गये। इस दौरान भाजपाइयों ने भारत माता की जय, नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद, बिष्णु दयाल राम जिंदाबाद, फिर से मोदी सरकार का नारा लगाया। मौके पर रविन्द्र सिंह ने कहा कि देश की जनता ने मोदी के विकास पर मोहर लगाया है।

विश्रामपुर में भाजपा ने निकाला विजय जुलूस, खूब हुई आतिशबाजी

खबर मन्त्रसंवददाता

विश्रामपुर (पलामू)। पलामू लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बीडी राम की जीत पर विश्रामपुर में भाजपाइयों ने विजय जुलूस निकाला। जुलूस की शुरुआत ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर प्रांगण से हुई। जुलूस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। अबीर गुलाल भी खूब उड़े। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। जुलूस नगर भ्रमण करते हुए सोरडीहा पहुंचा, जहा जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि यह जीत कार्यक्रताओं के कड़ी मेहनत का प्रतिफल है।

जनता से मिले जनादेश मुझे स्वीकार है, जनहित में अपनी आवाज बुलंद करूंगी : ममता भुइयां

मेदिनीनगर। लोकसभा चुनाव में मतगणना के दौरान जो मत इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को प्राप्त हुआ है उससे वे थोड़ा नाखुश तो नजर आईं लेकिन अपने चिर परिचित अंदाज में कहा कि जनता द्वारा प्राप्त जनादेश मुझे स्वीकार है। मैं जनहित में अपनी आवाज को बुलंद करती रहूंगी। इसके साथ ही पलामू संसदीय क्षेत्र के जन समस्या को लेकर मुखर रहूंगी। बैलेट पेपर व इवीएम मशीन के द्वारा प्रथम से पांचवें राउंड तक मिले जनादेश के बाद ममता भुईयां मतगणना स्थल से बाहर निकलकर अपने स्टॉल में जाकर कार्यकर्ताओं के बीच बैठ गयी। इसके बाद राउंड प्रतिराउंड जो जनादेश मिलता गया उससे वह पिछड़ती चली गयी।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

खबर मन्त्रसंवददाता

गिरफ्तार बाइक चोर के बारे में जानकारी देते अधिकारी।

मेदिनीनगर। पुलिस ने नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सरईडीह टोला जमालपुर निवासी मंटु कुमार पिता महेंद्र साव को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में छतरपुर एसडीपीओ नौशाद आलम ने बताया कि दो जून को छतरपुर के शदाब मेडिकल के पास से एक मोटरसाइकिल नंबर जेएच 03 एजी-9681 चोरी हुआ था।

इस संबंध में वादी छतरपुर के सुधीर कुमार पिता सरयू साव के लिखित आवेदन पर छतरपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ छतरपुर के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर छापेमारी की गई। इसी दौरान गुप्त सूचना मिलीि क एक लड़का उक्त कांड में चोरी गये मोटरसाईकिल को डालटनगंज शहर में बेचने के फिराक में है।

इस सूचना पर शहर थाना डालटनगंज को उक्त कांड में चोरी गये मोटरसाईकिल व उक्त चोर को पकड़ने का निर्देश दिया गया। शहर थाना डालटनगंज द्वारा टीम गठित कर उक्त कांड में चोरी गये मोटरसाइकिल व चोरी में शामिल चोर को पकड़ कर रखा गया। सूचना के सत्यापन में शहर थाना डालटनगंज गये व चोरी में शामिल नौडीहा बाजार के सरईडीह टोला जमालपुर निवासी मंटु कुमार से शहर थाना के पुलिस पदाधिकारी की उपस्थिति में पूछताछ किया तो मंटु ने मोटरसाइकिल चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद चोरी गये मोटरसाइकिल को शहर थाना प्रांगण से जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया। मंटु को गिरफ्तार कर शहर थाना से प्रस्थान पर छतरपुर थाना लाया गया। इस घटना में बिना नंबर प्लेट का होंडा साईन पुलिस ने बरामद किया है। छापेमारी अभियान में छतरपुर एसडीपीओ नौशाद आलम के अलावे छतरपुर अंचल के अंचल निरीक्षक द्वारिका राम, छतरपुर थाना के पुअनि राजेश रंजन, शहर थाना प्रभारी, छतरपुर थाना के पुअनि सुशील उरांव, शहर थाना के सशस्त्र बल, टाइगर मोबाइल व छतरपुर पुलिस शामिल थी।

सतबरवा पुलिस ने रिकवरी एजेंट की हत्या मामले की जांच-पड़ताल तेज की

■ घटना स्थल का पुलिस ने लिया जायजा लोगों से की बातचीत

खबर मन्त्रसंवददाता

लोगों से जानकारी लेते पुलिस अधिकारी।

सतबरवा पलामू। सोमवार की रात्रि 7:30 बजे सतबरवा थाना क्षेत्र के सतबरवा चट्टी में रिकवरी एजेंट हत्या मामले की जांच पुलिस ने तेज कर दी है। अज्ञात अपराधियों के द्वारा धावाडीह की ओर से सतबरवा आने के क्रम में डबरा सतबरवा पथ पर मलय नदी के समीप महुआ पेड़ के पास रिकवरी एजेंट को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक का बाइक भी बरामद किया था। मृतक के पिता योगेश राम ने सतबरवा थाना में अपने पुत्र की हत्या अज्ञात अपराधियों के द्वारा कर दिये जाने की लिखित आवेदन दी है। उन्होंने बताया कि धावाड़ीह, लेस्लीगंज डबरा के जोगिया सोहडी से प्रियरंजन आईआईएफएल समस्ता फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत था। जिसका कार्यालय सतबरवा के पोंची में है। वहीं उन्होंने थाना प्रभारी से घटना की जांच करके अज्ञात अपराधियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। चचेरा भाई संदीप कुमार ने बताया कि इस दौरान रिकवर किए हुए 28,000 से ज्यादा रुपये अपराधियों ने लूट ली इस दौरान हाथापाई भी हुई थी। उन्होंने बताया कि दोपहर 2:30 बजे और शाम 5:40 में टेलीफोन से बात हुई थी। इधर, थाना प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि जहां पर घटना हुई थी उस स्थल का पुलिस ने निरीक्षण किया है। इसके बाद पुलिस की टीम ने जहां पर रिकवरी करने युवक गया हुआ था वहां पर जाकर लोगों से बातचीत की है।

दुमका से नलीन सोरेन, राजमहल से विजय और गोड्डा से निशिकांत जीते

जीत के बाद कार्यकर्ताओं से अभिवादन स्वीकार करते नलीन सोरेन।

दुमका में जीत का जश्न मनाते इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता।

मतदान केंद्र पर मुशतैद दुमका पुलिस।

भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को 23,600 से अधिक वोट से हराया

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। झामुमो के दुमका लोकसभा प्रत्याशी नलिन सोरेन ने भाजपा सीता सोरेन को करीब 23 हजार 600 वोट से अधिक से पराजित किया। नलीन सोरेन को पहली बार दुमका लोक सभा से प्रत्याशी बनाया गया है। इस सीट से शिबू सोरेन चुनाव लड़कर संताल के धरती में अपना कदम जमाया था।

हालांकि चुनावी मैदान में लगातार सात बार विधायक रह चुके नलीन सोरेन को राजनीति का पुराना अनुभव रहा है। ऐसे में सीता सोरेन को परास्त करने के लिए झामुमो ने चुनावी मैदान के माहिर खिलाडी नलिन सोरेन पर भरोसा किया और श्री सोरेन ने उस भरोसे पर खरे भी उतरे। हालांकि भाजपा प्रत्याशी लगातार प्रतिद्वंद्वी के रूप में

उन्हें टक्कर दे रही थी। परिणाम के बाद नवनिर्वाचित सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि यह जीत जनता की जीत है और इसका श्रेय जनता को जाता है। उन्होंने कहा कि चुनौती कम नहीं थी। क्षेत्र बड़ा था, लेकिन जनता ने हमारे काम और हमारे बातो का विश्वास किया और हमें आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि अब मेरी प्राथमिकता सबसे पहले लोगों को पानी, रोजगार और विस्थापन जैसे मुद्दे होंगें। इन समस्याओं को समाप्त करने के दिशा में कार्य करने का भरोसा जताया।वही आम जनता ने भी इस विधायक को सबसे अच्छा बताया। कहा 35 सालो में क्षेत्र का विकास किया है। इधर दुमका में झामुमो में जीत का जश्न है। यहां बता दें कि दो बार शिबू सोरेन को हरा सांसद रहे सुनील सोरेन का टिकट अंतिम समय मे काट भाजपा का दामन थामने वाली शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन पर भाजपा ने भरोसा जताया था।

गोड्डा : भाजपा कार्यकर्ताओं मे भारी उत्साह

गोड्डा। गोड्डा लोक सभा मतगणना परिणाम की अंतिम जानकारी मिलते ही भाजपा प्रत्याशी डॉ निशिकांत दुबे डेढ़ लाख सें भी ऊपर मतों सें चुनाव जीत गए और भाजपा समर्थको ने इस जीत पर डॉ निशिकांत दुबे को शुभकामनाये और बधाइयां देने मे कोई कोर कसर नहीं छोडी। अंतिम परिणाम आते ही कार्यकताओं मे और मतदाताओं मे खुशी की लहर फैल गई। जो मतदाता मौन थे उनकी खुशी भी फुट पड़ी और मुखरता के साथ चुनाव परिणाम पर संतोष ब्यक्त किया। एन डी ए की सरकार भी बननी तय हुई और जनता ने मोदी के नेतृत्व पर मुहर तो लगाई परन्तु मोदी की कुछ नीतियों और वक्तव्यो पर असहमति भी जताई। मोदी के कुछ विवादस्पद घोषणा जिसमे आरक्षण पर विवादस्पद बयान , बुजुर्गों को छलने की कोशिश, बेरोजगारो को कोई सार्थक सन्देश नहीं दे पाना, सामाजिक सौहार्द का कोई सन्देश नहीं, टिकट के वितरण मे योग्य उम्मीदवारों का चयन नहीं करना, सांसदों के चेहरे पर समर्थन नहीं मिलना, धर्म के आधार को फिर एक बार विपक्ष का जातिगत समीकरण द्वारा तोडना ऐसे कई मुद्दे हैं। अजित पवार जैसे गठबंधन के नेताओं पर अत्यधिक विश्वास करना आदि बहुत बातें हैं। हिंदुत्व के मुद्दे कमजोर पड़े भ्रष्ट्रचार की परिभाषा गढ़ने मे भी नाकामयाब रहे। सिर्फ सरकारी सेवा मे कार्यरत कर्मचारियों और पदाधिकारियों के वेतन और भत्ते बढ़ते रहे। सांसदों और विधायकों के साथ अन्य जनप्रतिनिधियों के वेतन भत्ते और सुविधाओं मे इजाफा होता रहा लेकिन आम जनता को इसका फायदा नहीं मिला। प्रशासन मे ब्याप्त भ्रष्ट्रचार पर नियंत्रण नहीं, किसान सम्मान योजना आदि नरेगा, मनरेगा जो विकास कई जड़ हैं उन योजनाओं मे भ्रष्ट्रचार आज भी कायम है।

जनता सिर्फ घोशनाओं सें खुश नहीं होती उन्हें धरातल पर क्या मिल क्या रहा है क्या दिख रहा है और क्या मिलने वाला है उसे देख कर खुश होते हैं। सरकार बनना ही था क्योंकि विपक्ष के पास मुद्दे नहीं थे फिर भी मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ नीचे गिरा। उनकी सभाओं रोड शॉ मे उमड़ी भीड़ सें ज्यादा विपक्ष के समर्थन मे जनता थी। कुछ परिणाम का आना शेष है लेकिन बहुत मुद्दे हैं जिसपर कई कड़े फैसले लेने पड़ेंगे साथ ही अपनी नितियाँ स्पस्ट करनी होंगी।

मेरी जीत राजमहल की जनता की जीतः विजय हांसदा

साहिबगंज। झामुमो सह इंडिया गठबधंन उम्मीदवार विजय हांसदा ने अपनी जीत को राजमहल की जनता की जीत बताया।

उन्होंने राजमहल की जनता, दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन, अपनी मां, कल्पना सोरेन,एवं एम टी राजाऔर महापर्व में भाग लेने वाले सभी लोगों का आभार जताया। कहा कि राजमहल की जनता की कई मांग और कई अधूरे काम को उन्हें पूरा करना है। पहले भी उन्होंने रेलवे, मेडिकल व कनेक्टिविटी पर काम किया। इस बार भी इन मुद्दों पर उनका फोकस रहेगा। सदन के अंदर-बाहर राजमहल व झारखंड के सभी मसलों व मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राजमहल की जनता ने पिछली बार से ज्यादा मतों से जिताया।

उनकी जीत जनता के विश्वास की जीत है। कहा कि यहां के लोगों का हमेशा ऋणी रहेंगे। विजय हांसदा तीसरी बार राजमहल लोकसभा से विजय प्राप्त किया है। जीत के पहले ही झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने विजय हांसदा को माला पहनाकर बधाई देने लगा। कार्यकर्ताओं में काफी खुशी है और चारों तरफ विजय हांसदा जिन्दाबाद,वीर शिवू का नारा गुंजायमान होने लगा है।

वहीं एम टी राजा ने बताया कि ये जीत राजमहल के जनता और कार्यकर्ता का लग्न और मेहनत का है।

बोकारो : ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लान्ट के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर के एमकेएम स्टेडियम में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी सहित अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी अधिशासी निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन तथा अतिरिक्त प्रभार संकार्य राजन प्रसाद मुख्य महाप्रबंधक कार्मिक हरिमोहन झा मुख्य महाप्रबंधक नगर प्रशासन कुंदन कुमार महाप्रबंधक नगर सेवाएं एके अविनाश सहायक महाप्रबंधक क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं एस रजक समेत अन्य वरीय अधिकारी विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक बच्चे तथा अभिभावक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर 2024 का शुभारम्भ बीते 16 मई को हुआ था। शिविर में 674 बच्चों ने 11 अलग-अलग खेलों में नेशनल इंटरनेशनल एवं एनआईएस प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन खेलों में एथलेटिक्स बैडमिन्टन बास्केटबाल क्रिकेट फुटबाल हैंडबाल कबड्डी खो-खो वालीबाल शतरंज एवं तीरंदाजी शामिल थे। मुख्य अतिथि ने समापन समारोह में प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सुदृढ़ भविष्य निर्माण के लिये 11वीं के 550 से अधिक विद्यार्थी चिन्मय परिवार में हुए सम्मिलित

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में वर्ष 2024-25 के 11वीं के नव नामांकित छात्रों के हेतु आयोजित सम्मेलन समारोह में 550 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।उन्हें विद्यालय की उपलब्धि उद्देश्य सेवा कार्य एवं संस्थागत ढांचे के बारे में जानकारी दी गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसएल के ईडी (पी एन्ड ए) व अतिरिक्त प्रभार वर्क्स राजन प्रसाद थे। सभी अतिथियों छात्रों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि मुख्य अतिथि राजन प्रसाद और विशिष्ट अतिथि प्रीति सरण का चिन्मय विद्यालय उनके सहयोग एवं दिव्य उपस्थिति के लिए हमेशा आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि चिन्मय विद्यालय झारखंड का पहला विद्यालय है जिसने नाबेट का सर्टिफिकेशन सीबीएसई से न्यू जनरेशन स्कूल एवं ब्रिटिश

काउंसिल से भी विशिष्ट प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुका है। उन्होंने सभी अभिभावकों को भरोसा दिया कि उनके नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

मुख्य अतिथि राजन प्रसाद ने इस अवसर पर सीबीएसई दसवीं की 2024 की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को चेक देकर पुरस्कृत किया। इन छात्रों को 15000-15000 रूपये की राशि दी गई। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें हमेशा ही चिन्मय विद्यालय बोकारो पर गर्व होता रहा है। पिछले 47 वर्षों से इस विद्यालय ने शिक्षा और समाज-सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। श्रेया गुप्ता ने विद्यालय के आधारभूत ढांचा एवं शैक्षिक उपलब्धि का पीपीटी शो प्रस्तुत किया। विद्यालय कि आईटी प्रमुख सुधावाला ने विद्यालय की सेवा में टेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में जानकारी दी तथा उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने शिक्षकों का परिचय करवाया । इस प्रकार आज के कार्यक्रम में छात्रों को विद्यालय संबंधित सभी विषयों की जानकारी दी गई ताकि आने वाले दिनों में उन्हें कोई कष्ट ना हो। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि राजन प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि प्रीति सरण को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने सभी छात्र शिक्षक अभिभावक सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों को कार्यक्रम में बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद प्रकट किया। इस कार्यक्रम का संचालन अंजलि मिश्रा एवं मीनाक्षी चैधरी ने किया।

एक नजर में

फुसरो मे भाजपाइयों ने मनाया जीत का जश्न

बोरमो। गिरिडीह लोकसभा सीट से सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की जीत पर फुसरो मे भाजपाइयों ने मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी मनाई। जिला मंत्री बिक्रम पांडेय ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से एनडीए गठबंधन को जीत मिली है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तीसरी बार भाजपा की मजबूत सरकार बनाने जा रही है। निर्मल चौक मे नगर महामंत्री टुनटुन तिवारी ने मिठाई खिला कर खुशी मनाई और कहा कि मोदी की यह जीत उनकी इच्छशक्ति, त्वरित निर्णय क्षमता, ईमानदारी व धर्म निर्पेक्षता के बल पर संभव हुई है। इस अवसर पर दिनेश यादव,रमेश स्वर्णकार, प्रमोद सिंह, नवल किशोर सिंह, मनोज रवानी, अखिलेश तिवारी, मृत्युंजय पांडेय, छोटू रवानी, कृष्णा रजवार, रोहित मित्तल, प्रदीप वर्मा, बुटाली पांडे, संजय तिवारी, महेश कुमार, चंदन राम, लालमोहन महतो, आशुतोष आदि शामिल हुए।

चुनाव परिणाम को देखते हुए चौक चौराहो पर लगी पुलिस की डियूटी

बेरमो /तेनुघाट। गिरिडीह लोकसभा चुनाव की मतगना पूर्ण होने के बाद पेटरवार के चौक चौराहो पर पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है. वहीं पुलिस बल भी अपने मुस्तैदी के साथ डियूटी कर रहे है। जबकि मतगना के दौरान बोकारो चास गिनती के दौरान निर्दलीय प्रत्यासी जयराम महतो के कार्यकर्ताओ के द्वारा हुरदंग करने के बाद प्रशासन को लाठी चार्ज करना पड़ा। इसको लेकर बोकारो एस पी के द्वारा शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। वही पेटरवार एन एच 23के किनारे होने के कारण और बोकारो रांची मुख्य रोड़ होने के कारण ज्यदा व्यस्त रोड़ है कही जाम ना हो जाये इसका भी पुरा ध्यान रखा गया है।

आशा के विपरीत चुनावी नतीजों ने जयराम महतो के समर्थकों ने धैर्य खोया, की पत्थरबाजी

बोकारो। गिरीडीह संसदीय क्षेत्र की मतगणना का 12वां राउंड अभी पूरा हुआ तभी जेबीकेएसएस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी जयराम कुमार महतो एवं आजसू समर्थकों के बीच आईटीआई मोड़ के समीप वाद विवाद हुआ। प्रशासन के रोकने पर जयराम महतो के समर्थक उग्र हुए। पुलिस ने भीड़ को तितर बितर के ख्याल से आंसू गैस व लाठी चार्ज भी हुआ। जयराम के समर्थकों ने प्रशासन व पुलिस पर रोड़ेबाजी शुरू कर दी। प्रशासन व पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए उन्हें दौड़ा दौड़ा कर हटाना शुरू किया। कुछ को डंडे भी लगे। पुलिस कप्तान मौके पर मोर्चा संभालते तैनात दिखे। हांलाकि उन्होंने स्थिति सामान्य एवं नियन्त्रण में बताया। समाचार लिखे जाने तक भीड़ को तीतर बितर करने को पुलिस जवान तत्पर दिखे।

कुत्सित भावना का त्याग कर उत्तम भावनाओं को बनाएं अपनी धरोहर : समणी मधुर प्रज्ञा

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। विश्वशांति दूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या समणी निर्देशिका मधुर प्रज्ञा जी समणी शुभ प्रज्ञा जी एवं समणी मनन प्रज्ञा जी के सानिध्य में स्थानीय सेक्टर 4 स्थित प्रकाश श्री भवन में प्रवचन सत्र का आरंभ हुआ। तीनों समणीवृंद विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते हुए पुनः बोकारो पधारी हैं। अपनी धर्म-प्रचार यात्रा के तहत अगले लगभग एक पखवाड़े तक वे यहीं विराजमान रहेंगी।

इस अवसर पर आयोजित प्रवचन सत्र में बड़ी संख्या में जैन श्वेतांबर तेरापंथ समाज के लोग शामिल हुए। समणी मधुर प्रज्ञा ने जैन धर्म की 12 अनुप्रेक्षाओं यानी भावनाओं के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि भावना ही पुण्य-पाप राग-वैराग्य संसार

व मोक्ष आदि का कारण है। अतः जीव को सदा कुत्सित भावनाओं का त्याग करके उत्तम भावनाएं रखनीं चाहिए। उत्तम व पावन भावनाओं को ही अपना धरोहर बनाना चाहिये।

12 अनुप्रेक्षाओं में अध्रुव अशरण एकत्व अन्यत्व संसार लोक अशुचित्व आस्त्रव संवर निर्जरा धर्म और बोधिदुर्लभ शामिल हैं। ये सफल मानव जीवन का मर्म समझाते हैं। उन्होंने कहा कि जिनका बार बार विचार-चिन्तन किया जाये उन्हें अनुप्रेक्षा कहते हैं। ये भावनाएं वैराग्य को उत्पन्न करने में माता के समान मानी गई हैं। इनकी विशेषता यह है कि तीर्थंकर महापुरुष भी कुछ कारण पाकर विरक्त होते ही इन भावनाओं को भाते हैं और अपने वैराग्य को दृढ़ करते हैं।

गृहस्थाश्रम में अनेक प्रकार की समस्याओं चिंताओं और संघर्षों में शान्ति प्राप्त करने के लिए इन भावनाओं का चिंतवन अमोघ औषधि है ऐसा विश्वास रखकर सदैव इनको भाते रहना चाहिए और चौबीस घंटे में एक बार अवश्य ही बारह भावना का पाठ करना चाहिए। उक्त आशय की जानकारी जैन समाज की ओर से मीडिया प्रभारी सुरेश बोथरा ने दी।

बोकारो : बीएसएल ईडी राजन प्रसाद ने 100 ठेका श्रमिकों को दिया बायोमेट्रिक पास

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। ठेका मजदूरों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने की श्रृंखला में प्लांट परिसर के अंदर ठेकेदारों के अधीन काम करने वाले ठेका श्रमिकों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड की सुविधा अधिशासी निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन तथा अतिरिक्त प्रभार संकार्य राजन प्रसाद तथा मुख्य महाप्रबंधक सेवाएं अनिल कुमार मुख्य महाप्रबंधक कार्मिक हरिमोहन झा की उपस्थिति में उपलब्ध करायी गयी। रवीन्द्र कुमार मील कमांडेंट सीआईएसएफ मानव संसाधन एवं सीआईएसएफ के अन्य अधिकारी की उपस्थिति में आज सीआईएसएफ पास अनुभाग में लगभग 100 ठेका मजदूरों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड पास जारी किया गया। इस सुविधा को चरणबद्ध तरीके से सभी ठेका श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे न सिर्फ ठेका मजदूरों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी बल्कि ठेका मजदूरों की देय सुविधाओं को समग्र रूप से सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

खबर मन्त्र

रांची.बुधवार. 05 जून 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

राजग की जीत

लोक सभा के चुनाव रूझानों के अनुसार अगर कोई बड़ा फेर बदल नहीं होता है तो राजग की सरकार तीसरी बार आती दिख रही है। सभी पूर्व सर्वेक्षणों से अलग कांग्रेस नीत गठबंधन को भी बेहतर सफलता मिली है लेकिन पूर्ण बहुमत से दूर हैं। भारतीय जनता पार्टी को अकेले बहुमत मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। नीतिश कुमार और चन्द्रबाबू नायडू सहित अन्य के सहयोग से उन्हें अनुमानित 290 तक सीटें मिल रही है। मतगणना की गति धीमी है जिससे सभी परिणाम देर रात तक आने की संभावना है। भाजपा को मध्यप्रदेश, दिल्ली, गुजरात और ओड़िसा में बेहतरीन सफलता मिली है। ओड़िसा जहां राज्य के विधानसभा के चुनाव भी हुए थे वहां राज्य विधानसभा में पहली बार भाजपा की सरकार बन रही है और 24 साल तक चले पटनायक सरकार का अंत हो गया है। साथ ही आंध्र प्रदेश में में भी टीडीपी के साथ राज्य के चुनाव में उसे सफलता मिली है। इस प्रकार भाजपा दो राज्यों में अपनी सरकार बनाने में सफल हो गयी है। वहीं उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में भाजपा को उम्मीद से अधिक हार का सामना करना पड़ा जिससे पार्टी का पुराना जनादेश 303 सीट का दोहराया नहीं जा सका।। भाजपा 240 सीटों के आस-पास सिमट गयी है। वहीं कांग्रेस को भी 100 के आस-पास सीटें मिल रही है। विगत दस साल से सरकार में रही भाजपा ने हिंदी पट्टी में रोजगार और रियायत पर अपने विचार स्पष्ट नहीं किये जिससे युवाओं और मध्यम निम्न वर्ग का आक्रोष पार्टी को झेलना पड़ा। सबसे बड़ी बात पीएम मोदी का वाराणसी से मात्र डेढ़ लाख वोट से जीतना यह संकेत देता है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की नीतियों को लेकर आम लोगों में उत्साह नहीं था।

मंगल-अमंगल

देश के चुनाव परिणाम को लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जा रहें हैं। पांच साल बाद हुए इस चुनाव में कोई ठोस मुद्दा तो नहीं था लेकिन विपक्ष ने संविधान बचाने और सत्ता पक्ष ने इसे हिंदु-मुस्लिम आरक्षण सहित दर्जनों मुद्दों के बीच अपनी जीत सुनिश्चत करने का प्रयास किया। भारतीय लोकतंत्र की यही शोभा है कि आम जनता अपने मत से सत्ता के उन सभी अनुमानों को ध्वस्त करती है जो कुछ क्षेत्र या सीमित चिंतन और समझ के माध्यम से बनाये जाते हैं। देश का आम आदमी अगर निराश हो तो सत्ता का इसका दंश झेलना ही पड़ता है। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस दोनों को इस चुनाव के परिणाम से सबक लेना चाहिए। आम जन को लुभाकर कोई निश्चित परिणाम हासिल नहीं किया जा सकता है। देश के लोकतंत्र में कल्याणकारी सरकार की अवधारणा है जिसमें 100 करोड़ लोगों और 25 करोड़ परिवार गांवों में 10 हजार रुपये और शहरों में अधिकतम 30 हजार रुपये से अपने परिवार का भरण पोषण करता है। इन परिवारों पर चाहे पेट्रोलियम पदार्थ के अधिकतम मूल्य हो या टोल टैक्स, चाहे परोक्ष जीएसटी का उच्च दर हो या फिर दर्जनों प्रकार के विविध शुल्क इन सब से वो परेशान होता है। कोरोना के दो-दो लॉकडाउन से त्रस्त आमलोंगों के इस चुनाव में वृद्ध जनोंकी रेल रियायत खत्म करने वाली सरकार को पूर्ण बहुमत मिलना संभव नहीं था। शेयर बाजार में मंगलवार, 4 जून को वेल्थ लगभग 31 लाख करोड़ कम हो गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 395 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक दिन पहले यह लगभग 426 लाख करोड़ था। यह मंगल वित्त बाजार के लिये, उद्यागपतियों के लिये और भारतीय जनता पार्टी के लिये अमंगल साबित हुआ।

टोल नाकों पर पांच प्रतिशत टैक्स बढ़ोतरी : आखिर जरूरत क्या थी ?

केंद्र सरकार को वैसे भी इस वित्त वर्ष में अपने निर्धारित लक्ष्य से अधिक टोल टैक्स मिलना था, फिर भी पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी बहुत आश्चर्य में डालनेवाली है। देश का आम नागरिक जिसने चार पहिए का वाहन खरीद लिया है और कई बार मजबूरी में एक या दो लोगों को लेकर सफर करने के लिए विवश है, उसकी जेब टोल टैक्स के नाम पर खाली करवाना कहां तक उचित कहलाएगा? अब यदि 400 किलोमीटर की यात्रा तय करने के लिए 700 रुपये से भी अधिक देना पड़े, जिसमें कि नई व्यवस्था में 5 प्रतिशत बढ़ाते हुए अतिरिक्त रुपये और देना होंगे, तब जरूर विचार करें कि केंद्र सरकार की इस बढ़ोतरी पर प्रश्न क्यों नहीं खड़े किए जाएं ?वास्तव में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 04 जून से देशभर में टोल दरों में औसतन 5 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा कर सभी को चौकाया है। जिसमें कि कहा जा रहा है कि संशोधित दरें पहले 01 अप्रैल से प्रभावी होने वाली थीं, किंतु लोकसभा चुनाव के कारण इन्हें टाल दिया गया। अब प्रश्न भी है कि क्यों टाला गया ? क्या इसलिए टाला गया क्योंकि सातवें और अंतिम फेज में उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट वाराणसी पर भी वोटिंग होना थी, जहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार चुनाव लड़ा है? या फिर इसलिए क्योंकि देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर एक जून को मतदान होना था, यदि यह टोल टैक्स पहले से घोषित कर देते तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संगठन भाजपा को हो सकता है चुनाव मतदान में बड़ा नुकसान उठाना पड़ता ! क्योंकि चुनाव यहां किसी एक राज्य में नहीं हो रहे थे, बल्कि उत्तर प्रदेश की 13, पंजाब की सभी 13, बिहार की 8, हिमाचल प्रदेश की 4, झारखंड की 3, पश्चिम बंगाल की 9 और ओडिशा की 6 सीटों पर वोट डाले जाने थे।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को लगता होगा कि यदि फिर भी भाजपा सत्ता में आ गई तो उनकी बुरी गत कर देगी। इसलिए अभी रुपये न बढ़ाकर चुनाव बाद इसे लागू करेंगे। अधिकारियों को यह क्यों नहीं लगा कि हर कोई एक बड़ी रकम टोल की चुकाने में सक्षम नहीं होता है। वैसे भी अनेक प्रकार के टैक्स सरकार ने पहले ही लगा रखे हैं। जीएसटी के कारण पूर्व से ही सरकार की झोली लगातार रिकार्ड धनराशि के साथ बढ़ रही है। फिर टोल पर टैक्स बढ़ाने की जरूरत क्या थी? जीएसटी के नाम से एक कर की बात करनेवाली केंद्र की सरकार अभी तक तेल कीमतों पर इसे लागू नहीं कर सकी है? टोल पर राहत नहीं तो पेट्रोल में ही सरकार राहत दे देती! अगर पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाया जाता है, तो फिर पेट्रोल-डीजल के दाम मौजूदा कीमत से काफी कम हो जाएंगे ।

उदाहरण के तौर पर आप समझ सकते हैं कि यदि दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल भरवाने के लिए 94.72 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं तो इसमें 35 रुपये के करीब टैक्स है, जिसमें लगभग 20 रुपये केंद्र सरकार को और 15 रुपये राज्य सरकार के पास जाते हैं। यहां केंद्र को एक्साइज ड्यूटी के जरिए कमाई होती है तो वहीं, राज्य सरकारें अपने-अपने हिसाब से वैट लगाकर कमाई करती हैं । इसलिए प्रत्येक राज्य में तेल कीमतें अलग हैं । वर्तमान में पेट्रोल और डीजल पर सरकारें 60 फीसदी से भी ज्यादा टैक्स वसूल रही हैं। ऐसे में अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाता है, तो सरकार अधिकतम 28 फीसदी की दर से ही टैक्स लगा पाएगी, जिसका परिणाम यह होगा कि पेट्रोल-डीजल के दाम एक दम से घट जाएंगे।

दिल्ली में एक्साइज ड्यूटी और वैट को मिलाकर जो 1 लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये का मिल रहा है जब उस पर सिर्फ 28 फीसदी जीएसटी लगाया जाएगा, तो उसकी कीमत 70 रुपये के करीब आ जाएगी। इसी तरह से डीजल की कीमत भी कम होगी। यदि केंद्र की सरकार को और अधिक रुपयों की टैक्स कलेक्शन की आवश्यकता है तो वह इसके अलावा भूमि, शराब, उत्खनन जैसे अन्य कई क्षेत्र हैं, जहां राज्य अपने मनमुताबिक वसूली करते हैं। उनकी भी डारेक्ट वसूली करना आरंभ कर दे। किंतु वास्तविकता यही है कि केंद्र में कोई भी सरकार रहे, वह ऐसा कभी नहीं कर सकती, अन्यथा लोकतंत्र में जो केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा और परस्पर का समन्वय है, वह आपस में टकराकर समाप्त हो जाएगा। सच यही है कि दोनों की अपनी-अपनी जरूरतें हैं और राजनेताओं एवं उनकी पार्टी के अपने हित, जिसके चलते वह ऐसा कभी नहीं करेगी । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जहां मनमर्जी होगी केंद्र सरकार इस तरह से टैक्स पर बढ़ोतरी करती रहेगी।

कहना होगा कि केंद्र की सरकार ने एक झटके में हर दिन करोड़ों की कमाई की जुगत टोल नाकों के माध्यम से कर ली है। जोकि वास्तविकता में कहीं से भी न्याय संगत नहीं लगती । आज यह भी एक बड़ा प्रश्न है, जब देश में 80 करोड़ जनता को अनाज योजना से फ्री में राशन बांटा जा रहा है, या इसी प्रकार की अन्य तमाम योजनाएं फ्री की देश में संचालित हैं, क्या कभी वास्तविकता में सर्वे होता है कि वह जिसे इन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, वह इनका लाभ लेने के लिए वास्तविक हकदार है? या फिर जो चार पहिए का वाहन खरीदकर चला रहा हैं, जोकि आपका टैक्सपेयर है, उसी की बार-बार सरकार पूरी तरह से जेब खाली करवाने पर भरोसा करती है?

वैसे भी फास्टटैग को अपनाने में वृद्धि, स्वस्थ यातायात वृद्धि और टोलिंग सड़कों में वृद्धि से समर्थित, वित्त वर्ष 24 में ?64,800 करोड़ (ऋ23ः ?48,000 करोड़) तक राजस्व वृद्धि में सहायता केंद्र की सरकार को मिली है, जो सरकार के ?55,000 करोड़ के लक्ष्य को पार कर चुकी है । इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राजस्व 70,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। फिर यह निर्णय लेना निश्चित ही समझ के परे है। अच्छा तो यही होगा कि सरकार इस निर्णय को वापस ले । (लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को लगता होगा कि यदि फिर भी भाजपा सत्ता में आ गई तो उनकी बुरी गत कर देगी। इसलिए अभी रुपये न बढ़ाकर चुनाव बाद इसे लागू करेंगे। अधिकारियों को यह क्यों नहीं लगा कि हर कोई एक बड़ी रकम टोल की चुकाने में सक्षम नहीं होता है। वैसे भी अनेक प्रकार के टैक्स सरकार ने पहले ही लगा रखे हैं। जीएसटी के कारण पूर्व से ही सरकार की झोली लगातार रिकार्ड धनराशि के साथ बढ़ रही है। फिर टोल पर टैक्स बढ़ाने की जरूरत क्या थी?

खास बात

योग का उदेश्य

स्वामी मुक्तरथ

समाधिपाद में यह बतलाया गया है कि योग के उद्देश्य और लक्षण क्या हैं और उसका साधन किस प्रकार होता है। साधनपाद में क्लेश, कर्मविपाक और कर्मफल आदि का विवेचन है। विभूतिपाद में यह बतलाया गया है कि योग के अंग क्या हैं, उसका परिणाम क्या होता है और उसके द्वारा अणिमा, महिमा आदि सिद्धियों की किस प्रकार प्राप्ति होती है। कैवल्यपाद में कैवल्य या मोक्ष का विवेचन किया गया है। संक्षेप में योग दर्शन का मत यह है कि मनुष्य को अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश ये पाँच प्रकार के क्लेश होते हैं, और उसे कर्म के फलों के अनुसार जन्म लेकर आयु व्यतीत करनी पड़ती है तथा भोग भोगना पड़ता है। पतंजलि ने इन सबसे बचने और मोक्ष प्राप्त करने का उपाय योग बतलाया है और कहा है कि क्रमशः योग के अंगों का साधन करते हुए मनुष्य सिद्ध हो जाता है और अंत में मोक्ष प्राप्त कर लेता है। ईश्वर के संबंध में पतंजलि का मत है कि वह नित्यमुक्त, एक, अद्वितीय और तीनों कालों से अतीत है और देवताओं तथा ऋषियों आदि को उसी से ज्ञान प्राप्त होता है। योगदर्शन में संसार को दुःखमय और हेय माना गया है। पुरुष या जीवात्मा के मोक्ष के लिये वे योग को ही एकमात्र उपाय मानते हैं।

पतंजलि ने चित्त की क्षिप्त, मूढ़, विक्षिप्त, निरुद्ध और एकाग्र ये पाँच प्रकार की वृत्तियाँ मानी है, जिनका नाम उन्होंने 'चित्तभूमि' रखा है। उन्होंने कहा है कि आरंभ की तीन चित्तभूमियों में योग नहीं हो सकता, केवल अंतिम दो में हो सकता है। इन दो भूमियों में संप्रज्ञात और असंप्रज्ञात ये दो प्रकार के योग हो सकते हैं। जिस अवस्था में ध्येय का रूप प्रत्यक्ष रहता हो, उसे संप्रज्ञात कहते हैं। यह योग पाँच प्रकार के क्लेशों का नाश करनेवाला है। असंप्रज्ञात उस अवस्था को कहते हैं, जिसमें किसी प्रकार की वृत्ति का उदय नहीं होता अर्थात् ज्ञाता और ज्ञेय का भेद नहीं रह जाता, संस्कारमात्र बचा रहता है। यही योग की चरम भूमि मानी जाती है और इसकी सिद्धि हो जाने पर मोक्ष प्राप्त होता है।

(सत्यानंद योग मिशन, रांची)

विचारों का सम्मान

विचार-प्रवाह

निशांत जैन

यह समझना जरूरी है कि उत्साह से लबरेज आज की युवा पीढ़ी भगवान महावीर के संदेशों को किस रूप में देखती है? युवाओं के सपनों को साकार करने में इन संदेशों की क्या कोई अहमियत है? इन सवालों के जवाब पाने के लिए देखते हैं युवाओं के लिए तीर्थंकर महावीर की 10 काम की बातें,

महावीर की वाणी के तीन आधारभूत मूल्य हैं, अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह। ये युवाओं को आज की भागमभाग और तनाव भरी ज़िंदगी में सुकून की राह दिखाते हैं।

महावीर की अहिंसा केवल शारीरिक या बाहरी न होकर, मानसिक और भीतर के जीवन से भी जुड़ी है। महावीर मन-वचन-कर्म, किसी भी जरिए की गई हिंसा का निषेध करते हैं। इस तरह महावीर खुद सुकून से जीने और दूसरों को भी जीने देने की राह सुझाते हैं।

अनेकांत : दूसरों के विचारों का सम्मान

अनेकांत का अर्थ है, सत्य को उसके सभी पहलुओं के साथ देखना। आज के दौर में महावीर का अनेकांतवाद और स्यादवाद का सिद्धांत बेहद प्रासंगिक है। अगर हम अनेकांतवाद को अपनाते हुए दूसरों के विचारों की भी अहमियत समझें, तो एक बेहतर दुनिया का निर्माण कर सकते हैं। तमाम तरह की कट्टरताएं यहां खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं।

अपरिग्रहः दूसरों की जरूरतों का सम्मान

अपरिग्रह यानी जरूरत से ज्यादा चीजों का संचय न करना। महावीर का अपरिग्रह का सिद्धांत न केवल बाहरी परिग्रहों, बल्कि मन के विकारों और तनावों को भी त्यागने को संदेश देता है।

सब मिल गए बावजूद इसके 50-60 सीट से ज्यादा नहीं घटा पाए मोदी की लेकिन नैरेटिव ये है कि देश ने मोदी को नकार दिया है। ओडिशा में ऐतिहासिक जीत है, आंध्र में सरकार बन रही है, एमपी-दिल्ली-गुजरात में क्लीन स्वीप है, दक्षिण और ओडिशा में सीटें जबर बढ़ी हैं, सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बीजेपी है

- सुशांत सिन्हा, पत्रकार

आपके ट्वीट

अज्ञान आवरण, विषयों के विविध प्रलोभन आकर्षण और अपने अस्तित्त्व की अनभिज्ञता के कारण ही हम स्वयं को अपूर्ण व दुःखी अनुभव करते रहते हैं । सही दिशा और ठीक समय पर किया गया पुरुषार्थ संसिद्धिकारक साधन हैं ।

- अवधेशानंद गिरी

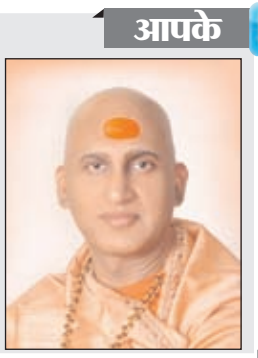

भारत की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया है। देश की वंचित और गरीब आबादी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इंडिया के साथ खड़ी हो गयी। गठबंधन के सभी साथियों और कांग्रेस के बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को बधाई। - राहुल गांधी

धरती, हम लोग और हमारा भविष्य

(पर्यावरण दिवस विशेष)

गिरीश्वर मिश्र

सामयिक

पर्यावरण जीवों और उनके जीवन का आधार और एक अनिवार्य घटक है। उसके बिना जीवन अकल्पनीय है । हमारा जीवन-चक्र पर्यावरण में स्थित है और पर्यावरण द्वारा ही आयोजित होता है। हम उसी में जन्म लेते हैं, जीते हैं और मृत्यु के बाद उसी में विलीन हो जाते हैं। हम वनस्पतियों और अन्य प्राणियों की ही तरह पर्यावरण के अंग होते हैं परंतु अपने अहंकार में हम अपनी इस मौलिक सदस्यता को भूल कर अपने को पर्यावरण से अलग तत्व के रूप में देखते हैं। हम मनुष्य और पर्यावरण की दो अलग झ अलग कोटियाँ या श्रेणियां बना लेते हैं जो भिन्न मान ली जाती हैं। इनके बीच का रिश्ता भी उपभोक्ता (कंज्यूमर) और उपभोग्य वस्तु (कंज्यूमेबल ऑब्जेक्ट) मान बैठे हैं। पर्यावरण हमारे लिए एक संसाधन होता गया है जिनमें कुछ नवीकरणीय भी होते हैं और कुछ समाप्त हो कर उस रूप में वापस नहीं मिलते। अपनी संपदाओं के कारण धरती को वसुंधरा कहते हैं। पर्यावरण में मौजूद विविध पदार्थों, ऊर्जा के श्रोतों (जैसे झ कोयला, पेट्रोल आदि), जल संसाधनों, भिन्न-भिन्न गुणवत्ता के भूमि रूपों (जहां किस्म-किस्म के अन्न, फल, लकड़ी, औषधि और अन्य पदार्थ पैदा होते हैं) को लेकर हम बड़े प्रसन्न होते हैं । पर पर्यावरण की इस सम्पदा को सिर्फ निष्क्रिय निर्जीव वस्तुओं के संसाधन के रूप में मान बैठना भ्रम है। इसलिए ऐसा सोचना ठीक तो है परन्तु यह आधी सच्चाई है। पर्यावरण को सिर्फ संसाधन मान बैठना न सही है न वांछित। पर्यावरण से हमारा पारस्परिक रिश्ता है। वह हमें रचता है और हमसे अपेक्षा है कि हम उसकी रक्षा करें। इस तरह पृथ्वी पर एक जीवन-चक्र चलता सदैव चलता रहता है।

इन सबको देखते हुए ही धरती को माता कहा गया माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः । पृथ्वी सभी प्राणियों का बिना भेद-भाव के माता की तरह भरण-पोषण करती है। आज इसे भुला कर हम निर्मम भाव से इस पर्यावरण को अपने अविवेकपूर्ण आचरण द्वारा तरह-तरह से आघात पहुंचा कर लगातार उसका हृदय छलनी कर रहे हैं और शरीर नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं । ऐसा करते हुए अपने ही पैरों पर ही कुल्हाड़ी चला रहे हैं। पेड़ कटते जा रहे हैं, वन जलाए जा रहे हैं, कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, और रासायनिक खाद से धरती की उर्वराशक्ति नष्ट हो रही है । हमारी भौतिकवादी दृष्टि कितनी दूषित हो चुकी है कि हम प्रकट सत्य का भी प्रत्यक्ष नहीं कर पाते हैं और न वह क्षति ही महसूस कर पाते हैं जिसकी भरपाई संभव ही नहीं है । ग्रीन गैस का उत्सर्जन जिस तरह हो रहा है और कार्बन डाई आक्साइड जिस तरह बढ़ रहा है वह सब जीवन के विरुद्ध है। पर्यावरण की ओर से हमें लगातार चेतावनी मिल रही है और हम हैं कि उसे अनसुना करते रहे हैं। ग्लेशियर का पिघलना, अति वर्षा, सूखा, बाढ़ और गर्मी का अत्याधिक बढ़ना ऐसे ही संकेत हैं। आज धरती और पर्यावरण की सीमाओं को बिना पहचाने उसका अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। ऐसा करते हुए हम यह अकसर भूल जाते हैं कि हमारा आहार, हमारी सांसें और हमारे कार्य-कलाप सब कुछ पर्यावरण से ही उधार लिया हुआ है। यदि पर्यावरण इसमें कोई कोताही करता है तो परिस्थिति विकट हो जाती है। कुछ ही दिनों पहले कोविड झ 19 की महामारी के दौरान हम सबने विश्व भर में यह बात अपनी आंखों देखी कि पर्यावरण के साथ रिश्ता कितना नाजुक होता है। उस दौरान ऑक्सीजन की कालाबाजारी तक हुई थी। मनुष्य की पर्यावरण के साथ रिश्तों में भागीदारी का सबसे घातक पक्ष प्रदूषण है जो वायु, जल, पृथ्वी सब में तेजी से फैलता जा रहा है।

कार्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडिटर

बेलगाम महंगाई

देश ने पिछले आठ सालों में, कई बदलाव देखे, जो कि अपने आप में ऐतिहासिक और अचंभित करने वाले थे। लेकिन, बेलगाम महंगाई ने कम आय वाले तबके के लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। ऐसे में सवाल है कि क्या शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरत की चीजों पर कुछ सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे? सरकार आम लोगों का हित नहीं सोचती क्यों?

-अमन जायसवाल, रांची

जनता का विश्वास

सरकारी कर्मचारी हो या अन्य क्षेत्र, आज हर कदम पर रिश्वत का बोलबाला लगता है। इसके बजाय देश में कानून व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि कोई भी गलत तरह से काम न करे। हाल ही में आप सरकार के एक मंत्री का भ्रष्टाचार में लिप्त होना और उसे कानून के शिकंजे में कसना एक स्वागतयोग्य कदम है। जनता का विश्वास कानून व्यवस्था पर बना रहना चाहिए। - सृष्टि ,हजारीबाग

पर्यावरण के प्रति जागरुकता क्यों नहीं?

समस्या

डॉ. वंदना सेन

वर्तमान में जिस प्रकार से तापमान बढ़ रहा है, उसका एक कारण यह भी है कि हमारा समाज पर्यावरण के प्रति सचेत नहीं है। इसे सरकारी विफलता के रूप में देखा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि सरकार केवल योजना बनाकर ही यह समझ लेती है कि उनका कर्तव्य पूरा हो गया, जबकि यह योजना नीचे तक जाए, यह जिम्मेदारी भी तो शासन की है, लेकिन शासन अभी तक पर्यावरण के मामले में कोई ठोस पहल नहीं कर सका। सरकार के सानिध्य में संचालित होने वाले गैर सरकारी संगठन भी पर्यावरण संरक्षण के अभियानों को अपनी आय का माध्यम मानकर ही कार्य करते हैं। इन संस्थाओं का कार्य कागजों पर सफलता दशार्ने वाला होता है, लेकिन धरातल पर उसकी परिणति वैसी नहीं होती जैसी दिखाई जाती है। पर्यावरण का अभियान केवल फोटो खिचाने तक ही सीमित होता जा रहा है।

आज पर्यावरण के कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुएं, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा, तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा?

देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधरोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधरोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा।

वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़-पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाशकारी होगा, कल्पना कर सकते हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है।

रामगढ़ में भाजपा और आजसू ने मनाया जीत का जश्न

मनीष जायसवाल की जीत पर सुभाष चौक पर फोड़े पटाखे

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़ । हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल की जीत सुनिश्चित होने के बाद रामगढ़ शहर में भी भाजपा नेताओं ने जीत का जश्न मनाया। शहर के सुभाष चौक पर पार्टी कार्यकर्ता और नेता एकत्रित हुए। उन लोगों ने आतिशबाजी की और मिठाई खिलाकर एक दूसरे को जीत की बधाई दी।

इस दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता में लाने के लिए वोट डाला था। राष्ट्र निर्माण के लिए जनता ने जो जनमत दिया है वह सर्वमान्य है। आज पूरे देश में एनडीए गठबंधन को 295 सीटों पर बढ़त मिली है। भाजपा एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसमें हजारीबाग और रामगढ़ की जनता का भी अहम योगदान है। देश के विकास, राष्ट्रवाद और सम्मान के नाम पर जनता ने वोट डाला था। जीत की असली हकदार भी जनता ही है।

आजसू नेताओं ने सीपी चौधरी की जीत का मनाया जश्न : रामगढ़ शहर में आजस नेताओं ने गठबंधन और चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत का जश्न एक साथ मनाया। पार्टी कार्यालय के बाहर आजसू नेताओं का जमघट लगा है। यहां एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी, फिर आतिशबाजी कर जश्न में शामिल हुए। मौके पर नगर सचिव नीरज मंडल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा में गठबंधन के प्रत्याशी मनीष जायसवाल भारी बहुमत से जीते हैं। गिरीडीह की देव तुल्य जनता ने भी अपना वादा पूरा किया है। चंद्रप्रकाश चौधरी को दूसरी बार लोकसभा से जीता कर सदन में भेजने का काम किया है। नरेंद्र मोदी को पुनः तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार को अपने आशीर्वाद देकर दिल्ली भेजने का कार्य किया है । मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप वर्मा, सुरेंद्र दांगी, अजय पांडेय, सतीष कुशवाहा, संकर पासवान, अमर कुमार, संतोष कुशवाहा, सहित कई लोग मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

परिणाम जानने के लिए दिनभर टीवी और मोबाइल से चिपके लोग

रामगढ़। लोकसभा चुनाव का परिणाम जानने के लिए मंगलवार को लोग दिनभर टीवी और मोबाइल से चिपके रहे । साथ ही लोग चुनाव परिणाम को वाटसअप के माध्यम से एक दूसरे को साझा करते देखे गए। इधर लोगों के चुनाव परिणाम जानने के लिए टीवी और मोबाइल से चिपके रहने के कारण जिले के सड़कों पर दिनभर सन्नाटा सपरा रहा। साथ ही बाजारों में चहल पहल कम दिखी। वहीं, मतगणना के दौरान जिस दल प्रत्याशी आगे बढ़ते गये और जीत दर्ज किया उनके समर्थकों ने आतिशबाजी कर और मिठाई बांटकर खुशियां मनायी।

वैश्य समाज के अध्यक्ष नंदू गुप्ता ने जायसवाल व ढुल्लू को दी बधाई

रामगढ़। झारखंड वैश्य समाज के केंद्रीय अध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता उर्फ नंदू बाबू ने हजारीबाग लोकसभा से जीत दर्ज करने पर भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल, धनबाद से जीत दर्ज करने पर भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो एवं वाराणसी से जीत दर्ज करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। कहा कि इनका विजय होना समाज के लिए गर्व की बात है।

जीत -हार को लेकर लगाये गये शर्त

कुजू। कुजू कोयलांचल के क्षेत्रों में मंगलवार की सुबह से लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर लोगों उत्सुकता देखा गया। हर कोई मोबाइल व टीवी के पास चिपके रहे। वही चाय के दुकानो में भी लोग चाय की चुस्की के जीत हार पर चर्चा करते नजर आए। हालांकि देश मे जिस तरह से एनडीए के प्रदर्शन रहा, उसके कारण बीजेपी कार्यकताओं में निराशा देखा गया। 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 2024 में हुए चुनाव में बीजेपी के उनके मन के मुताबिक सीट प्राप्त नही हुए। जिसके कारण चौक चौराहा में आतिशबाजी भी नहीं हुई। लोग दिन भर टीवी व मोबाइल पर परिणाम जानने के लिए बेताब रहे। इधर भाजपा कार्यकताओं के कहना था कि देश व हजारीबाग में कमल एक बार फिर से खिलेगा। वही इंडिया गठबंधन वाले का कहना था कि देश में जिस तरह से इंडिया गठबंधन का परिणाम आ रहा है इससे साफ है कि 10 साल बाद एक फिर से हमारी सरकार बनेगी। इसी बात को लेकर कई लोग आपस मे शर्त भी लगाते दिखे।

दरहा में हाथी ने मचाया उत्पात

इचाक। सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि झुंड से बिछड़े एक हाथी ने दरहा गांव के पतरवा जंगल स्थित रविदास मोहल्ला में जमकर उत्पात मचाया। हाथी के मोहल्ले में घुसते ही छतों पर सो रहे लोग जाग गए और हो हल्ला शुरू कर दिया। किंतु हाथी लोगों के शोर शराबे के बीच सुनील यादव के घर की खिड़की को उखाड़ दिया और अनाज खोजने लगा। अनाज नहीं मिलने पर मुकेश ठाकुर के मचान के पास रखा चोकर, कुट्टी, पुली आदि को चट कर गया। ुकेश के खेत में घुसकर भिंडी, बोड़ी, मकई और केला के फसल को खा गया। बाबू गोप, सरिता देवी, गानों मेहता, पुरन गिरी, कन्हाई गिरी ने बताया कि झुंड से बिछड़ा एक हाथी लुंदरू गांव की ओर से रात करीब एक बजे मोहल्ले में आ घुसा। जिसके बाद घर के लोग छत पर चले गए। वन विभाग को हाथी के आने की सूचना दी। सूचना के आधे घंटे बाद वनकर्मियों का दल पटरवा जंगल रविदास टोला पहुंचकर हाथी को भागने का काम किया। करीब एक घंटे तक उत्पात मचाने के बाद हाथी जमुनियां आहार के रास्ते मूर्तियां जंगल की ओर निकल गया।

2,76,686 मतों से जीते जायसवाल

कहा- सबसे पहले लोससभा क्षेत्र के दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल दूंगा

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। बुलंद इरादे के साथ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने मुश्किलों, बाधाओं और विरोधियों के बिछाये शूल के बीच प्रचंड मतों से कमल फूल खिला दिया। इस जीत के साथ ही भाजपा का दबदबा भी लगातार इस बेहद हॉट सीट पर बना रहा। डीसी नैंसी सहाय से सर्टिफिकेट लेकर बाहर निकले मनीष जायसवाल ने कहा कि अथक मेहनत, जनता के बीच लगातार संपर्क और आदर्श व्यवहार के साथ सकारात्मक राजनीति के जरिए इस उपलब्धि को हासिल किया। मनीष जायसवाल को कुल 6,54,613 मत प्राप्त हुए। उन्होंने अपने विरोधी जयप्रकाश भाई पटेल को कुल 2,76,686 मतों से पराजित कर सांसद चुने गए हैं। उनके लिए हजारीबाग लोकसभा का चुनाव की राह आसान नहीं थी। विरोधियों की एकजुटता और चट्टानी एकता के साथ उनकी कूटनीति और अगड़ी- पिछड़ी के साथ जातिवाद करने के सारे षड्यंत्र मनीष जायसवाल का जनता के प्रति सौम्य व्यवहार, शिष्टाचार, पिछले करीब साढ़े नौ साल तक बतौर हजारीबाग सदर विधायक क्षेत्र में उनकी कार्यकुशलता और विकास के प्रति दूरदर्शी सोच के आगे पूरी तरह धराशाही हो गया। उन्होंने अपने चुनावी दौरे के दौरान न 44 डिग्री सेल्सियस तापमान देखा, न आंधी-तूफान और न बारिश की ही कोई परवाह की। लगातार आम जनमानस के बीच उनके पांव बढ़ते रहे और लोकसभा क्षेत्र के बिहार राज्य के गया जिले से सटे चौपारण के चोरदाहा बॉर्डर से लेकर पश्चिम बंगाल राज्य के पुरुलिया जिले से सटे गोला प्रखंड के बरलंगा तक और चतरा जिले के बचरा से लेकर कोडरमा जिले के चंदवारा तक, शहरी क्षेत्र से लेकर अति सुदूरवर्ती गांवों और कस्बों तक का तूफानी भ्रमण किया था । जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए हमारा जो पहला काम होगा यहां के 500 से अधिक दिव्यांग लोगों को ट्राइसाइकिल देना है। इसके बाद यहां के विस्थापितों के लिए काम करेंगे। तिलैया डैम 1950 से कोनार डैम का 1960 से पतरातू डैम के विस्थापित लंबे समय से परेशानी झेल रहे हैं। सभी को न्याय दिलाने के लिए काम करेंगे। इन क्षेत्रों के विस्थापितों को 50 -60 सालों में सही तौर पर न्याय नहीं मिला है। उनके प्रति विशेष ध्यान रखूंगा। खनन क्षेत्र में पेयजल की समस्या काफी गंभीर है इसको देखने की जरूरत है। इसके अलावा जो काम पूर्व में बाकी रहा। उसपर ध्यान देंगे।

भुरकुंडा में भाजपा की जीत पर जश्न

▸▸ भदानीनगर और बासल में कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। हजारीबाग लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मनीष जयसवाल के भारी मतों से जीत होने पर भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल आसपास ग्रामीण क्षेत्रों के भाजपायों में हर्ष का माहौल है। भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल की जीत सुनिश्चित होने पर मंगलवार की देर शाम भाजपाइयों ने भुरकुंडा में पटाखा फोड़कर जश्न मनाया। साथ ही एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर जीत की बधाई देते इस जीत को जनता का जीत बताया। भाजपाइयों ने जनता का अभिवादन करते हुए कहा कि जिस उम्मीद और विश्वास के साथ जनता ने हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र से मनीष जायसवाल को जीत दिलाया है, आने वाले समय विकास की गंगा बहेगी। साथ ही सबका साथ सबका विकास के तहत भाजपा काम करेगी। मनीष जायसवाल के जीत पर खुशी का इजहार करने वालों में भाजपा के भुरकुण्डा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, उपाध्यक्ष अमरेश सिंह, योगेश दांगी, राजन कुमार, अनुपम पाठक, प्रकाश नायक, जुगल नायक, अंजू देवी, संजीव कुमार बाबला उर्फ बबल सिंह, राकेश चौधरी, रौशन गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, गोरा साव, विश्वनाय यादव, अजय गोयल, मनोज साव सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हैं।

पंजाब रेजिमेंट सेंटर में 624 अग्निवीरों ने ली देश सेवा की शपथ

कश्मीर घाटी और सियाचिन में तैनात होंगे जवान

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़ । रामगढ़ के पंजाब रेजिमेंट सेंटर में मंगलवार को 624 अग्निवीरों ने देश सेवा की शपथ ली। पीआरसी के किलाहारि ग्राउंड में मंगलवार को इस मौके पर पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान 624 अग्निवीर शामिल हुए। 31 सप्ताह के कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के उपरांत अग्निवीर तैयार हुए हैं। परेड में पंजाब रेजिमेंट सेंटर के कमांडेंट सह ब्रिगेडियर संजय चंद्र कंडपाल ने परेड की सलामी ली।

साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अव्वल प्रदर्शन करने वाले 4 अग्निवीरों को सम्मानित किया गया। इस दौरान ब्रिगेडियर संजय चंद्र कंडपाल ने बताया कि पंजाब रेजीमेंटल सेंटर का वीरता से भरा हुआ गौरवशाली इतिहास रहा है। देश सेवा में रेजिमेन्ट के बहादुर जवानों ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया है। कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के बाद देश की आन, बान और शान की रक्षा करने के लिए अग्नि वीरों ने अंतिम पग रखा और भारतीय सेना के अभिन्न अंग बन गए। वे सभी भारत की रक्षा में अपनी जान भी न्यौछावर करने के लिए तैयार हैं।

रक्रूट्स विभिन्न यूनिटों में तैनात किये जायेंगे : पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट सह ब्रिगेडियर संजय चंद्र कंडपाल ने अग्नि वीरों को जानदार जोशीली परेड के लिए सभी को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में भी शानदार और जानदार जोशीली ड्रिलिंग ने यह साबित किया है कि अग्नि वीर सच में आग के गोले बनाकर तैयार हुए हैं और दुश्मन पर बरसने को तैयार हैं।

ब्रिगेडियर ने कहा कि आजादी के बाद पंजाब रेजीमेंट का बेमिसाल 77 साल का शानदार आयाम रहा है। 11 युद्ध सम्मान हासिल किए हैं। महावीर चक्र, कीर्ति चक्र सहित दर्जनों शौर्य चक्र, वीर चक्र सहित कई सम्मानों से सुशोभित हैं और कई ओहदे अपने नाम पर लिखे है। अंतिम पग का सफर तय करने के बाद अग्निवीर कश्मीर की पहाड़ियों, सियाचिन की ऊंचाइयों, अंडमान के टापू में, अरुणाचल की पहाड़ियों से लेकर रण ऑफ कच्छ तक मोर्चा संभालेंगे ।

हमेशा हमने जो आपको एक बात सिखाई है वह याद रखना है। सबसे बड़ा धर्म हमारे राष्ट्र का धर्म है। पिछले 31 हफ्तों का सफर काफी कठिन था, खासकर एक आम शहरी से एक सिपाही बनने का सफर। 31 सप्ताह की कड़ी मेहनत ने आपको एक हीरे की तरह तरास दिया है। हमेशा एक बात याद रखना है नाम, नमक और निशान। यह तीन शब्द केवल फौजी की जिंदगी में ही नही पर्सनल जिंदगी में भी अहमियत रखते हैं।

एक नजर में

बादम में इसलाह ए मुआसेरा का आयोजन

बड़कागांव। प्रखंड के बादम में इसलाह ए मुआसेरा कांफ्रेंस के नाम से कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में देश के अलग अलग शहरों से आलिमों का आगमन हुआ। बादम जामा मस्जिद के इमाम रहमत उल्लाह ग्यावी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता और मौलाना कफील अंबर ने संचालन किया। कार्यक्रम को मध्यप्रदेश के जबलपुर से आए मौलाना डॉक्टर रुहुल अमीन और जामताड़ा से आए मौलाना सिद्दीक हुसैन ने संबोधित किया। मौलाना डॉक्टर रुहुल अमीन ने नमाज के वैज्ञानिक फायदे के बारे में बताया। मौलाना सिद्दीक हुसैन झारखंडी ने लोगों को संबोधित करते हुए दहेज, तिलक, शराब जैसे सामाजिक बुराइयों से बचने की बात कही। उन्होंने कहा कि लड़के के बाप की जिम्मेवारी है कि अपने बेटों को बेचना बंद करे। बिना दहेज तिलक के अपने बेटों की शादी करे ताकि लड़की के बाप और परिवार पर बोझ कम हो। शराब को समाज के लिए सब से बड़ा दुश्मन बताते हुए शराब के सेवन से लोगों को दूर रहने के लिए प्रेरित किया। मुस्लिम समाज के लोगों से बच्चों के शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे तीन साल में कुरान ए पाक याद कर सकते हैं उन बच्चों के प्रति विशेष ध्यान दिया जाए तो डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बन सकते हैं। देर रात तक हजारों की संख्या में महिला पुरुष जलसे का आनंद लेते रहे। अंत में मुल्क के अमन, चैन और तरक्की के लिए दुआ की गई।

भंडारा के साथ वार्षिक यज्ञ संपन्न

रामगढ़। रेलीगढ़ा कोलियरी परियोजना स्थित काली मंदिर में मां काली की पांच दिवसीय वार्षिक यज्ञ का मंगलवार को हवन और भंडारा के साथ समापन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि रेलीगढ़ा पीओ एएन सिंह ने यज्ञ के प्रसाद का वितरण करके भंडारा की शुरूआत किया। इसके बाद पीओ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यज्ञ की महता पर प्रकाश डाला। बतौर विशिष्ट अतिथि रेलीगढ़ा कोलियरी मैनेजर कैलाश कुमार, रेलीगढ़ा पश्चिमी पंचायत के मुखिया गुंजन साव ने भी प्रसाद वितरण कार्य में योगदान किया। इसके पहले पंडित आरके मिश्रा, योगेंद्र मिश्रा, सुकेश दुबे ने मंत्रोच्चार कर हवन आदि का कार्य कराए। इस अवसर पर दीपा देवी, राजामराम सिंह, दिव्यंती देवी, संजय कुमार प्रेमचंद शर्मा, विकास सिंह, दिव्यानंद मिश्रा, कमल सिंह घटवार, अवधेश उपाध्याय, सुनील सिंह, एसके द्विवेदी, पिंटू साव, बबलू पांडेय, संजीव सिंह, ललन कुमार, सुभाष यादव, विनोद प्रसाद, दिलीप सिंह, अजय कुमार, जसपाल सिंह, कॉलोनी के लोग शामिल थे।

पुलिस ने हत्या के फरार आरोपी को दबोचा

गोला। बरलंगा थाना पुलिस ने पत्नी की हत्या कर पिछले तीन सप्ताह से फरार चल रहे आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत रामगढ़ जेल भेज दिया है। आरोपी उपेन महतो पिता रमेश महतो 32 वर्ष, उपरबरगा पंचायत के आसाड़ीबगान टोला का रहने वाला है। घरेलु विवाद में पिछले मई महिने में आरोपी ने अपनी पत्नी कविता देवी को आग से जलाकर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद गोला थाना क्षेत्र के कुम्हरदगा निवासी मृतक महिला के पिता गंगा राम महतो ने उपेन महतो के खिलाफ अपनी पुत्री की हत्या करने का आरोप लगाते हुए बरलंगा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक रामगढ़, डॉ बिमल कुमार ने थाना प्रभारी अनंत कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आरोपी को शिघ्र गिरफ्तार करने का आदेश दिया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गिरफ्तारी के डर से आरोपी कुम्हरदगा गांव में छिपा हुआ है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी उपेन महतो को दबोचने में सफलता पाई। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। इसके बाद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

वन विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

रामगढ़। गोला वन क्षेत्र में वन विभाग की ओर से पर्यावरण सुरक्षा के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। लोगों को जागरुक करने के लिए वन विभाग विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह उत्सव मना रहा है। इस कार्यक्रम के तहत चोकाद पंचायत के उपरखाखरा गांव व ग्राम पंचायत उपरबरगा में सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन कर पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति लोगों को जागरुक किया गया। इस दौरान ग्रामीणों के सहयोग से जल संरक्षण, मृदा अपरदन, पर्यावरण व बारी डैम बनाकर जागरुक किया गया। इस मौके पर रेंजर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण के चलते ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्यावरणीय संसाधनों का ह्रास हुआ है। इससे पृथ्वी पर तेजी से प्रदूषण बढ़ा है। पर्यावरण को हुए नुकसान को पूरा करने के लिए हम सबको सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि समस्या के निराकरण के लिए आमजनों को जागरूक कर उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना होगा। आम लोगों के सोंच में बदलाव लाकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता। प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखने की समझ के बिना पर्यावरणीय संरक्षण संभव नहीं है। रेंजर ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए आज विभिन्न माध्यमों से जनजागरूकता अभियान की आवश्यकता है। इस उपस्थित महिला पुरुषों को पर्यावरण संरक्षण की रक्षा की शपथ दिलाई गई। मौके पर फोरेस्टर शिवशंकर कुमार, अनिल कुमार, मनीष कुमार शर्मा, योगेंद्र कुमार, अजय कुमार दीपक, कुमार दास, उपमुखिया अविनाश कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

चुनाव में जनादेश का मनोज सहाय पिंकू ने किया स्वागत

कोडरमा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज सहाय पिंकू ने लोकसभा चुनाव में जनादेश का स्वागत किया है। वहीं उन्होंने कहा है कि भाजपा ने विभिन्न सरकारी मशीनरियों का उपयोग कर कांग्रेस पार्टी सहित विपक्षों दलों को चाहे खाता फ्रीज कर या ईडी सीबीआई के द्वारा जेल भेज कर परेशान करने का प्रयास किया। परंतु इंडिया महागठबंधन ने संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजदूर किसानों गरीबों एवं सम्मानित जनता के सहयोग से सम्मानजनक सफलता प्राप्त किया। जिसके लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, दीपांकर भट्टाचार्य सहित इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं।

प्रतापपुर में भू-माफियाओं का अतिक्रमण

चतरा। प्रतापपुर में भू-माफियाओं का बोलबाला है और वे बिजली विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। मंगलवार को भू-माफियाओं ने जेसीबी मशीन से पेड़-पौधे काट दिए और दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने जेई को सूचना दी और कई ग्रामीणों ने भी इस अतिक्रमण का विरोध किया। भू-माफियाओं ने बिजली विभाग के फर्जी कागजात बनाए हैं और लोग उपायुक्त से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जदयू नेताओं ने प्रधानमंत्री को दी बधाई

रांची। लोकसभा चुनाव परिणाम में एनडीए को बहुमत मिलने पर प्रदेश जदयू के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी है। बधाई देने वाले नेताओं में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आफताब जमिल, महासचिव श्रवण कुमार, भगवान सिंह, उपेन्द्र सिंह, संजय सिंह, मनोज सिन्हा, प्रवक्ता सागर कुमार एवं कोषाध्यक्ष रामजी प्रसाद शामिल है। मौके पर महासचिव श्रवण कुमार ने कहा कि एनडीए को जनता ने बहुमत दिया है, फिर एक बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम गढ़ेगा।

डालटनगंज पुलिस लाइन में गिरा पेड़, चार जवान जखमी

पलामू। डालटनगंज पुलिस लाइन के मुख्य गेट पर मंगलवार की सुबह अंदर से सूख कर कमजोर हो चुका भारी-भरकम पेड़ उखड़ कर गिर गया, जिससे जिला बल के तीन एवं होमगार्ड के एक जवान जख्मी हो गये। एक बुलेट मोटरसाइकिल और एक कार को भी नुकसान हुआ है। जिला पुलिसबल के दो जवानों को रांची रिम्स रेफर किया गया है। जख्मी जवानों में जिला पुलिस बल के आरक्षी नित्यानंद महतो एवं जयदेव सिंह व हवलदार इमामुद्दीन, होमगार्ड के जवान नागेन्द्र मिश्रा हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब सात बजे जिला बल और होमगार्ड के जवान पुलिस लाइन के मुख्य गेट पर खड़े थे।

छह वर्षीय नाबालिक बच्ची से जबरन दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी को 22 वर्ष की कठोर कारावास

20 हजार रूपये जुर्माना, जुर्माना की राशि नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्तभुगतनी होगी सजा

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर की आदालत ने सुनाई सजा

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। तिलैया थाना कांड संख्या 40/2022 स्पेशल पोक्सो 5/2022 की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह स्पेशल पोक्सो अदालत के न्यायाधीश गुलाम हैदर की अदालत ने 24 वर्षीय विकास कुमार पिता कट्टू सिंह अंबेडकर नगर तिलैया निवासी को कक्षा एक में पढ़ने वाली 6 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म करने के प्रयास मामले में दोषी पाया और सजा सुनाई। न्यायालय ने अंडर 6 पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 22 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 20 हजार रूपये जुर्माना भी लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं न्यायालय ने

363 भाद्रवी के तहत दोषी पाते हुए 7 वर्ष कारावास की सजा सुनाई, साथ ही पांच हजार रूपये जुर्माना भी लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर पांच माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। 354 भाद्रवी के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई और 3 हजार जुर्माना लगाया।

जुर्माना की राशि नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्तसजा भुगतनी होगी। 354ए (2) के तहत 2 वर्ष सजा सुनाई गई तथा 2000 जुर्माना लगाया गया, जुर्माना की राशि नहीं देने पर दो मांह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं 354बी के तहत दोषी पाते हुए 5 वर्ष सजा सुनाई गई तथा पांच हजार रूपये जुर्माना भी लगाया गया, जुर्माना की राशि नहीं देने पर 5 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सभी सजाऐं साथ-साथ चलेगी। बताते चलें कि नाबालिक बच्ची की मां के लिखित आवेदन पर तिलैया थाना में मामला दर्ज किया गया था। वहीं अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक एंजेलिना वारला एवं ज्योति कुमारी वर्मा ने किया। इस दौरान सभी गवाहों का परीक्षण कराया गया। लोक अभियोजक ने कार्रवाई के दौरान न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता सूरज बिहारी ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्षयों का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त को दोषी पाते हुए सजा मुकर्रर की और जुर्माना भी लगाया गया।

सेवा, समर्पण व गरीब कल्याण की नीतियों की जीत है : अन्नपूर्णा

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह सांसद अन्नपूर्णा देवी अपनी जीत के लिए कोडरमा संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं, भाजपा और आजसू के सभी कार्यकर्ताओं और भाजपा संगठन से जुड़े सभी नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि कोडरमा में सेवा, समर्पण और गरीब कल्याण की जीत हुई है, नारी सम्मान की जीत हुई है, कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के जन जन और कण कण से उनके आत्मीय तथा भावनात्मक रिश्ते की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को

समर्पित है, गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त भारत को समर्पित है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सेवा-समर्पण-संगठन के सूत्र को समर्पित है। वहीं विजयी होने के बाद मीडिया से मुखातिब अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मैं हमेशा कहती हूं कि मैं बहू बनकर कोडरमा आई और यहां के एक एक आंगन ने मुझे बेटी की तरह अपनाया। राजनीति के क्षेत्र में ऐसा स्नेह, इतनी आत्मीयता किस्मत वालों को नसीब होता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं और यह आत्मीयता ही मुझे अनवरत सेवा की प्रेरणा देती है। मेरे परिवारजनों ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए मुझे सेवा का मौका दिया है, मैं आजीवन अनवरत और अथक सेवा के माध्यम से अपने परिवारजनों के स्नेह का ऋण सूद सहित चुकाने की कोशिश करूंगी। चुनाव परिणाम से स्पष्ट है कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, मोदी सरकार के 10 साल के जनहितकारी कार्यों और भाजपा की नीतियों को पसंद करती है। देश में एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सशक्त सरकार बनेगी और मुझे खुशी है कि इसमें कोडरमा संसदीय क्षेत्र की महान जनता का योगदान भी शामिल होगा। मौके पर जिला अयक्ष अनुप जोशी, जिला महामंत्री राजकुमार यादव, नितेश चंद्रवंशी, रामचंद्र सिंह, चंद्रशेखर जोशी, मनोज कुमार झुन्नु, राजेश सिंह, प्रणव बर्मा, भैया अभिमन्यु प्रसाद, विजय यादव विजय, जय शंकर प्रसाद, मुकेश राम, सुरेंद्र यादव, ईश्वर मोदी, बासुदेव यादव, सुनील सिन्हा, प्रभाकर लाल रावत, राजू यादव, बाल मुकुन्द सिंह, पियूष सहल, अंकित गुप्ता, पिंटू यादव, किशोर पंडित, हरि पंडित समेत अन्य मौजूद थे।

चतरा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह की जीत

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। चतरा लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने दो लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है।उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी को करारी शिकस्त दी है।?कालीचरण सिंह ने 5,66,658 मत प्राप्त किए, जबकि केएन त्रिपाठी को 3,41,164 मत मिले। कालीचरण सिंह ने अपनी जीत को चतरा लोकसभा क्षेत्र की जनता की जीत बताया है और कहा है कि वह मतदाताओं के भरोसे को बखूबी निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं के बीच जीत का लड्डू भी वितरित किया है।

भाजपा की जीत पर छूट पटाखे

बंटी मिठाइयां : सिमरिया। भाजपा की जीत पर प्रखंड मुख्यालय सिमरिया चौक पर जमकर पटाखे फूट और मिठाइयां बंटी। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। कार्यकताओं ने ढोल बाजे के साथ विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस भाजपा के झंडे और बैनर से सजा हुआ था जुलूस में कार्यकर्ता जमकर झूमे। जुलूस प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया और हनुमान मंदिर में मत्था टेका। प्रखंड अध्यक्ष दया निधि सिंह ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी की जीत ऐतिहासिक जीत है। भाजपा ने चतरा लोक सभा से हैट्रिक लगाई है। इस जीत से कार्यकर्ता गदगद हैं और खुशी से झूम रहे हैं। यह खुशी और बढ़ गई है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभाल रहे हैं। मौके पर उप प्रमुख दामोदर गोप,लखन प्रसाद साहू,ललन सिंह,सुधीर कुमार सिंह, लालमन साहू,सेवा साव, अंकित सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

अन्नपूर्णा लगातार दूसरी बार कोडरमा से की जीत दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। संसदीय सीट से एनडीए की भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी लगातार दूसरी बार सांसद चुनी गयीं। उन्होंने महागठबंधन के माले प्रत्याशी विनोद सिंह को बड़े अंतर से हरा दिया है। अन्नपूर्णा देवी वर्ष 2019 में भाजपा में शामिल हुई थीं। उस समय कोडरमा से तत्कालीन सांसद रवींद्र राय का टिकट काटकर भाजपा ने अन्नपूर्णा देवी पर भरोसा जताया था और उन्हें यहां से उम्मीदवार बनाया था। कोडरमा से चार बार विधायक रह चुकीं अन्नपूर्णा देवी के पति स्व0 रमेश प्रसाद यादव बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। पति के असामयिक निधन के बाद अन्नपूर्णा देवी ने राजनीति में कदम रखा। वर्ष 1998 के विधानसभा उपचुनाव और 2000, 2005 और 2009 के विधानसभा चुनाव में अन्नपूर्णा देवी ने बतौर राजद प्रत्याशी लगातार जीत हासिल की। झारखंड में साल 2013 में बनी हेमंत सोरेन की सरकार में अन्नपूर्णा देवी को मंत्री बनाया गया था।

साल 2014 में उन्हें कोडरमा विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। अन्नपूर्णा देवी को तब भाजपा की डॉ. नीरा यादव ने हराया था।

वर्ष 2019 में कोडरमा लोकसभा सीट पर बतौर भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने झाविमो प्रत्याशी बाबूलाल मरांडी को 4 लाख 55 हजार 600 मतों के अंतर से पराजित किया था। हालांकि इस बार जीत का अंतर घट गया, मगर जैसा आकलन किया जा रहा था, उससे कहीं अधिक अंतर से अन्नपूर्णा देवी ने जीत हासिल की है। भाजपा को यहां कुल 56 फीसदी वोट हासिल हुए जबकि भाकपा माले को 32 फीसदी वोट प्राप्त हुआ है।

भाजपाईयो ने भाजपा प्रत्यासी कालीचरण सिंह की जीत की खुशी मे किया अतिशबाजी

चतरा। चतरा लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार श्री कालीचरण सिंह ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार श्री के.एन. त्रिपाठी को 2,25,494 मतों से पराजित किया। कालीचरण सिंह को 5,66,658 मत प्राप्त हुए, जबकि श्री त्रिपाठी को 3,41,164 मत प्राप्त हुए। भाजपा कार्यकताओं, युवाओं और समर्थकों ने प्रखंड मुख्यालय स्थित मुख्य चौक पर जमकर आतिशबाजी की और जीत का जश्न मनाया। प्रतापपुर के लोगों सहित भाजपाइयों और समर्थकों ने श्री कालीचरण सिंह को जीत की बधाई दी। बधाई देने वालों में मंडल अध्यक्ष बिनोद कुमार, गणेश प्रसाद, भाजपा नेता कपिल पासवान, सतेन्द्र पासवान, गोमे के भाजपा नेता रंजीत पासवान, अजीत कुमार पांडेय, झूरी पासवान, शुभन उर्फ गोली, आकाश कुमार, रबिन्द्र कुमार राबो, हजारी प्रसाद, कलेन्द्र कुमार, उमेश ठाकुर, मिथलेश ठाकुर, प्रमोद साव, बरूरा मुखिया मनीष कुमार सिंह, प्रमोद भाई जी, घोरीघाट मंडल अध्यक्ष बिनोद पाठक, रंजन पासवान, प्रेम कुमार, मोन्या मुखिया अमरेश कुमार, डुमरवार मुखिया प्रतिनीधी रामजी पासवान, टंडवा मुखिया किशोर यादव, गजवा मुखिया पुनम कुमारी पति अशोक यादव, डुमरवार पस प्रतिनीधी इस्तियाक खान, योगियारा संतोष सिंह, संजय सिंह, बसंत पासवान, आशिष कुमार, उज्जवल सिंह, मैराग जानकी यादव, विजय यादव, राजु यादव, प्रवीण गुप्ता, सिजुवा सुनिल प्रजापति, दिवाकर वर्मा, अशोक वर्मा, जितेन्द्र दास, महुंगाई पप्पु यादव शामिल हैं। प्रतापपुर के पत्रकारों ने भी श्री कालीचरण सिंह को बधाई दी, जिनमें अजीत कुमार पांडेय, सत्येन्द्र प्रसाद और बिहारी कुमार शामिल हैं।

400 पार का ख्वाब रखने वालों का टूटा अहंकार

कोडरमा में मिली हार की होगी समीक्षा : रामधन

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। देश की जनता ने भाजपा की अहंकारी 400 का नारा को खारिज कर दिया। जनता ने अहंकार का सपना पाले भाजपा को अकेले बहुमत की आंकड़ो के इर्द गिर्द भी नही आने दिया। देश की जनता के प्रति इंडिया गठबंधन ने आभार जताया है। वहीं कोडरमा में मिली शिकस्त पर हार के कारणों को ईमानदारी से समीक्षा करने की बात कही है। इंडिया गठबंधन के संयोजक सह राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि कोडरमा में कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की, मगर मेहनत के अनुरूप नतीजा

नही आया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ढिबरा, पत्थर, क्रशर का मुद्दा जोर शोर से उठाया गया। जनता को इन मुद्दों को समझाने में इंडिया गठबंधन कामयाब नही हो पाई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का तकाजा है, जनता का निर्णय ही सर्वोपरि होती है। जनता ने भाकपा-माले की जगह भाजपा को संसद भेजने का निर्णय ली है। वहीं श्री यादव ने कहा कि जनता ने कोडरमा में भाजपा को जीत दिलाई है, इसके लिए भाजपा प्रत्याशी को बधाई। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबन्धन ने जिन मुद्दों को लेकर चुनाव में संघर्ष किया, उन मुद्दों पर सड़को पर बनी रहेगी। जनता के रोजमर्रे और नीतिनिर्धारण के सवाल पर इंडिया गठबन्धन हमेशा जनता के साथ खड़ी रहेगी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बांटी मिठाई

खबर मन्त्र संवाददाता

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। कोडरमा लोकसभा से भाजपा की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी की जीत के बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरशद खान के नेतृत्व में शहर के सुभाष चौक के समीप लोगों के बीच मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर जीत की खुशी मनाई गई। वहीं जिलाध्यक्ष अरशद खान ने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र की जनता ने विकास को ध्यान में रखते हुए पुनः अन्नपूर्णा देवी को मौका दिया है। इसके लिए हम सभी जनता का आभार करते हैं। वहीं भाजपा नेता रमेश हर्षधर ने कहा कि कोडरमा में भाजपा की जीत से देश के विकास को गति मिलेगी। पुनः एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी देश विकास की राह पर चलते हुए विकास की नई गाथा लिखेगी। वहीं भाजपा नेता राजेंद्र सिंह ने कहा कि एक

बार फिर से अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में कोडरमा विकास का हब बनेगा। मौके पर रोहित जयसवाल, सुरेंद यादव, भारत बक्शी एल, सोनू चंद्रवंशी, शशि सिन्हा, विनोद भादानी, सुमन यादव, अख्तर असरफ, विवेक सिंह, छोटेलाल यादव, संजय यादव, विजय यादव, वसीम खान, संदीप यादव, राजू यादव, चंद्रभूषण पांडेय, बासदेव यादव, संतोष केसरी, राकेश कुमार, आशीष कुमार, राजेंद्र यादव समेत कई लोग उपस्थित थे।

जश्न और बम-पटाखे को देख बौखलाए कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। चतरा में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के निर्णायक बढ़त के बाद मतगणना केन्द्र के समीप भाजपा के कार्यकताओं और समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है। कार्यकर्ता बैंड-बाजे के साथ बम और पटाखा फोड़कर जीत का जश्न मनाने लगे हैं। भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह 12वें राउंड तक करीब एक लाख 25 हजार वोट से कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी से आगे चल रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओ के जश्न को देख बौखलाए कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने जश्न के आड़ में भाजपा के कार्यकताओं और कालीचरण सिंह के समर्थकों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर नाराज कांग्रेस प्रत्याशी ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात डीएसपी मुख्यालय रोहित कुमार रजवार व पुलिस के जवानो के साथ भी उलझ गये। जिसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने मामले की शिकायत चतरा निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप से भी है। शिकायत के बाद मतगणना केंद्र के बाहर लोगों को पुलिस ने खदेड़ कर भगा दिया। साथ ही बैंड बाजे वाले लोगों को भी यहां से हटा दिया। कांग्रेस प्रत्याशी ने मतगणना के केंद्र के बाहर जश्न मनाने पर आपत्ति दर्ज की। चतरा में 22 प्रत्याशी मैदान में हैं। अब तक भाजपा ने सभी पांच विधानसभा से डेढ़ लाख से अधिक

मत से बढ़त बना ली है। यहां पार्टी लगातार तीसरी बार जीत के कगार पर है। दो बार सांसद रहने वाले सुनिल सिंह का टिकट काटकर कालीचरण सिंह को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है।

चलती कार में लगी आग, धुं धुं जलने लगी, बाल बाल बचे सवार

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। थाना क्षेत्र अंतर्गत चाराडीह के समीप चलती कार में अचानक आग लग जाने से आस पास में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गया, हालांकि चालक के सूझबूझ के कारण कार में सवार लोग बाल बाल बच गए। घटना के सम्बंा में मिली जानकारी के मुताबिक कार कोडरमा से झुमरीतिलैया जा रही थी, जैसे ही चाराडीह पहुंची, अचानक उस कार में आग लग गयी, जिसके बाद कार चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कार को रोका और कार में सवार

लोग बच गए, जिसके बाद कार धुं धुं जलने लगा। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी सुजित कुमार दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि कार में आग कैसे लगी, इसका पता अभी नही चल पाया है, मामले की जांच की जा रही है।

जमशेदपुर सीट पर एनडीए तो सिंहभूम सीट पर इंडिया की जीत

बिद्युत ने लगायी ऐतिहासिक हैट्रिक, शुरू से लेकर अंतिम तक रहे आगे

जीत के बाद विजय जुलूस निकालते नवनिर्वाचित सांसद बिद्युतबरण महतो और जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल से जीत का प्रमाण पत्र लेते भाजपा प्रत्याशी बिद्युतबरण महतो।

विशेष संवाददाता/सत्येन्द्र कुमार

जमशेदपुर। कोल्हान की लड़ाकू धरती ने इस बार एनडीए और इंडिया दोनों को जनादेश दिया है। जमशेदपुर सीट पर मतदाताओं ने जहां एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी बिद्युतबरण महतो को बिजयी माला पहनायी है तो सिंहभूम सीट पर इंडिया गठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी श्रीमती जोबा मांझी को विजयी बनाया है। ध्यान देने वाली बात है कि इन दोनों सीटों पर विजय हासिल करने के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा भी करायी थी। जमशेदपुर सीट पर तो मोदी मैजिक चल गया किन्तु सिंहभूम सीट पर जादू नहीं चला। सिंहभूम सीट पर भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा और पड़ोस के खूंटी सीट पर कैबिनेट मिनिस्टर अर्जुन मुंडा को इंडिया गठबंधन के हाथों शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है।

खबर मन्त्र टीम

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विद्युत वरण महतो हैट्रिक बनाने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने इस बार भी उम्मीद के विपरीत भारी मतों से विजय हासिल की और जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के इतिहास में पहले ऐसे सांसद बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन बार विजयश्री हासिल की है। विद्युत वरण महतो की जीत के पीछे उनके परफॉर्मेंस के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के संगठन आत्मक व्यवस्था से अलग निजी व्यवस्था की अहम भूमिका रही है । विद्युत वरण महतो अन्य वर्षो की तरह इस बार भी विपक्षी उम्मीदवार के मतदाताओं और शुभचिंतकों को अपनी ओर मोड़ने में कामयाब हुए हैं। नतीजा सामने है। बिद्युतबरण महतो ने पहले राउंड के मतगणना में 3164 वोट से बढ़त हासिल की वह बढ़ाते लगातार बनी रही और उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी समीर कुमार महंती को अपने आसपास भी भटकने नहीं दिया।

जमशेदपुर लोकसभा सीट मतगणना अपडेट- राउंड-1 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 47734, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 16670, इस तरह पहले राउंड में बीजेपी प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 31064 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-2 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 92861 वोट, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 32111 वोट, इस तरह दूसरे राउंड में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम खटट प्रत्याशी समीर मोहंती से 60750 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-3: बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 133150 वोट, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 52662 वोट, इस तरह तीसरे राउंड में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 80488 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड- 4: बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 176237 वोट, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 66980 वोट, इस तरह भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 109257 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-5 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 215430 वोट, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 84188 वोट, इस तरह पांचवें राउंड में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 131242 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-6 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 251337 वोट, समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 104051 वोट, इस तरह छठे राउंड की मतगणना में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 147286 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-7 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 282724 वोट। समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 131015 वोट। इस तरह सातवें राउंड में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 151709 वोट से आगे रहे।

मतगणना अपडेट- राउंड-8 : बिद्युत बरण महतो- भारतीय जनता पार्टी- 314219 वोट। समीर कुमार मोहंती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा- 160547 वोट। इस तरह आठवें राउंड में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो अपने निकटतम झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती से 153672 वोट से आगे रहे।

स्पीड न्यूज

चाईबासा में झामुमो व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जम कर खेली होली

जमशेदपुर। सिंहभूम संसदीय सीट पर इंडिया गठबंधन समर्थित झामुम प्रत्याशी जोबा माझी की जीत की खुशी में आज चाईबासा में इंडिया गठबंधन के दलों ने जमकर होली और दिवाली मनाई। गठबंधन के कार्यकर्ता बैंड बजे की धुन पर दिन भर झूमते रहे क्योंकि उनके नेता लगातार मतगणना के दौरान अपनी बढ़त बनाई हुई थी। मंगलवार की सुबह सिंहभूम संसदीय क्षेत्र की मतगणना चाईबासा महिला कॉलेज में सुबह 8:00 से शुरू हुई। भारी सुरक्षा के बीच सुबह 6:00 बजे से गाना करनी और अभिकर्ता मतगणना स्थल पर पहुंचने लगे थे जबकि सुबह से ही भाजपा और इंडिया गठबंधन के समर्थकों की भीड़ मतगणना स्थल के बाहर जमी हुई थी। पहले राउंड से जोबा मांझी ने बढ़त बनाना शुरू किया जो चुनाव परिणाम आने तक जारी रहा । इंडिया गठबंधन से जैसे ही खबर आई कि उनकी प्रत्याशी जोबा मांझी एक लाख से अधिक मतों से आगे चल रही है गठबंधन के कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों की धून पर डांस करना शुरू कर दिया और अबीर गुलाल उड़ने लगे। मतगणना हॉल में जावा माझी शुरू से लेकर अंत तक देती रही गीता कोड़ा भी मतगणना स्थल पर रही, पर परिणाम आने से पहले वह निकाल कर चली गई क्योंकि परिणाम पक्ष में आता नहीं दिख रहा था।

आयरन लेडी जोबा मांझी ने भाजपा प्रत्याशी को दी 1.68 लाख मतों से करारी शिकस्त

सिंहभूम सीट पर झामुमो और इंडिया का कब्जा

खबर मन्त्र टीम

जीत के बाद विजय जुलूस में जोबा मांझी और चाईबासा में जीत की खुशी मनाते झामुमो समर्थक।

चाईबासा। मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से 5 बार विधायक और 6 बार कैबिनेट मंत्री का पद संभालने के बाद अब जोबा माझी सिंहभूम की दूसरी महिला सांसद भी बन गई है। उन्होंने अपनी निकट प्रत्याशी भाजपा की गीता कोड़ा को 1,68,402 मतों से हराया। जोबा को कुल 5,20,164 वोट मिले जबकि गीता कोड़ा को मात्र 3,51,762 वोट से ही संतोष करना पड़ा। इस सीट पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने जल,जंगल और जमीन को एजेंडा बना कर चुनाव प्रचार किया था। उनके साथ पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन ने भी खूब पसीना बहाया और इंडिया गठबंधन के प्रमुख चेहरा राहुल गांधी ने भी चुनावी सभा कर जोबा मांझी की जीत तय की।

जोबा मांझी राजनीति की शिखर तक पहुंचाने के लिए जो संघर्ष किया वह महिलाओं के लिए एक मिशाल है। वर्ष 1995 में अविभाजीत बिहार में जोबा माझी पहली बार मनोहरपुर विधानसभा से विधायक चुनी गई थी। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह बिहार की रावड़ी सरकार में मंत्री बनाई गई । झारखंड गठन के बाद बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, मधुकोड़ा, और शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन सरकार में भी उन्हें कैबिनेट मिनिस्टर रहीं।

झारखंड और कोल्हान की राजनीति में उनकी पहचान निर्विवाद और साधारण छवि के नेता के रूप में रही है जो बहुत ही साधारण ढंग से रहती और उनके घर का दरवाजा आम आदमी से लेकर खास आदमी बिना भेदभाव के लिए सभी के लिए एक समान खुला रहता है। जोबा मांझी की सादगी का पता इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके पति देवेंद्र मांझी जब विधायक थे तब भी वह चक्रधरपुर के इतवारी बाजार में सब्जी बेचा करती थीं। आज भी राजनीति के शिखर पर पहुंचने और तमाम व्यवस्था के बीच समय निकालकर जोबा माझी न केवल घरों का काम करती है बल्कि अपने खेतों में भी एक आम किसान की तरह खेती-बाड़ी करते देखी जाती है आम जीवन में सादगी और लोगों के साथ मुलाकात के दौरान सरलता से पेश आना ही उनकी असली पहचान बन चुकी है।

बड़े बेटे जगत ने संभाली थी चुनावी कमान

जोबा मांझी के राजनीतिक जीवन का यह सातवां चुनाव था लेकिन पहली बार लोकसभा चुनाव का सामना कर रही जोबा माझी के लिए उनके बड़े पुत्र जगत माझी ने बहुत अच्छी भूमिका का निर्वाह किया है।

कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल यह जीत : सुधांशु ओझा

तीसरी बार जीतने पर बिद्युतबरण महतो को बधाई देते सुधांशु ओझा।

खबर मन्त्र ब्यूरो

- सांसद बिद्युत महतो के विजयी हैट्रिक पर भाजपा जताया जनता का आभार जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने बिद्युत महतो को दी बधाई

जमशेदपुर। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने सांसद बिद्युत बरण महतो के लगातार तीसरी बार जमशेदपुर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करने एवं देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने पर बिद्युत महतो एवं पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बिद्युत महतो की जीत पीएम नरेंद्र मोदी के विकास एवं सुशासन की राजनीति की जीत का प्रतीक है। सुधांशु ओझा ने कहा कि जमशेदपुर की जीत भाजपा कार्यकताओं के अथक परिश्रम और जमशेदपुर की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल है। विगत 10 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में जमशेदपुर सहित देशभर के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। हमारे विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम आगे भी देश की सेवा में अखंड कार्यरत रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को पूर्ण करने की दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं और कटिबद्ध हैं। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प को लेकर भारत की देवतुल्य जनता पूरी तरह भाजपा-एनडीए के साथ है। सुधांशु ओझा ने कहा कि देश के सबसे कर्मठ सांसद में अपनी जगह बनाने वाले बिद्युत महतो की रिकॉर्ड मतों से लगातार तीसरी बार जीत जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता एवं कार्यकताओं के लिए ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा कि सांसद बिद्युत महतो जमशेदपुर लोकसभा अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्र में विकास के कार्य करने के साथ क्षेत्र की दर्जनों समस्या को देश के सबसे बड़े सदन में उठाकर उनका सफलतापूर्वक समाधान किया है। जमशेदपुर की जीत भाजपा के सभी वरिष्ठ, कनिष्ठ और लौहनगरी जमशेदपुर के देवतुल्य जनता के विश्वास और भरोसे की जीत है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को इतनी मिली खुशी की पूछिए मत... दिन भर नाचते रहे

भारतीय जनता पार्टी के चुनावी प्रबंधन का लोहा सभी मानते है। इसकी बदौलत उनके कार्यकताओं का उत्साह हमेशा चरम पर रहता है। इसकी बानगी सुबह से ही जमशेदपुर लोकसभा के को-ऑपरेटिव कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पर देखने को मिल रहा था। सुबह 9 बजे ही अपने गले में भगवा झंडा लटकाए भाजपा कार्यकर्ताओ की बड़ी संख्या दिख रही थी, शहर ही नही वरन ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नजर आते थे। प्रथम राउंड के मतगणना से ही भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो बढ़त लेने लगे।

नवल टाटा हॉकी अकादमी ने पहली हॉकी रांची लीग में चैंपियन का खिताब जीता

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पहली हॉकी रांची लीग पुरुष और महिला, 2024 की शुरूआत 20 अप्रैल को बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ हुई और 2 जून को मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में संपन्न हुई, जिसमें रोमांचक मैच, हॉकी की असाधारण निपुणता और खिलाड़ियों की समर्पण भावना देखने को मिली। झारखंड के रांची में आयोजित पहली हॉकी रांची लीग ने हॉकी के प्रति जज्बे को याद किया और जमीनी स्तर और पेशेवर दोनों स्तरों पर हॉकी के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया।

लीग में राज्य भर से कई प्रतिभाशाली पुरुष और महिला टीमों ने भाग लिया, जिनमें से प्रत्येक ने मैदान पर वर्चस्व के लिए होड़ लगाई। पुरुष लीग में हॉकी गुमला, एनटीएचए जमशेदपुर, सिनी खूंटी, जादू अखाड़ा खूंटी, रेलवे, बापू क्लब, झारखंड 11 आदि टीमें शामिल थीं। एनटीएचए का पहला मैच 21 अप्रैल को टीम जादू अखाड़ा खूंटी के खिलाफ खेला गया।

कोचों के मार्गदर्शन में, टीम एनटीएचए ने टीम जादू अखाड़ा को 11-0 के स्कोर-लाइन से पराजित कर दिया। टीम सिनी के खिलाफ दूसरे मुकाबले में, हमारी टीम ने 8-0 से जीत हासिल करते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की। भीषण गर्मी के मौसम की स्थिति का सामना करने के बावजूद, हमारे 14 खिलाड़ियों के दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नवीन केरकेट्टा, प्रदीप, तुषार परमार और मो जैद ने प्रभावशाली कौशल के साथ खेलते हुए क्रमशः 3, 2, 2 और 1 गोल किये।

जंगल बचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं एडीशनल पीसीसीएफ संजीव कुमार

पर्यावरण दिवस पर विशेष

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

एपीसीसीएफ संजीव कुमार।

घाटशिला। जल जंगल और जमीन को लेकर हमेशा हमेशा जद्दो जहद होती रही है। लेकिन धरातल पर स्थिति बिल्कुल ही उल्टा नजर आती है। जंगलों को बचाने और पौधारोपण के लिए ग्रामीण हमेशा प्रयासरत रहते हैं। लेकिन वनों की अवैध कटाई के लिए जंगल माफिया उनके मंसूबे पर पानी फेरने लगते है। ग्रामसभा आखिरकार उजड़ते जंगलों को देख ग्रामीणों में मायूसी हुई। ग्रामसभा के माध्यम से ग्रामीणों को एकजुट करने की कोशिश की गयी। जंगलों को बचाने के लिए आंदोलन छेड़ गया। इसका असर भी देखा गया। इसके लिए कुछ समाजसेवी, पदाधिकारी या जन प्रतिनिधि अपने अपने स्तर पर जंगल को बचाने के लिए विभिन्न तरह के कार्य करते नजर आते है। ऐसे ही लोगो में एक है संजीव कुमार। वर्तमान में संजीव कुमार अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक वन रांची में पदस्थापित है। पूर्व में वे धालभूम वन प्रमंडल पदाधिकारी के रूप में जमशेदपुर में भी रह चुके है। वे चाईबासा, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग में भी पदस्थापित थे। श्री कुमार जहां भी पदस्थापित रहे वन रक्षा समिति के सदस्यों में वनों के प्रति अपने बच्चों से बढ़कर अपनत्व की भावना जगाने में अहम भूमिका

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड)834006 से मुद्रित एवं लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर
स्थानीय संपादकः ज्ञानवर्द्धन मिश्र *
फोन : 9431124480
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No. (आवेदित)
* पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

आकाश इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर केंद्र के पांच छात्रों को 700+ अंक

खबर मन्त्र ब्यूरो

अंशु प्रिया, अमित कुमार सिन्हा, मानव डालमिया, अमित पाठक और जक्का शरत।

जमशेदपुर। आकाश इंस्टीट्यूट, भारत का प्रमुख मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा कोचिंग संस्थान, गर्व से घोषणा करता है कि नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 2024 में उसके जमशेदपुर केंद्र के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। 371 छात्रों की अद्वितीय सफलता ने एक बार फिर से आकाश इंस्टीट्यूट को मुख्य मेडिकल पेशेवरों की उच्चतम गुणवत्ता के प्रदाता के रूप में स्थापित किया है।

भारत की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में देशभर के कई छात्रों ने भाग लिया। इन अनेक में से आकाश इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर केंद्र के छात्रों ने अपने अद्भुत समर्पण और सतत परिश्रम का प्रदर्शन किया, जिससे उन्होंने शानदार परिणाम हासिल किये हैं। इनके मेहनती प्रयासों के साथ-साथ आकाश इंस्टीट्यूट द्वारा प्रदान की गयी दिग्दर्शिता और मार्गदर्शन ने उन्हें मेडिकल क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है।

मानव डालमिया (जो चार साल के नियमित चिकित्सा पाठ्यक्रम बैच में दाखिला लिया था) ने 706 अंक के साथ एआईआर 790 लाकर संसथान में प्रथमस्थान प्राप्त किया। वह पूरे सत्र में एक नियमित छात्र रहा हैं और अपने सभी वर्गों और परीक्षाओं को गंभीरता से लिया है। दुसरे स्थान पर अमित कुमार सिन्हा है, जो दो साल के मेडिकल कोर्स में दाखिला लिया था, ने 705 अंक के साथ एआईआर 854 लाकर संसथान में दूसरी स्थान पे रहा।

अंशु प्रिया जो चार साल के मेडिकल कोर्स नियमित छात्रा थी ने 705 अंक के साथ एआईआर 1370 लाकर संसथान में तीसरे स्थान पे रही। इन्होंने आकाश के शिक्षको और शिक्षण पद्धति की बहुत सराहना की है जो कि एक इंस्टिट्यूट के लिए गौरव की बात है। अन्य शीर्ष सफल छात्र छात्राओं में अमित पाठक 701अंक, जक्का शरत 700 अंक लाकर सफल रहे।

नारायणा के ऑल ओवर इंडिया से आठ छात्रों ने प्राप्त किये 720 में से 720 स्कोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। साकची स्थित देश की अग्रणी इंजिनियरिंग एवं मेडिकल कोचिंग संस्थान नारायणा आईआईटी/नीट एकेडमी, जमशेदपुर के छात्र-छात्राओं ने पुनः एक बार नीट (यूजी)-2024 में अपार सफलता अर्जित की है। नारायणा के जमशेदपुर सेंटर के निदेशक श्याम भूषण ने कहा कि जेईई (मेन) में श्रेष्ठता साबित करने के बाद नीट प्रतियोगिता परीक्षा में भी नारायणा के छात्रों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया।

श्री श्याम भूषण ने पुनः कहा कि नारायणा के जमशेदपुर सेन्टर से निशांत कुमार ने (669 स्कोर), सैरम शमीम (623 स्कोर), नबीहा मंसुर (618 स्कोर), निशांत कुमार (614 स्कोर) को अंक हासिल हुआ है, इसके अलावा अन्य सफल छात्रों में शुमभ मोदक, दीपशिखा, आस्था कुमारी, अनुष्का आनंद, सिद्धी प्रसाद, अंजलि कुमारी, मो. रियानुद्दीन, निधि तिवारी, सुरभि प्रिया, मैरा हशन, अन्नया विश्वास, आस्था, इपशिता दास, सौम्यांजलि नाथ, लक्ष्या राज, पुनम मुर्मु, श्रेष्ठा सिंह मुण्डा, पीहु एक्का ने सफलता हासिल की है, जिसकी गणना अभी भी जारी है जिसमें और अधिक छात्रों के सफल होने की संभावना है।

नारायणा के जमशेदपुर सेन्टर के निदेशक श्री श्याम भूषण ने सफल छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि आगामी जे.ई.ई. (एडवान्स) - 2024 की रिजल्ट में भी शहर के टॉपर नारायणा के छात्र-छात्राए होंगे।

नीट यूजी

नारायणा जमशेदपुर के छात्रों का नीट की परीक्षा में धमाकेदार प्रदर्शन

पुनः श्री श्याम भूषण ने कहा कि नारायणा जमशेदपुर सेन्टर में प्रत्येक साप्ताहिक टेस्ट भी पूरे भारत स्तर पर आयोजित की जा रही है। जिससे छात्र-छात्राओं को प्रत्येक सप्ताह अपने आत्म अवलोकन के लिए ऑल इंडिया स्तर पर उनकी रैंकिंग का पता चलता है अर्थात जमशेदपुर सेन्टर में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को केवल अपने कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों से कम्पीशन नहीं बल्कि उनका कम्पीशन पूरे भारत स्तर पर नारायणा में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं से हो रही है।

चंदवा में लोकसभा चुनाव परिणाम जानने को लेकर उत्सुक दिखे लोग

भाजपा को निर्णायक बढ़त व चतरा से कालीचरण सिंह की जीत पर मना जश्न

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार/चंदवा। लोकसभा चुनाव 2024 में मंगलवार को सम्पन्न हुए मतगणना को लेकर चंदवा में लोग उत्सुक नजर आए। इस बार का लोकसभा चुनाव परिणाम लोगो के धड़कन को बढ़ाने वाला रहा है। लोग सुबह से ही काफी उत्सुक नजर आये। टीवी के सामने चिपक कर व चुनाव आयोग के ऑफिसियल वेबसाइट पर लोग आंकड़े को देखने मे व्यस्त रहे। इस दौरान विभिन्न दलों के कार्यकर्ता सोशल मीडिया पल पल का अपडेट लेते व देते रहे।

भाजपा के लिए रहा खुशी व गम का माहौल

जश्न मनाते लोग।

जश्न मनाते आजसू कार्यकर्ता।

इस बार का चुनाव परिणाम भाजपा कार्यकताओं के लिए खुशी और गम एक साथ लेकर आयी। चतरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह को मिली बड़ी जीत ओर पहुंचने पर कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए वहीं दूसरी ओर केंद्र में इस बार भाजपा के सीट में भारी गिरावट दर्ज होने के बाद कार्यकर्ता थोड़े मायूस भी नजर आए। जहां चुनाव के दौरान कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ आपकी बार 400 पर करने का दम भर रहे थे वहीं परिणाम में 300 के आंकड़ा को पार करने के लिए पार्टी को संघर्ष करते देखा कार्यकर्ता चिंतन व मंथन करते देखे गए। खास तौर पर उत्तर प्रदेश व बंगाल जैसे प्रदेश का चुनाव परिणाम भाजपा के लिए चिंताजनक रहा। हालांकि की देर शाम तक काउंटिंग जा रही थी आंकड़ों में फेर बदल होने की संभावना जताते कार्यकर्ता देखे गए।

देश मे कांग्रेस का बड़ा ग्राफ लेकिन हार गया चतरा सीट

वहीं दूसरी ओर पूरे देश में इस बात के चुनाव परिणाम इंडी गठबंधन के लिए काफी सकारात्मक रहा। चुनाव परिणाम में कई क्षेत्रों में इंडिया गठबंधन के बेहतर प्रदर्शन से कांग्रेस समेत गठबंधन दल के कार्यकर्ता काफी उत्साहित नजर आए वहीं दूसरी और चतरा सीट से पिछड़ने के कारण मायूसी भी देखने को मिली। परिणाम से पहले जहां कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी जीत का दावा कर रहे थे और कई विधानसभा क्षेत्र में बड़ी बढ़त मिलने की बात कहते थक नही रहे थे, लेकिन चुनाव परिणाम में यह सिर्फ हवा हवाई ही साबित हुई।

चतरा से एनडीए प्रत्याशी कालीचरण सिंह की जीत पर गठबंधन के आजसू पार्टी ने जश्न मनाया। जश्न में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं आजसू पार्टी जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि हम सभी का मेहनत रंग लाया है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जुलूस भी निकाला गया।

एक नजर में

एनडीए की जीत जनता के विश्वास की जीत है : आजसू

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड समेत पूरे देश में एनडीए की प्रचंड जीत के लिए जनता का आभार। हमारी जीत जनता के विश्वास की जीत है उनका प्रेम, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की गारंटी पर मोहर लगाते हुए लगातर तीसरी बार एनडीए को देश में पूर्ण बहुमत देने का काम किया है। सुदेश महतो ने मंगलवार को आए लोकसभा चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गिरिडीह पर एनडीए उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत पर उन्होंने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के कारण ही यह जीत संभव हो पाई है। गिरिडीहवासियों का यह प्यार और आशीर्वाद हमारी ताकत है। इसी ताकत के साथ हम गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। इस ऐतिहासिक जीत के लिए परिश्रम करने वाले सभी कार्यकताओं का धन्यवाद।

झारखंड में पांच दलबदलूओं को जनता ने नकारा

रांची। लोकसभा चुनाव के परिणाम लगभग साफ हो गये हैं। संसद पहुंचने की चाह में पाला बदलने वाले नेताओं को जनता ने नकार दिया है। अपनी पुरानी पार्टी छोड़ कर दूसरे दल का दामन थाम कर चुनाव लड़ने वालों में कोई भी जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच सका। पाला बदलने वालों में सीता सोरेन, जेपी पटेल, गीता कोड़ा, चमरा लिंडा और लोबिन हेम्ब्रम शामिल हैं। दुमका से सीता सोरेन ने झामुमो छोड़ भाजपा का दामन थामा था। वहीं हजारीबाग से जेपी पटेल भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए थे। जबकि सिंहभूम से गीता कोड़ा ने कांग्रेस छोड़ भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। वहीं बिशुनपुर के झामुमो विधायक चमरा लिंडा ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन कर चुनाव को रोमांचक बना दिया था लेकिन अंततः हार का स्वाद चखना पड़ा। झामुमो विधायक (अब निष्कासित) लोबिन हेम्ब्रम ने झामुमो से नाराज होकर राजमहल सीट से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे और हार का सामना करना पड़ा।

रिकवरी एजेंट की लूटपाट में हत्या या आपसी रंजिश में मर्डर ?

पलामू। सतबरवा थाना क्षेत्र के सतबरवा चट्टी में सोमवार देर शाम हुई रिकवरी एजेंट प्रियरंजन कुमार हत्या मामले की जांच पुलिस ने तेज कर दी है। रिकवरी एजेंट की लूटपाट में हत्या हुई या आपसी रंजिश में मर्डर किया गया, यह अबतक स्पष्ट नहीं हो पाया है। अज्ञात लुटेरों ने धावाडीह की ओर से आने के क्रम में स्व. फागू सिंह के घर के आगे मलय नदी के पास महुआ पेड़ के नीचे रिकवरी एजेंट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने घटनास्थल से स्टैंड किए हुए हालात में मृतक की बाइक बरामद की थी। मृतक के पिता युगेश राम ने मंगलवार को सतबरवा थाना में पुत्र की हत्या अज्ञात अपराधियों द्वारा कर दिए जाने का लिखित आवेदन दिया है, जिसमें बताया गया कि धावाडीह, लेस्लीगंज, डबरा के जोगिया, सोहड़ी से प्रियरंजन (21 साल) आईआईएफएल समस्ता फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत था। पिता ने जल्द मामले का उदभेदन करने का आग्रह किया है। चचेरे भाई संदीप कुमार ने बताया कि प्रियरंजन से दोपहर 2.30 बजे और शाम 5.40 टेलीफोन से बात हुई थी। रिकवर हुए 28 हजार से ज्यादा अपराधियों ने लूट लिए। हाथापाई भी हुई थी। थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि घटनास्थल तथा रिकवरी करने गए जहां युवक गया था, वहां पर जाकर जानकारी ली गई। परिजनों ने बताया कि प्रियरंजन को तीन गोली मारी गई है। दो गोली बाइक चलाकर आने दौरान मारी होगी। प्रियरंजन गोली लगने के बाद बाइक से भाग निकला होगा और महुआ पेड़ के पास गाड़ी पार्क करने के बाद गिर गया होगा। उसी दौरान अपराधियों ने एक गोली सटाकर मारकर फरार हो गए।

कांग्रेस ने पटाखे फोड़े और बांटी मिठाइयां

रांची। इंडी गठबंधन के झारखंड सहित पूरे देश में बेहतरीन प्रदर्शन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में पटाखे जलाकर और मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई। इस क्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने जनता का आभार जताया। ठाकुर ने कहा कि एग्जिट पोल एग्जिट हो गया। जनता के जनादेश को जिस तरह से कम आंका गया। उसे जनता ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान देश के लाखों करोड़ों लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को जानकर संघर्ष की पृष्ठभूमी तैयार की थी। लोगों के समस्याओं के समाधान का रास्ता निकालकर हम इस चुनाव में जनता के बीच गए। इसी का परिणाम है कि जनता ने भाजपा के नेतृत्व को नकारते हुए हम पर भरोसा कर हमें भरपूर समर्थन दिया है। भाजपा ने नैतिक रूप से जनता का समर्थन खो दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने भाजपा के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया है। झारखंड में महागठबंधन की सरकार बनते ही इसे गिराने का प्रयास किया जा रहा था। लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पा रहे थे। चुनाव के दौरान जिस तरह से महागठबंधन में शामिल दलो और परिवार को तोड़ने का प्रयास किया गया। उसे भी जनता ने देखा और उसे कसौटी पर परखा जिसका परिणाम यह रहा कि भाजपा झारखंड में दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच पाई।

624 अग्निवीरों ने ली देश सेवा की शपथ, ब्रिगेडियर ने बताया नाम, नमक और निशान का महत्व

रामगढ़। रामगढ़ के पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में मंगलवार को 624 अग्निवीरों ने देश सेवा की शपथ ली। पीआरसी के किलाहारि ग्राउंड में मंगलवार को इस मौके पर पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान 624 अग्निवीर शामिल हुए। 31 सप्ताह के कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के उपरांत अग्निवीर तैयार हुए हैं। परेड में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट सह ब्रिगेडियर संजय चंद्र कंडपाल ने परेड की सलामी ली। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अव्वल प्रदर्शन करने वाले 4 अग्निवीरों को सम्मानित किया गया। इस दौरान ब्रिगेडियर संजय चंद्र कंडपाल ने बताया कि पंजाब रेजीमेंटल सेंटर का वीरता से भरा हुआ गौरवशाली इतिहास रहा है। देश सेवा में रेजिमेन्ट के बहादुर जवानों ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया है। कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के बाद देश की आन, बान और शान की रक्षा करने के लिए अग्नि वीरों ने अंतिम पग रखा और भारतीय सेना के अभिन्न अंग बन गए।

गुमला विधायक भूषण तिर्की सहित छह आरोपितों के खिलाफ आरोप गठन 12 को

रांची। एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत में मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से जुड़े मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस मामले में गुमला विधायक भूषण तिर्की सहित छह आरोपितों की मुश्किलें बढ़ेगी। आरोपितों में फ्लोरा मिंज, शीला टोप्पो, शांति मारग्रेट बाड़ा, पुष्पा किस्पोट्टा, रंजीत सरदार शामिल है। मामले में अदालत ने 12 जून को अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की है। 12 जून को अदालत भूषण तिर्की सहित छह आरोपितों के खिलाफ आरोप गठन करेगी। यह मामला मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से जुड़ा है।

स्पीड न्यूज

कालीचरण सिंह के जीत पर भाजपाईयों ने मनाया जश्न, खूब फोड़े बम पटाखे

बारियातू। चतरा लोक सभा से कालीचरण सिंह की जीत पर प्रखंड में भाजपाई खूब बम पटाखे फोड़े। वहीं जश्न भी मनाया। बारियातू चौक चौराहा के अलावे गोनिया, बरछीया, गीधडिमोड़, गड़गोमा, मकरा, टोटी हेसला, चेडरा सहित अन्य स्थानों में भाजपाईयों ने कालीचरण सिंह की प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करने की खुशी में बम पटाखे फोड़े. आपको बताते चलें की सुबह से चतरा लोक सभा क्षेत्र के भाजपा व कांग्रेस दोनों टक्कर में चल रहे थे। पांचवे छट्ठे राउंड के बाद कालीचरण सिंह की बढ़त बनने लगी. उसके बाद लगातार बढ़त रहा। कालीचरण सिंह के जीत के बाद भाजपाईयों में काफी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

हल्की आंधी में चंदवा में पांच पोल से गिरा 33 हजार केवीए का तार, 6 घण्टे से बिजली गुल

चंदवा। चंदवा में 33 हजार वोल्ट के हाई टेंशन वायर की दयनीय स्थिति की पोल लगातार खुल कर सामने आ रही है। मंगलवार की दोपहर बाद आई हल्की तूफान के बाद चंदवा लातेहार के बीच सासंग के पास लगभग पांच खम्भो का हाई टेंशन तार गिर गया। तार के गिरने के बाद से चंदवा देवनद फीडर से जुड़े शहरी व ग्रामीण फीडर की बिजली की बिजली लगभग 6 घण्टे तक गुल रही। इस दौरान लोग लोकसभा चुनाव को लेकर जारी हो रहे परिणाम को देखने के लिए परेशान दिखे। विभाग के लोग गिरे हुए तार को दुरुस्त कर बिजली बहाल करने के प्रयास में जुटी थी। हालांकि खबर लिखे जाने तक बिजली बहाल नही हो पाई थी।

कटिहार के किले पर तारिक की फतह

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मजबूत किला रहे कटिहार संसदीय सीट पर कांग्रेस के तारिक अनवर ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के दुलाल चंद्र गोस्वामी को आज 49863 मतों के अंतर से धूल चटाकर छठी बार फतह का परचम बुलंद किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, कांग्रेस प्रत्याशी श्री अनवर को अंतिम चरण की मतगणना के बाद कुल 567092 मत प्राप्त हुए जबकि जदयू के श्री गोस्वामी को 517229 वोट मिले। इस तरह श्री अनवर ने श्री गोस्वामी को 49863 मतों के अंतर से से पराजित इस सीट पर एक बार फिर कब्जा जमा लिया है। गौरतलब है कि कटिहार, कदवा, बलरामपुर, प्राणपुर, मनिहारी और बरारी विधानसभा क्षेत्र से मिलकर बने कटिहार संसदीय सीट पर श्री अनवर ने इससे पहले वर्ष 1980, 1984, 1996, 1998 और 2014 जीत दर्ज की थी। इस बार के चुनाव में जीत दर्ज कर वह छठी बार संसद में कटिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

केंद्र में फिर बनेगी मोदी सरकार : जीतनराम

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने स्पष्ट कर दिया कि केंद्र में श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में राजग की ही सरकार बनेगी। गया (सु) लोकसभा सीट से जीतने के तुरंत बाद श्री मांझी ने गया के विष्णुपद मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी राजग के साथ है और गठबंधन के साथ ही रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाएंगे।श्री मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार एवं बोधगया (सु) के विधायक कुमार सर्वजीत को 102812 मतों के अंतर से हराया है। श्री मांझी ने चौथी बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत का परचम बुलंद कुया।

बालूमाथ में फिटनेस लेवल जिम का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददता

बालूमाथ। बालूमाथ मुरपा मोड़ के समीप सोमवार की देर शाम फिटनेस लेवल नामक जीम का उद्घाटन जिम के संचालक विशेष कुमार की मां सरिता देवी द्वारा फीता काटकर किया गया। संचालक विशेष कुमार ने बताया कि यह जिम में नई तकनीक की ट्रेड मिल, चैन पुल, बटर फ्लाई, थाई मशीन, बाई सेफ, टायसैफ, लेग प्रेस, पुल्ली मसीन, लेग कार्ल, लेग स्टेंसन, वैट लिफ्टर, हायस्कोर्ड़ समेत एक्सरसाइज की कई मशीन लगाई गई है इस जिम में कोलकाता के प्रशिक्षक अनिल कुमार एवं मुकेश कुमार तथा रांची के प्रशिक्षक संजय कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बालूमाथ में स्वास्थ्य सुविधा के ख्याल से एवं लोगों को अपना फिटनेस मेंटनेंस रखने को लेकर यह जिम खोला गया है। इस जिम में सारी तरह की सुविधा उपलब्ध है। जिम चार शिफ्ट में चलाया जाएगा। उन्होंने कहां की जिम में महिलाएं अगर एडमिशन लेती है तो महिला प्रशिक्षक का भी सुविधा दिया जाएगा। इससे पूर्व जिम का विधिवत पूजा अर्चना पंडित दीपक मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कराया गया। इस मौके पर विशेश्वर साव, सुरेश साव, विनय कुमार, जावेद अख्तर, सुनील कुमार, सागर कुमार, मोहम्मद सुहेल, मोहम्मद अफरोज, मोहम्मद अजहर, मो. शमीम समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

उद्घाटन करते संचालक की मां।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष को पितृ शोक

वाराणसी के मनकर्णिका घाट में किया गया अंतिम संस्कार

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष देवमणि वैद्य के पिता नरेश्वर वैद्य (87 वर्ष)का निधन मंगलवार की रात्रि इलाज के दौरान रांची में हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। बुधवार को उनका शव रांची से चंदवा लाया गया जहां लोगों के अंतिम दर्शन के पश्चात उनका शव उनके पैतृक निवास स्थान बनहरदी ले जाया गया, जहां सैकड़ो की संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। वे अपने विनम्र स्वभाव एवं पुरोहित कार्य के कारण समाज में काफी लोकप्रिय थे। जैसे ही लोगों ने उनके निधन का समाचार सुना उनके घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। लोगों के श्रद्धांजलि देने के पश्चात अंतिम संस्कार के लिए शव को वाराणसी ले जाया गया। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके जेष्ठ पुत्र देवमणि वैद्य ने उन्हें मुखाग्नि प्रदान किया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके दो पुत्र व चार पुत्री हैं। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व विधायक प्रकाश राम, लाल नीलम नाथ शाहदेव, लाल रंजन नाथ शाहदेव, प्रेम अग्रवाल, धर्मप्रकाश अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, राजकुमार पाठक, बनेशर यादव, हरिनन्दन दुबे, प्रमोद दुबे, महेंद्र साहू, त्रिभुवन पांडे, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अमित गुप्ता समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल है।

लोस चुनाव में एनडीए के जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जीत का जश्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/फुसरो। लोकसभा चुनाव में एनडीए के जीत पर मंगलवार को फुसरो में भाजपाइयों ने जीत का जश्न मनाया। फुसरो निर्मल महतो चौक पर भाजपाइयों ने एकजुट होकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, अबीर गुलाल लगाकर और पटाखे फोड कर जीत की होली दिवाली मनाया. साथ ही एक दूसरे को गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी को जीत की बधाई दिया। फुसरो मंडल अध्यक्ष दिनेश यादव, महामंत्री टुनटुन तिवारी व रमेश स्वर्णकार ने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता ने फिर से एनडीए पर विश्वास जताते हुए अपना वोट देने का काम किया। जिसका नतीजा है कि एनडीए प्रत्याशी सीपी चौधरी दूसरी बार सांसद बने है। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गिरिडीह की जनता को विश्वास है। जनता यह जानती है कि देश का विकास एनडीए ही कर सकती है। मौके पर अनिल गुप्ता, अशोक चौहान, देवनारायण महतो, भरत वर्मा, लालमोहन महतो, अशोक रविदास, चंदन कुमार, संजय विश्वकर्मा आदि मौजूद थे। इधर पुराना बीडीओ आफिस स्थित भाजपा कार्यालय के समिप भाजपा नेता शिवलाल रवि की अध्यक्षता में एनडीए प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी के जीत पर जश्न मनाते हुए आतिशबाजी किया गया। भाजपा नेता श्री रवि ने कहा कि यह जीत राष्ट्र हित की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हुआ है। देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास है। यहां भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई व अबीर-गुलाल लगाकर जीत का बधाई दिया।

मौके पर जगरनाथ राम, विनय सिंह, वीरू गिरी, रंजीत महतो, श्रीकांत सिंह यादव, अशोक रवि, लाल गिरि, विनोद रविदास, अर्जुन रवि, नरेश प्रसाद, युगल रवि, सूरज रवि, डालेशर रवि, धनेशर गिरी, डब्लू वर्मा, ओम सिंह, अशोक रवि आदि लोग मौजूद थे।

फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम मे कुल 207 लोगो का लिया गया सैम्पल

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। 1 जून से 10 जून तक चलने वाली फैलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चंदवा प्रखंड में कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसकी शुरूआत सोमवार की रात्रि आन गांव की गई। शिविर में मुखिया मालो देवी के देख रेख मे रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक मेडिकल टीम द्वारा फलेरिआ जाँच हेतु 20 वर्ष से अधिक के 207 लोगो का रक्त संग्रह किया गया। इस सम्बन्ध मे एमटीएस कृष्णाकांत कुमार ने बताया कि देश को मलेरिया रोग से मुक्त बनाने को लेकर उक्त कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में शिविर लगाकर रेंडम सैंपल कलेक्ट किया जा रहा है। जिसमे 20 साल से उपर आयु वर्ग के लोगो का रक्त संग्रह किया जाना है। ताकि इसके आधार पर लोगो मे माइक्रो फलेरिआ का पता किया जा सके व प्रखण्ड स्तर पर ही लोगो मे फैल रहे इस बीमारी के रोकथाम मे विभाग का विशेष लाभ मिलेगा। जाँच के बाद फलेरिआ पोजेटिव पाए जाने के बाद उक्त मरीज को निःशुल्क दवा दिया जाएगा। मौके पर मुखिया मालो देवी, एमटीएस कृष्णाकन्त कुमार, एमपीडब्ल्यू विकास रंजन, सीताराम कुमार, संजय विश्वकर्मा, चंद्रमोहन प्रसाद, सुरेश कुमार, मनोज कुमार, अमर प्रसाद, सीएचओ- आभा अंजनी लकड़ा, एएनएम-अनुकम्पा एक्का, सहिया-मानती देवी, बीरो देवी, पूनम देवी, सेविका-संजू देवी, चालक-बादशाह खान समेत कई लोग उपस्थित थे।

सेम्पल लेते कर्मी।

अररिया से भाजपा के प्रदीप कुमार सिंह जीते राजद के शाहनवाज आलम को हराया

एजेंसी

फारबिसगंज/अररिया। अररिया लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह ने यहां फिर एकबार जीत दर्ज की है. प्रदीप सिंह ने अपने करीबी प्रतिद्वंदी राजद के शाहनवाज आलम को सीधी टक्कर में मात दी है। प्रदीप सिंह (भाजपा) को 600146 मत मिले जबकि शाहनवाज आलम (राजद) को 580052 वोट मिले। प्रदीप सिंह ने पिछला चुनाव भी जीता था और फिर इस बार चुनाव जीत गए है और फिर एकबार सांसद बन गए है। अररिया बिहार की एक सामान्य लोकसभा सीट है। इस संसदीय क्षेत्र की साक्षरता 53.53 प्रतिशत के करीब है।

2014 के डेटा के मुताबिक यहां 8,43,076 पुरुष और 7,44,212 महिला मतदाता हैं। यहां अनुसूचित जाति की आबादी 13.61% के लगभग है और अनुसूचित जनजाति 1.38% के करीब है। अररिया लोकसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आई थी। इससे पहले यह पूर्णिया का हिस्सा थी। शुरूआती दो चुनावों में कांग्रेस ने अररिया में जीत हासिल की थी। 1977 में इंदिरा विरोधी लहर में यह सीट जनता पार्टी के कब्जे में चली गई। 1980 में कांग्रेस ने फिर वापसी की। फिर सुखदेव पासवान ने यहां लगातार तीन बार जनता दल का झंडा गाड़ा। इसके बाद से अररिया में बीजेपी और आरजेडी के बीच मुकाबला होता रहा है। अररिया लोकसभा सीट 2004 तक एससी आरक्षित रही, परिसीमन के बाद 2009 में यह सामान्य सीट हो गई। 2014 चुनाव में इस सीट पर इखढ को हराकर यूपीए के प्रत्याशी मोहम्मद तस्लीमुद्दीन विजयी रहे थे। कुल मतों 9,75,811 में से 4,07,978 मत हासिल कर राजद ने जीत दर्ज की थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में कुल 61.4 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी। वही, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदीप कुमार सिंह ने राजद के सरफराज आलम को 1.37 लाख वोटों से हराया था। इस बार 2024 में मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार प्रदीप सिंह का मुकाबला राजद के शाहनवाज आलम से था। अररिया लोकसभा सीट सीमांचल क्षेत्र में आती है। इस लोकसभा की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है। हालांकि, चुनाव में सिर्फ मुस्लिम फैक्टर काम नहीं करता है। यादव और अन्य पिछड़ी जातियां भी किसी पार्टी की जीत और हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अररिया लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा सीटें आती हैं। जिसमें नरपतगंज, रानीगंज (एससी), फारबिसगंज , अररिया, जोकीहाट, सिकटी हैं। इन छह सीटों में 3 पर बीजेपी, और बाकी तीन सीटों पर जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस का कब्जा है।

स्पीड न्यूज

पाटलीपुत्र से मीसा और जहानाबाद से राजद के सुरेंद्र यादव विजयी

पटना। बिहार के पाटलीपुत्र और जहानाबाद लोकसभा सीट से राजद ने जीत दर्ज की है। पाटलीपुत्र से राजद उम्मीदवार और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने भाजपा के रामकृपाल यादव को 61,655 मत से हरा दिया। पाटलीपुत्र सीट पर सीट से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती चुनाव जीत चुकी हैं। मीसा भारती ने तीसरी बार लोकसभा चुनाव में खड़ी हुई। तीसरी बार में मीसा भारती को सफलता हासिल हुई है। मीसा भारती को 4,54,871 मत प्राप्त हुआ,जबकि भाजपा के रामकृपाल यादव को 3,93,216 मत मिले। दूसरी ओर जहानाबाद से निवर्तमान सांसद व जदयू उम्मीदवार चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राजद के सुरेंद्र यादव भारी अंतर से हरा दिया है। जदयू कैंडिडेट और उनके पोलिंग एजेंट काउंटिंग सेंटर से निकल चुके हैं। जीत की औपचारिक घोषणा कुछ ही देर में की जाएगी। मीसा भारती ने अपने मुंहबोले चाचा को हरा दिया है। राजद कार्यकताओं में इस जीत की खुशी देखी जा रही है। कार्यकताओं में जश्न का माहौल है।

बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीपीआई के अवधेश राय को दी मात

दरभंगा। बिहार के बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और मौजूदा सांसद गिरिराज सिंह ने एक बार फिर शानदार जीत दर्ज की है। गिरिराज सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सीपीआई के अवधेश राय 81,480 को मात से हरा दिया। गिरिराज सिंह को 6,49,331 मत प्राप्त हुए जबकि सीपीआई के अवधेश राय को 5,67,851 मत मिला। इस जीत के बाद गिरिराज सिंह ने अपनी जीत का सारा श्रेय बेगूसराय की जनता एवं नरेंद्र मोदी को दिया है। उन्होंने कहा है कि कार्यकताओं का उत्साह एवं मेहनत आज देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की बदौलत ही जीत हुई है हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बिहार विपरीत चुनाव परिणाम देखने को मिला है। बेगूसराय के संबंध में भी उन्होंने कहा कि चुनाव काफी टफ था लेकिन कार्यकताओं की बदौलत हमने यह सफलता पाई है।

अपराधियो ने सीएसपी संचालक से की दस लाख की लूट

पूर्वी चंपारण। जिले के चिरैया थाना क्षेत्र में गंगापीपर और हरबोलवा गांव के बीच सरेह में हथियारबंद बदमाशों ने एसबीआई के सीएसपी संचालक करुण कुमार से दस लाख रुपये लूट लिए। पुलिस ने सीसीटीवी को खंगाला है। इसमें दो संदिग्धों की पहचान की गई है। जिसकी तलाश में पुलिस की छापेमारी जारी है। सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि सीएसपी संचालक ने अब तक आवेदन नहीं दिया है। उसने पुलिस को दस लाख रुपये लूट की बात बताई है। मामले की जांच की जा रही है। अपराधियो को जल्द ही पकड़ लिया जायेगा। जाएंगे।पीड़ित सीएसपी संचालक शिकारगंज थाना के चमही गांव के बताये गये हैं।जो हरबोलवा गांव के कुरसैल चौक पर सीएसपी का संतालन करते है। सोमवार को वे सीएसपी जा रहे थे,इसी बीच पल्सर बाइक पर सवार दो बदमाशों ने सरेह में घेर लिया और हथियार दिखाकर रुपयों से भरा बैग लूट कर फरार हो गये। सीएसपी संचालक ने बताया वे एक फाइनेंस कंपनी से रुपए लेकर हरबोलवा स्थित अपने केन्द्र लौट रहे थे।वही घटना की सूचना मिलते ही एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर पूरे क्षेत्र में ताबडतोड़ छापेमारी की जा रही है।

बिहार में नीतीश का जलवा बरकरार विरोधियों को लगा बड़ा झटका

एजेंसी

किशनगंज। बिहार में वोटों की गिनती जारी है। फिलहाल एनडीए बिहार में 33 सीटों पर लीड कर रही है लेकिन सियासी गलियारे में इस बात पर चर्चा होने लगी है कि बिहार में अब भी नीतीश कुमार का जलवा बरकरार है, क्योंकि ताजा रुझान जो सामने आ रहे है वो हैरान करने वाला है। लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल खड़े हो रहे थे। उनके एनडीए में शामिल होने पर कई तरह की बातें की जाने लगी थी

लेकिन अब रूझान सामने आने के बाद ये कहा जाने लगा है कि उनका जलवा अब भी बरकरार है। दरअसल, पहली बार ऐसा हुआ है कि जब बिहार में बीजेपी नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ी। बीजेपी ने 40 में से 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे जबकि जेडीयू के हिस्से में 16 सीटें आई थीं। 5 सीटों पर चिराग पासवान और एक सीट से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा भी एक सीट पर लड़ी। खबर लिखे जाने तक बीजेपी से कम सीटों पर चुनाव लड़कर भी जेडीयू गठबंधन में सबसे अधिक सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं तो यह नीतीश कुमार के लिए संजीवनी की तरह होगा। आप यहां गौर करे कि एग्जिट पोल अनुमानों में नीतीश कुमार की पार्टी को नुकसान के अनुमान जताए गए थे लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। गौरतलब है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू भी बीजेपी के बराबर यानी 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इनमें बीजेपी कोटे के सभी प्रत्याशियों की जीत हुई थी जेडीयू ने 16 सीटों पर फतह हासिल की थी। चिराग पासवान की पार्टी भी सभी 6 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, किशनगंज सीट से कांग्रेस की एकमात्र जीत हुई थी।

सोशल वर्कस संस्था ने किया भंडारा का आयोजन

गढ़वा। सोशल वर्कर संस्था के तत्वावधान में मंगलवार को शहर के रंका मोड़ स्थित संकट मोचन मंदिर

के समीप भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा में प्रसाद स्वरूप पूड़ी-सब्जी व बुन्दिया का वितरण किया गया। इस दौरान कन्हैयालाल केशरी व संगीता देवी (कन्हैया वस्त्रालय) ने अपनी शादी के 50वें वर्षगांठ पर भंडारा मे सहयोग किया। मौके पर अमित केशरी ने कहा कि मैं भी बहुत दिनों से जरूरतमन्दो की सेवा करना चाहता था। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने किसी विशेष दिन पर कुछ अच्छा करना चाहते है उनके लिए यह सोशल वर्कर संस्था का प्लेटफॉम सबसे कुशल है। संस्था के संचालक आकाश केशरी ने कहा कि शहर के लोग फूड फॉर हंगर का प्रोजेक्ट को अनवरत जारी रखने में सहयोग दे रहे हैं। मौके पर सुशील केशरी, शुभम केशरी, अनमोल कश्यप, उमंग सोनी, राज कश्यप, लक्की मधेसिया, सत्यम कश्यप, अंशु कांस्यकार आदि उपस्थित थे।

नीतीश के इंडी गठबंधन में जाने की बात का केसी त्यागी ने किया खंडन

नीतीश कुमार को लेकर चल रही बातें पूर्ण रूप से भ्रामक : केसी त्यागी

एजेंसी

पटना। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर चल रही मतगणना के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश के एक बार फिर इंडी गठबंधन में शामिल होने की चर्चा विपक्षी ने तेज कर दी है लेकिन जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इसका खंडन किया है। त्यागी ने कहा कि जदयू एनडीए का सबसे भरोसेमंद सहयोगी है। नीतीश कुमार को लेकर चल रही बातें पूर्ण रूप से भ्रामक हैं। उन्होंने शरद यादव के साथ जदयू नेताओं

की वार्ता होने की खबरों का भी खंडन किया है। साथ ही कहा है कि नीतीश कुमार एनडीए में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन में फिर से शामिल कराने की जिम्मेदारी एनसीपी प्रमुख शरद पवार को दी गई है। यह भी कहा जा रहा है कि शरद ने जदयू के नेताओं से संपर्क कर इस दिशा में वार्ता की है। अंतिम चरण के मतदान से पूर्व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि चार जून के बाद हमारे चाचा जी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर से पलटी मारेंगे। उल्लेखनीय है कि जदयू बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। जदयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी, जिसमें से 14 सीटों पर लीड कर रही है।

पूर्णिया से जीत के बाद बोले पप्पू यादव-नीतीश जी भारत को बचाने के लिये इंडिया गठबंधन के साथ आएंगे

एजेंसी

किशनगंज। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलयी उम्मीदवार पप्पू यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने जदयू के सिटिंग सांसद संतोष कुमार कुशवाहा को 50 हजार वोटों से पराजित किया। राजद की बीमा भारती तीसरे स्थान पर रहीं। जित के बाद पप्पू यादव ने कहा कि मैं चाहता हूं कि नीतीश कुमार जी बिहार को गौरवान्वित और भारत को बचाने के लिये

आईएनडीआईए गठबंधन के साथ आयेंगे। पूर्णिया से कुल 7 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। जीत के बाद मतदाताओं का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्णिया के सभी वर्गों का वोट उनको मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया के लोगों का यह कर्ज. वो कभी नहीं चुका पायेंगे। उन्होंने कहा कि देश में आईएनडीआईए गठबंधन की सरकार बनेगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार को गौरवान्वित करने और भारत को बचाने के लिये आईआईएनडीआईए गठबंधन के साथ आएंगे। हम पूर्णिया को पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने में कोई कमी नहीं रखेंगे। हम पहले भी आप सबसे कहते थे कि आईएनडीआईए गठबंधन सरकार बनायेगी। पप्पू यादव ने कहा की हम सबको हृदय से प्रणाम करते हैं। हम धन्यवाद देना चाहेंगे कुशवाहा जी को उन्होंने 10 साल पूर्णिया के एमपी के रूप में काम किये। जो भी आधे-अधूरे काम होंगे वो मैं करूंगा। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपनी बेटी बीमा भारती जी को। वो अलग बात है कि उनको नोटा के बराबर वोट आया है।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

धुरकी। थाना क्षेत्र के लिब्रा बालू घाट से बालू की चोरी कर अंबाखोरेया जंगल के रास्ते ले जा रहे ट्रैक्टर को धुरकी फॉरेस्ट टीम के सहयोग से धुरकी पुलिस ने जप्त कर लिया। इस कार्रवाई से आसपास के बालू माफिया में हड़कंप है। धुरकी थाना प्रभारी ने कहा कि अवैध बालू की ढुलाई किसी भी हाल में नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस लगातार छापामारी जारी रखेगी।

टेबल टेनिस के समर कैंप के तीसरे दिन खिलाड़ियों को सिखाये गए खेल के नियम

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में वन विभाग के सामुदायिक भवन में आयोजित पांच दिवसीय समर कैंप के तीसरे दिन 30 खिलाड़ियों ने टेबल टेनिस खेलने के तरीके को जाना। कोच कमलेश कुमार दुबे ने खिलाड़ियों को सर्वप्रथम फिजिकल फिटनेस पर ध्यान देते हुए सभी खिलाड़ियों को खेल से संबंधित व्यायाम कराया। इसके बाद नये खिलाड़ियों को रैकेट पकड़ने, टेबल के पास खड़े होने, सर्विस करने, सर्विस को रिसिव करने एवं खेल में एकाग्रता ध्यान

आदि के महत्व को बारिकी से समझाया। साथ ही पुराने खिलाड़ियों को अपने खेल में सुधार हेतु आवश्यक टिप्स दिये।

मौके पर सचिव आनंद सिन्हा ने समर कैंप में शामिल खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कोच कमलेश कुमार दुबे जो झारखंड टीम का कोच भी रहे हैं, उनके अनुभव का लाभ लेकर बेहतर खेल का प्रदर्शन करें और गढ़वा का नाम रौशन करें। गढ़वा के पूर्व खिलाड़ी और संघ के सदस्य संतोष कश्यप ने कहा कि संघ की ओर से टेबल टेनिस को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रतियोगिताओं का आयोजन होते रहा है। इस बार समर कैंप लगाकर खिलाड़ियों को खेलने का मौका दिया गया है। मौके पर संघ के पदाधिकारी संतोष, अभय कुमार, बालिका उच्च विद्यालय के फिजिकल शिक्षक सुशील तिवारी, रामासाहु के फिजिकल शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह, सिनियर खिलाड़ी ऋषभ राज सहित कई अभिभावक मौजूद थे।

खबर एक नजर में

अमित शाह ने मांझी और चिराग को दी बधाई, बुलाया दिल्ली

पटना। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर चल रही कांउटिंग में लोजपा (रामविलास) पांच सीटों पर और हम पार्टी एक सीट पर लीड कर रही है। गया में जीतनराम मांझी लगभग जीत चुके हैं। हालांकि, आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह ने हम संरक्षक जीतनराम मांझी को फोन कर जीत की बधाई दी है। साथ ही उन्होंने लोजपा चीफ चिराग पासवान से भी बात कर सभी सीटों पर शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी है। अमित शाह ने दोनों नेताओं को बुधवार को दिल्ली बुलाया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में बुधवार को एनडीए की बड़ी बैठक होनी है।

राजग गठबंधन की 30 सीटों पर जीत तय, तो इंडी गठबंधन 09, एक पर निर्दलीय ने मारी बाजी

पटना। बिहार में लोकसभा की 40 सीटों में से 13 सीटों के परिणाम घोषित हो गए है। जबकि 27 सीटों में बढ़त का अंतर पार्टी की जीत तय करती हुयी नजर आ रही है। बिहार में राजग गठबंधन 30 सीटों में आगे चल रही है, जिसमें से उसने 11 सीट पर जीत दर्ज कर ली है। बाकी की 19 सीटों पर उसकी जीत तय नजर आ रही है। प्रदेश की जिन 30 सीटों पर राजग गठबंधन आगे है उनमें 12 सीट पर भाजपा। जिसमें से उसने 06 सीट पर विजय का परचम लहरा दिया है। इसी तरह जदयू भी 12 पर आगे हैं, इनमें से 05 सीट जीत चुकी है और 07 पर आगे चल रही है। बिहार में राजग गठबंधन की लोजपा (आर) 01 सीट जीत चुकी है और चार पर अपराजय बढ़त बनाए हुए है। वहीं हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के सुप्रीमो जीतन राम मांझी गया से चुनाव जीत चुके हैं। दूसरी ओर इंडी गठबंधन की बात करें तो , यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 02 सीट पर जीत दर्ज कर 01 सीट पर आगे चल रही है। बिहार में राजद चार सीट पर आगे चल रही है। इंडी गठबंधन की सहयोगी सीपीआईएमएल 02 सीट में से एक पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव चुनाव जीत गए है। बिहार में चिराग पासवान लोकसभा चुनाव में मैदान में थे और उनके सभी उम्मीदवार बहुमत की तरफ बढ़ते हुए दिख रहे हैं ऐसे में चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट इस लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से 100 प्रतिशत रहने वाला है।

हाइवा की चपेट में आने से महिला की मौत

पूर्वी चंपारण। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत के वार्ड नंबर 2 में सोमवार की शाम हरसिद्धि सोनबरसा मुख्य मार्ग पर रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी की हाईवा गाड़ी की चपेट में आने से एक महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरसिद्धि के चिकित्सकों ने मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना से आक्रोशित लोगों ने आधे घंटे के लिए हरसिद्धि छपवा मुख्य मार्ग को भी जाम कर दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि सोनबरसा गांव वार्ड नंबर 10 निवासी श्री पटेल की पत्नी निर्मला पटेल हरसिद्धि से अपना इलाज करा कर बाइक सवार एक लड़के के साथ अपने घर सोनबरसा जा रही थी कि सोनबरसा की ओर से आ रही हाईवा गाड़ी की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं ग्रामीण के अनुसार सुगौली हाजीपुर रेल लाइन के निर्माण हेतु सोनबरसा मन (झील) से मिट्टी की कटाई हो रही है। रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी की हाईवा गाड़ी के द्वारा मिट्टी ले जाकर रेलवे लाइन के लिए भरी जा रही है जिस कारण सड़क पर मिट्टी गिरकर धूल हो जा रही है। उसे धूल को मिटाने के लिए लगातार कंपनी द्वारा सड़क पर पानी गिराया जा रहा है जिससे सड़क पर फिसलन अधिक हो गई है। जिससे बाईक का चक्का फिसल कर हाईवा की चपेट में आ गया और महिला की मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बहुत लापरवाही बरती जा रही है। आक्रोश में ग्रामीणों ने हरसिद्धि छपवा मुख्य मार्ग को आधे घंटे के लिए जाम कर दिया, लेकिन थानाध्यक्ष के समझाने से जाम तो हट गया पर हाईवा गाड़ी घटनास्थल पर खड़ी है और ग्रामीण कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक व ठेकेदार को बुलाकर समस्या का समाधान करने की बात कर रहे हैं। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार कंस्ट्रक्शन कंपनी के पदाधिकारी व ठेकेदार हरसिद्धि थाना पर पहुंचे हुए हैं दोनों ओर से वार्ता जारी है।

पेज एक का शेष

फिर मोदी सरकार...

बीजेपी ने तीसरी बार सत्ता में आने पर एक देश, एक चुनाव और समान नागरिक कानून जैसे अहम मुद्दों को लागू करने की बात कही थी। ऐसे में इस तरह के किसी भी प्रस्ताव पर फैसला करने से पहले बीजेपी की मजबूरी होगी कि वह सहयोगी दलों के साथ सहमति बनाए।

सबसे बड़ी जीत : इंदौर सीट पर भाजपा को सबसे बड़ी जीत मिली है। पार्टी शंकर सिंह लालवानी ने रिकॉर्ड 11 लाख 75 हजार 92 मतों से जीत मिली। आखिरी समय में कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन वापिस लिए जाने के बाद से बीजेपी की जीत तय हो गयी थी। यहां नोटा को एक लाख से अधिक वोट मिले। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने इस देश में सबसे अधिक वोटों से जीत दर्ज करने वाले दूसरे उम्मीदवार हैं। हसन ने एआइयूडीएफ प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया।

जीत के बाद कल्पना ...

झूठे आरोपों, अफवाह फैलाने वाले प्रचार तंत्र और तमाम साजिशों को दरकिनार करते हुये आप सभी ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिस प्रकार आशीर्वाद दिया है। वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। आप सभी के सहयोग से, झारखंड के विकास और यहां की आम जनता की सेवा का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा।

गोड्डा से निशिकांत...

उन्होंने सुबोधकांत सहाय की बेटी और कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को हराया। खूंटी सीट पर अर्जुन मुंडा को कांग्रेस के कालीचरण मुंडा ने हरा दिया। कांग्रेस ने खूंटी के साथ-साथ लोहरदगा सीट भी भाजपा से छीन ली है। लोहरदगा से कांग्रेस के सुखदेव भगत ने भाजपा के समीर उरांव को हराया है। कोल्हान की दो सीट जमशेदपुर और सिंहभूम दोनों खेमे में गयी। जमशेदपुर सीट से भाजपा के विद्युत वरण महतो ने हैट्रिक लगायी। उन्होंने भामुमो के समीर मोहंती को मात दी है। वहीं सिंहभूम सीट से झामुमो की जाबा मांझी ने भाजपा की हेवीवेट कैंडिडेट गीता कोड़ा को हरा दिया।

संथाल की तीन सीट गोड्डा, दुमका और राजमहल में से दो सीट झामुमो और एक सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार रहा। गोड्डा में भाजपा के निशिकांत दुबे ने कांग्रेस के प्रदीप यादव को हराया। यह उनकी लगातार सीसरी जीत है। राजमहल सीट पर झामुमो के विजय हांसदा ने हैट्रिक लगायी। उन्होंने भाजपा के ताला मरांडी को मात दी है। दुमका सीट पर जेएमएम के नलिन सोरेन ने भाजपा की सीता सोरेन को कड़े मुकाबले में पटखनी दी है।

लोकसभा चुनाव क्षेत्र परिणाम, दुमका - नलिन सोरेन (झामुमो), कोडरमा - अन्पूर्णा देवी (भाजपा), रांची- संजय सेठ (भाजपा), जमशेदपुर- विधुत वरण महतो (भाजपा), सिंहभूम- जोबा माझी (झाममो), खूंटी -कालीचरण मुंडा (कांग्रेस), लोहरदगा- सुखदेव भगत (कांग्रेस), गोड्डा -निशिकांत दुबे (भाजपा) गिरिडीह- चंद्रप्रकाश चौधरी (आजसू), पलामू- विष्णु दयाल राम (भाजपा), चतरा- कालीचरण सिंह (भाजपा) , धनबाद----ढुल्लू महतो (भाजपा) राजमहल- विजय हांसदा (झामुमो), हजारीबाग-मनीष जायसवाल(भाजपा)

एनडीए और इंडिया गठबंधन की बैठक आज

▸▸ प्रधानमंत्री ने ओड़िशा में भाजपा की जीत, नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए को मिली जीत पर दी बधाई

1962 के बाद पहली बार किसी सरकार ने तीसरी बार की वापसी : मोदी

खबर मन्त्र संवाददाता

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर तस्वीर लगभग साफ होने के साथ ही भाजपा ने केंद्र में सरकार गठन के लिए विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है।सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने बुधवार को एनडीए के अपने सहयोगी दलों की बैठक दिल्ली में बुलाई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने स्वयं सभी सहयोगी दलों के नेताओं को फोन कर एनडीए की बैठक के लिए आमंत्रित किया है। बैठक में भाजपा सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तार से चर्चा करेगी और साथ ही सरकार गठन को लेकर भी विचार-विमर्श करेगी। इस बीच, चुनाव नतीजों को लेकर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई।नड्डा के आवास पर हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। बताया जा रहा है कि इन तीनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तृत चर्चा की। जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने इस उच्चस्तरीय बैठक में भविष्य की रणनीति, सरकार गठन और सहयोगी दलों को साथ बनाए रखने पर भी चर्चा की है।

इधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा। फैसला इस बात का लिया जाएगा कि कांग्रेस विपक्ष में बैठेगी या सरकार बनाने की कोशिश करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्साहवर्धक प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेस ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस किया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उसके बाद राहुल गांधी ने भी कहा, अब नरेंद्र मोदी नहीं चाहिए। राहुल गांधी ने सबसे पहले प्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आप जितनी हमारी मदद कर सकते थे, आपने की। लेकिन मैं एक बात कहना चाहूंगा कि यह चुनाव महज बीजेपी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी संवैधानिक संस्थाओं, जांच एजेंसियों, न्यायपालिका के खिलाफ था, जिसे पीएम मोदी और अमित शाह ने अपने कब्जे में ले रखा है। इंडिया गठबंधन बहुत ही प्रतिकूल माहौल में चुनाव लड़ा।

मोदी ने लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली जीत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा है कि ये विजय, भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है, ये विकसित भारत के प्रण की जीत है, ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है, ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके लिए यह भावुक पल है। उनकी माताजी के देहांत के बाद यह उनका पहला चुनाव था। लेकिन, देश की करोडों माताओं ने उन्हें मां की कमी नहीं खलने दी। विरोधी दल मिलकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी सीटें भाजपा अकेले जीती है। तीसरे कार्यकाल में देश नए फैसलों का एक अध्याय लिखेगा और यह मोदी की गारंटी है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बड़ा मंगल है और इस पावन दिन लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बननी तय है। पीएम मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली जीत का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आ रही है।

उन्होंने जनादेश के लिए देश की जनता-जनार्दन का आभार जताते हुए कहा कि वे जनता-जनार्दन के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। वे इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए देशवासियों को नमन करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में सही तरीके से चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग का अभिनंदन किया। उन्होंने ओडिशा में भाजपा की राज्य सरकार बनने, केरल और तमिलनाडु में जीत मिलने, चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए गठबंधन को मिली जीत सहित देश के कई राज्यों में विपक्ष का सूपड़ा साफ होने की बात कहते हुए जनता-जनार्दन को नमन किया। साथ ही कड़ी मेहनत करने के लिए भाजपा और एनडीए कार्यकताओं को धन्यवाद भी कहा। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तीसरी बार एनडीए सरकार बनाने के लिए देशवासियों और देश के करोड़ों मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि चाहे चुनाव की बेला हो, देश का नेतृत्व करने की बात हो और देश को समस्याओं से निकालने की बात हो, पीएम मोदी ने हमेशा देश और देश की जनता को आगे बढ़ाने का काम किया है। जबकि, विपक्ष ने हमेशा नकारात्मक राजनीति की और लगातार तीसरी बार हार के बाद विरोधी दलों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन एकजुट है और एनडीए के कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मेहनत करने को तैयार हैं। वह एनडीए के सभी साथी दलों और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने अथक प्रयास कर एनडीए को जीत दिलाई है।

दिल्ली के सातों सीटों पर फिर खिला कमल

नयी दिल्ली। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर एक बार फिर 'कमल' खिला है। भाजपा ने दिल्ली की सभी सीटों पर शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने मिलकर काफी दम लगाया, लेकिन कुछ खास अंतर होता नजर नहीं आया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उत्तर पूर्वी दिल्ली में भाजपा के मनोज तिवारी 1 लाख 37 हजार अधिक वोटों से कांग्रेस के कन्हैया कुमार को हराया। मनोज तिवारी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है । नई दिल्ली सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने आप के सोमनाथ भारती को 78,000 से अधिक वोटों से हराया। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 01 लाख 24 हजार अधिक मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सही राम को हराया। उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के योगेन्द्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2,74,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा के हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार के खिलाफ 81,000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की। चांदनी चौक सीट से भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल को 89,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पश्चिमी दिल्ली सीट से भाजपा की कमलजीत सहरावत ने आम आदमी पार्टी के महाबल मिश्रा को 1,95,000 से अधिक मतों से हराया।

छिंदवाड़ा में 40 साल बाद लहराया भगवा

भोपाल। मध्य प्रदेश की सबसे हॉट सीट छिंदवाड़ा में 40 साल बाद कमल खिला है। छिंदवाड़ा सीट से भाजपा के बंटी साहू ने कांग्रेस के नकुलनाथ को एक लाख 13 हजार 555 वोटों से हरा दिया है। दरअसल, आजादी के बाद से छिंदवाड़ा सीट ज्यादातर कांग्रेस की रही है। वर्ष 1977 में जब पूरे देश में इंदिरा गांधी के खिलाफ लहर थी, तब भी ये सीट कांग्रेस ने ही जीती थी। यहां से कमलनाथ नौ बार सांसद रहे हैं। इस सीट पर कमलनाथ परिवार का 40 सालों से भी ज्यादा समय से कब्जा था।

मैनपुरी में भाजपा को झटका,डिंपल जीतीं

यादव पैट्टी की सबसे महत्वपूर्ण सीटों में से एक उत्तर प्रदेश की मैनपुरी संसदीय सीट पर सपा उम्मीदवार डिंपल यादव एक बार फिर से रिकॉर्ड मतों से जीतने में सफल हुयी हैं। डिंपल ने भाजपा उम्मीदवार और प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को दो लाख 21 हजार 639 मतों से करारी शिकस्त दी है।

अनुप्रिया ने मिर्जापुर में लगायी हैट्रिक : अपना दल (एस) प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल ने कड़े मुकाबले में सपा के रमेश बिंद को करीब 38 हजार मतों से शिकस्त देकर जीत की हैट्रिक बनायी है। पटेल को 469682 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी रमेश बिंद को 432017 मत मिले हैं।

मेनका गांधी हारीं : सुलतानपुर सीट पर भाजपा की दिग्गज नेता और प्रत्याशी मेनका गांधी को हार का सामना करना पड़ा है। सपा के राम भुआल निषाद को चार लाख 21 हजार 858 वोट मिले जबकि मेनका को तीन लाख्ख 80 हजार 98 मतों से संतोष करना पड़ा है।

केरल में पहली बार खुला भाजपा का खाता

केरल में भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट पर 74,686 वोटों से जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। पूर्व राज्यसभा सदस्य गोपी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीआई के वीएस सुनील कुमार को 74,686 मतों के अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

राहुल गांधी और शशि थरूर जीते : उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड सीट 3 लाख 64 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत ली है। इसके साथ ही कांग्रेस के उम्मीदवार शशि थरूर ने तिरुवनंतपुरम सीट भाजपा उम्मीदवार और पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर से 16 हजार से ज्यादा वोटों से जीत ली है।

स्पीकर ओम बिरला ने लगायी हैट्रिक

राजस्थान में कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लगातार तीसरी जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार प्रहलाद गुंजल को 41,974 मतों से हराया।

रामनगरी में कमल मुरझाया, साइकिल दौड़ी

उत्तर प्रदेश की सबसे हॉट सीट बनी फैजाबाद-अयोध्या लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी और निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह लोकसभा चुनाव हार गए। सपा के अवधेश प्रसाद को 5,54,289 वोट मिले। वहीं भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के खाते में 4,99,722 वोट आए। सपा ने 54,567 वोट के अंतर से फैजाबाद सीट पर जीत दर्ज की।

अमेठी से स्मृति ईरानी हारीं, केएल शर्मा जीते

अमेठी। उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा चुनाव जीत गए हैं। शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की स्मृति ईरानी को 1,67,196 मतों के अंतर से हराया। चुनाव आयोग के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा को 5,39,228 और भाजपा की स्मृति ईरानी को 3,72,032 मत मिले। बहुजन समाज पार्टी के नन्हे सिंह चौहान 34,534 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सुखोई दुर्घटनाग्रस्त दोनों पायलट सुरक्षित

नयी दिल्ली । वायु सेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को नासिक के सिरसा गांव क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया हालाकि विमान के दोनों पायटल सुरक्षित हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने एचएएल के नासिक स्थित केन्द्र से प्रशिक्षण उडान भरी थी और इसे एचएएल के पायलट उडा रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में ईडी की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

वरुण धवन बने पिता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी।

पाक :कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गयी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

वाराणसी से पीएम मोदी की हैट्रिक

कांग्रेस के अजय राय को 1,52,513 मतों से हराया

वाराणसी। देश की सबसे हाई प्रोफाइल वाराणसी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अजय राय को 1,52,513 मतों से पराजित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की जीत का अंतर 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले जहां काफी कम रहा, वहीं लोकसभा चुनाव 2019 के मुकाबले उन्हें मत भी कम मिले। प्रधानमंत्री की हैट्रिक जीत की घोषणा होते ही जश्न मनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए । कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिष्ठान्न खिलाकर खुशी जताई। हालांकि जीत का अंतर बड़ा न होने पर पार्टी के बड़े नेता क्लास लगने के डर से मायूस भी दिखे। गौरतलब है कि वर्ष 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भाजपा के प्रत्याशी को कुल 581022 मत और दूसरे स्थान पर रहे आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल को 209238 मत मिले थे।

हमीरपुर से पांचवीं बार जीते अनुराग ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी ने देवभूमि हिमाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। सभी चारों सीटों पर भाजपा ने अच्छे अंतर से जीत हासिल कर वर्ष 2014 और वर्ष 2019 का रिकार्ड कायम रखा। इसे मोदी मैजिक का प्रभाव माना जा रहा है। प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा का कांग्रेस से मुख्य मुकाबला था। हमीरपुर संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार और केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने विरोधी सतपाल रायजादा को एक लाख 82 हजार 357 मतों से हराया है।

राजनाथ सिंह ने एक लाख, 35 हजार मतों से मेहरोत्रा को हराया

लखनऊ। भाजपा के प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने लखनऊ लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा को 01 लाख,35 हजार,159 मतों के अंतर से हराया है। भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को अंतिम राउण्ड की गिनती में 612709 मत मिले तो उनके मुकाबले समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा ने 477550 मत पाये हैं।

भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने वोटों की गिनती के 10 वें राउण्ड में ही सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा पर बढ़त बना लिया। इसके बाद हर राउण्ड में जीत का अंतर बढ़ता गया। राजनाथ सिंह के समर्थकों ने जीत होते ही मिठाईयां खिलाकर खुशियां जाहिर की और मतगणना स्थल के बाहर एकत्रित होकर जमकर नारे लगाये।

जोधपुर से शेखावत ने लगायी जीत की हैट्रिक

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर से जीत की हैट्रिक मारते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी करण सिंह उचियारड़ा को 1,14,750 वोटों के अंतर से हराया। शेखावत ने अपनी जीत का श्रेय पार्टी कार्यकताओं को दिया है। उन्होंने कहा, कार्यकताओं के भागीरथी परिश्रम से ही यह जीत संभव हो पाई है।

मध्य प्रदेश में भाजपा का क्लीन स्वीप

▸▸ इंदौर में शंकर लालवानी पौने बारह लाख वोट से जीते
▸▸ विदिशा से शिवराज सिंह चौहान आठ लाख से अधिक मतों से और गुना से सिंधिया पांच लाख ज्यादा से जीते

भोपाल। भाजपा ने मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप किया है। कांग्रेस को यहां एक भी सीट भी नहीं मिल पाई है। भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। इंदौर में भाजपा को लोकसभा इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिली है। यहां शंकर लालवानी रिकॉर्ड 11 लाख 75 हजार 92 वोट से जीते हैं। विदिशा से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 8 लाख 21 हजार 408 वोटों से जीत हुई है। भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा और खजुराहो से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीते हैं । राजगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह एक लाख 40 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए। रतलाम सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया भी हार गए हैं। गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पांच लाख 40 हजार 929 वोट से जीते हैं। टीकमगढ़ में वीरेंद्र कुमार खटीक की 4 लाख 3 हजार 312 और मंडला सीट से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एक लाख 3 हजार 846 वोटों से जीते हैं। इसके अलावा टीकमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र कुमार खटीक की 4 लाख 3 हजार 312 वोटों से जीत हुई है। भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा करीब 5 लाख वोटों से जीते हैं। खजुराहो सीट पर भाजपा प्रत्याशी वीडी शर्मा भी जीत चुके हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 5 लाख 25 हजार 798 वोटों से हराया है। वहीं, सागर सीट से भाजपा प्रत्याशी लता वानखेड़े 4 लाख 69 हजार 83 वोटों से जीती हैं। सतना सीट से भाजपा प्रत्याशी गणेश सिंह 84449 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। सतना सीट पर लगातार यह उनकी पांचवीं जीत है। होशंगाबाद सीट से भाजपा के दर्शन सिंह चौधरी 4 लाख 31 हजार 696 वोटों से जीत गए हैं। बैतूल में भाजपा प्रत्याशी दुर्गा दास उईके 3 लाख 80 हजार 598 वोटों से चुनाव जीते। मंडला सीट से बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते 1 लाख 3 हजार 846 वोटों से जीते हैं।

मेघवाल ने लगाया चौका

राजस्थान के बीकानेर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने चौथी बार चुनाव जीत लिया है। मेघवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी राजस्थान के पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल को 54509 मतों से हराया है।

नागपुर से तीसरी बार जीते नितिन गडकरी

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र से जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे को 1 लाख 37 हजार 603 वोटों के अंतर से हराया। 20 राउंड की गिनती में नितिन गडकरी को 6 लाख 55 हजार 27 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे को 5 लाख 17 हजार 424 वोट प्राप्त हुए। गडकरी लगातार तीसरी बार नागपुर जीते हैं। 2014 में गडकरी ने कांग्रेस उम्मीदवार विलास मुत्तेमवार को हराया था।

तीसरी बार सांसद बनीं हेमा मालिनी

मथुरा। कान्हा की नगरी में ड्रीमगर्ल अभिनेत्री ने मंगलवार हैट्रिक बनाकर विपक्ष को बुरी तरह से परास्त कर दिया है। भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी ने 2,93,407 मत से जीत हासिल करके तीसरी बार सांसद बन चुकी हैं। उन्हें कुल 5 लाख 09 हजार 577 वोट मिले हैं। वहीं कांगेस प्रत्याशी मुकेश धनगर को 2 लाख 16 हजार 657 वोट और बसपा के सुरेश सिंह को एक लाख 88 हजार 417 वोट मिले है, वहीं भानु प्रताप निर्दलीय को 15665 वोट मिले है।

कंगना रनौत जीतीं

मंडी । बॉलीवुड की क्वीनऔर भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने मंगलवार को मंडी संसदीय क्षेत्र में पूर्व राजपरिवार के वंशज तथा कांग्रेस विधायक विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ 74 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। कंगना रनौत को 5,37,022 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे सिंह को 4,62,267 मद मिले हैं। राज्य के सबसे कठिन और लगभग दो-तिहाई क्षेत्र को कवर करने वाले इस विशाल निर्वाचन क्षेत्र में विरासत और स्टारडम के बीच टकराव देखने को मिला।

आंध्रप्रदेश में एनडीए की जीत

विधानसभ चुनाव

अमरावती। आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन जीता। परिणामों में राज्य की सत्ताधारी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। जबकि लोकसभा चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस एक सीट जीत चुकी है और तीन पर आगे है।

आंध्र प्रदेश विधानसभा की कुल 175 सीटों में से 116 सीटों के चुनाव नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। जबकि 59 सीटों के नतीजे आने अभी बाकी हैं। इसके मुताबिक आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में एनडीए के घटक दल टीडीपी ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए अब तक 91 सीटें जीत लीं जबकि 43 सीटों पर निर्णायक बढ़त की ओर है।

ओड़िशा में भाजपा बनायेगी सरकार

भुवनेश्वर । ओड़िशा विधानसभा में भाजपा 72 सीटों सीट जीती उसके बाद बीजद (57) और कांग्रेस (14) पर आगे है। पूर्व मंत्री तुकुनी साहू टिटलागढ़ में पीछे चल रहे हैं, जबकि अतनु सब्यसाची नायक महाकालपाड़ा में पीछे हैं। गौरतलब है कि 2019 में ओडिशा में भाजपा ने सिर्फ आठ लोकसभा और 23 विधानसभा सीटें जीती थीं।

भाजपा ने की नायडू को राजग संयोजक पद की पेशकश

विजयवाड़ा। भाजपा नेतृत्व ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में,तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंध (राजग)संयोजक पद की पेशकश की है।

शेयर बाजार में भूचाल, 31 लाख करोड़ डूबे

एजेंसी

▸▸ सेंसेक्स 4389 अंक टूटकर 72079 पर और निफ्टी 1379 अंक उतरकर 21884 पर बंद

मुंबई । लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में मंगलवार को भूचाल आ गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गये। एक्जिट पोल में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हतास हो गये और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुयी बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर हुआ और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा।

शेयर बाजार में आज की इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गये। न भर के कारोबार में

बीएसई में 3,934 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 498 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,339 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 97 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,317 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 110 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,207 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 2 शेयर बढ़त के साथ और 28 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 183 अंक लुढ़क कर 76,285.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 2,809.49 अंक टूट कर 73,659.29 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran- II	₹ 120	Hindi Vyakaran- II	₹ 120
English Grammar II	₹ 120	English Grammar II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !